राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 अडानी की झोली में गिरेगी एक और बडी कंपनी....

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 80 | नई दिल्ली, मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 45.0°C
न्यूनतम तापमान 33.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	40%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,43,620
चांदी	1,42,360
सेंसेक्स	77,616.40
निफ्टी	24,211.00

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मॉडल टाउन में मिशन 70 लाख पौधा रोपण महाअभियान में लिया हिस्सा

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को मॉडल टाउन में आयोजित एक पेड़ मां के नाम मिशन 70 लाख पौधा रोपण महाअभियान में हिस्सा लेकर पौधा रोपण किया। इस कार्यक्रम में मॉडल टाउन क्षेत्र में लगभग 1,100 पौधे लगाए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, हरियाली और स्वस्थ जीवन देने के संकल्प का प्रतीक है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अशोक गोयल, बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि और अन्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में बड़े स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 7 जुलाई को मेगा प्लांटेशन ड्राइव की शुरूआत की गई थी, जिसके तहत दिल्ली सरकार ने जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष पोर्टल- https://greendrive.delhivanmahotsav.in भी शुरू किया है। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को पौधारोपण अभियान से जुड़ने और अपनी सुविधानुसार तिथि, समय और स्थान का चयन कर स्लॉट बुक करने की सुविधा दी गई है। दिल्ली सरकार वृक्ष रथ के माध्यम से आपके घर निःशुल्क पौधे पहुंचाएगी। साथ ही नागरिक नर्सरी लोकेटर के माध्यम से अपनी निकटतम सरकारी नर्सरी का चयन कर वहां से निःशुल्क पौधा भी प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के प्रत्येक खाली और उपयुक्त स्थान को हरित क्षेत्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मॉडल टाउन क्षेत्र में सेंट्रल वर्ज, मेट्रो कॉरिडोर के नीचे और सड़कों के दोनों ओर पौधारोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मातृत्व के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक जनआंदोलन है।

भारत-जापान ने दिखाई स्वतंत्र व नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्धता

प्रातः किरण, एजेंसी

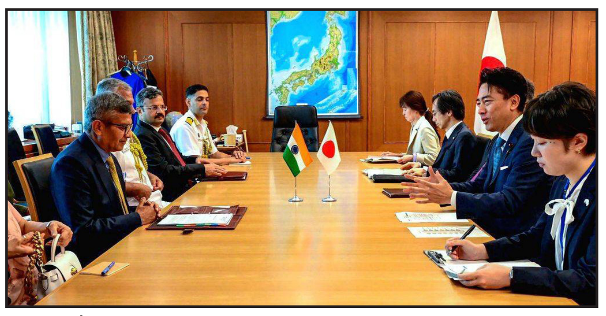

नई दिल्ली। भारत व जापान के बीच टोक्यो में 8वीं भारत-जापान रक्षा नीति वार्ता आयोजित की गई है। इस महत्वपूर्ण वार्ता का उद्देश्य दोनों देशों के रक्षा क्षेत्र में बढ़ते संयुक्त सहयोग को और मजबूत बनाना है। 13 जुलाई को हुई यह वार्ता भारत व जापान के रक्षा संबंधों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस दौरान भारत और जापान ने एक बार फिर स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों देशों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान पर आधारित व्यवस्था ही क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित कर सकती है। बैठक में रक्षा औद्योगिक सहयोग, तकनीकी नवाचार, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष तथा अन्य उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी विचार किया गया। दोनों देशों ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर बढ़ते सामंजस्य पर संतोष व्यक्त किया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में निकट सहयोग जारी रखने पर सहमति जताई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस वार्ता की सह-अध्यक्षता भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और जापान के अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप रक्षा मंत्री कानो कोजी ने की। बैठक में दोनों पक्षों ने पिछली रक्षा नीति वार्ता के बाद द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई उल्लेखनीय प्रगति की समीक्षा की और भारत-जापान विशेष सामरिक एवं वैश्विक साझेदारी को और सुदृढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। टोक्यो में गई वार्ता के दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने आपसी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में सैन्य आदान-प्रदान, संयुक्त मुख्यालयों के बीच सहयोग, समुद्री सुरक्षा सहयोग व रक्षा अभ्यास पर चर्चा की गई। इसके अलावा क्षमता निर्माण, रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी सहयोग, समुद्री प्रौद्योगिकी तथा संस्थागत संपर्कों को और बढ़ाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग के लगातार विस्तार का स्वागत करते हुए उच्च स्तरीय संवाद और नियमित बैठकों के महत्व पर जोर दिया। इस वर्ष प्रस्तावित मंत्रिस्तरीय यात्राओं तथा भारत-जापान 2 प्लस 2 वार्ता से संभावित परिणामों पर भी चर्चा की गई। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भारत के साथ रक्षा क्षेत्र में जापान की निरंतर भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि विशेष सामरिक एवं वैश्विक साझेदारी के ढांचे के अंतर्गत व्यावहारिक सहयोग को और मजबूत बनाना आवश्यक है।

मेडिकल रिसर्च में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा भारत : राजनाथ

प्रातः किरण, एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को लखनऊ स्थित किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और मेडिकल रिसर्च में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। पहले गंभीर बीमारियों के इलाज में लोगों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो जाती थी, लेकिन अब आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को निशुल्क इलाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल इलाज उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाना भी रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का स्वास्थ्य तंत्र पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर, सुलभ, किफायती, आधुनिक और जन-केंद्रित बना है। राजनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि आज प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा दो एम्स भी कार्यरत हैं। उत्तर प्रदेश अब वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज की अवधारणा से भी आगे निकल चुका है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तभी बेहतर हो सकती है, जब पर्याप्त संख्या में डॉक्टर और विशेषज्ञ उपलब्ध हों। इसी सोच के साथ सरकार ने मेडिकल शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार किया है। आज भारत जीन थेरेपी, न्यूक्लियर मेडिसिन और अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के स्वदेशी समाधान विकसित कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

ऑल इंडिया नौसैनिक कैंप 2026 का समापन

मुंबई। नेवल विंग कैडेट्स के लिए नेशनल कैडेट कॉर्प्स (एनसीसी) का मुख्य सालाना ट्रेनिंग कैंप, ऑल इंडिया नौ सैनिक कैंप (एआईएनएससी) 2026, आईएनएस शिवाजी, लोनावला में संपन्न हुआ। एनससी डायरेक्टरेट जनरल हेडक्वार्टर की ओर से एनससी डायरेक्टरेट महाराष्ट्र द्वारा आयोजित इस कैंप में देश के बेहतरीन एनससी कैडेट्स को प्रोफेशनल मिलिट्री ट्रेनिंग, समुद्री कौशल विकास, लीडरशिप और राष्ट्रीय एकता के गहन कार्यक्रम के लिए एक साथ लाया गया। समापन समारोह का निरीक्षण एनसीसी डायरेक्टरेट महाराष्ट्र के एडिशनल डायरेक्टर जनरल मेजर जनरल विवेक त्यागी ने किया, जिनके साथ आईएनएस शिवाजी के कमांडिंग ऑफिसर कमोडोर एस. पार्थिबन भी मौजूद थे। इस मौके पर महाराष्ट्र एनसीसी डायरेक्टरेट और आईएनएस शिवाजी के सीनियर अधिकारी और स्टाफ भी उपस्थित थे। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ डायरेक्टरेट ने कई तरह के कॉम्पिटिटिव इवेंट्स में लगातार शानदार परफॉर्मेंस देते हुए प्रतिष्ठित चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती और ओवरऑल चैंपियन बना। महाराष्ट्र डायरेक्टरेट की कैडेट टीया राजेश अवाले को ह्यबेस्ट गर्ल कैडेटह्ल का खिताब दिया गया जबकि असम डायरेक्टरेट के कैडेट सोधा राजवीर सिंह को ह्यबेस्ट बॉय कैडेटह्ल चुना गया। इस कैंप में देशभर के सभी 17 एनसीसी डायरेक्टरेट्स से 612 नेवल विंग एनससी कैडेट्स ने हिस्सा लिया, जिनमें 204 गर्ल कैडेट्स शामिल थीं। इस कैंप की एक खास बात इस हफ़्ते की शुरुआत में एनसीसी के डीजी लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स (वीएसएम, एसएम, वीएसएम) का दौरा था। कैडेट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने उनके अनुशासन, उत्साह और समर्पण की तारीफ की और उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

रक्षा मंत्रालय ने उपराष्ट्रपति को नेशनल कैडेट कोर और सैनिक स्कूलों के बारे में जानकारी दी

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के वाइस-प्रेसिडेंट सीपी राधाकृष्णन को सोमवार को उपराष्ट्रपति भवन में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों ने नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) और सैनिक स्कूलों के बारे में जानकारी दी। प्रेजेंटेशन में एनसीसी के लगभग 20 लाख लोगों वाले युवा संगठन के तौर पर विकास, इसकी ट्रेनिंग और देश बनाने की कोशिशों के साथ-साथ सैनिक स्कूलों के काम करने के तरीके और उन्हें बढ़ाने के बारे में बताया गया, जिसमें पूरे देश में नेटवर्क को मजबूत करने का रोडमैप भी शामिल था। देश बनाने में एनसीसी के योगदान की तारीफ करते हुए वाइस-प्रेसिडेंट ने एक भारत श्रेष्ठ भारत को नेशनल इंटीग्रेशन को मजबूत करने के लिए एक बहुत अच्छी पहल बताया। उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान और स्वच्छ भारत अभियान समेत एनसीसी की कम्युनिटी सर्विस की पहलों की भी तारीफ की और एनसीसी एलुमनाई एसोसिएशन की स्थापना का स्वागत किया। इस बात पर जोर देते हुए कि एनसीसी को मजबूत करना एक साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

शिवराज सिंह चौहान ने 1,400 से ज्यादा पौधे लगाने के लिए पांच साल के बच्चे को सम्मानित किया

प्रातः किरण, एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पर्यावरण संरक्षण में योगदान के लिए पांच साल के रुद्रांश उपाध्याय को सम्मानित किया। मूल रूप से वाराणसी के रहने वाले और अब पंचकूला में रह रहे रुद्रांश को नई दिल्ली में वृक्ष मित्र कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बुलाया गया था, जहां उन्होंने मंत्री के साथ पौधारोपण अभियान में हिस्सा लिया। उनके पिता ज्ञानेंद्र उपाध्याय भारतीय सेना में कार्यरत हैं। इस कार्यक्रम के दौरान रुद्रांश ने बताया कि उन्होंने 1,455 पौधे लगाए हैं, जिनमें से 1,427 पौधे जीवित हैं। ज्यादातर पौधे पंचकूला, चंडीगढ़ और चंडीमंदिर छावनी में लगाए गए हैं। उसने बताया कि वह हर रविवार कम से कम सात पौधे लगाता है और नियमित रूप से उनकी वृद्धि पर नजर रखता है। रुद्रांश ने अपने वृक्षारोपण अभियान का डिजिटल रिकॉर्ड भी पेश किया, जिसमें हर पौधे की जगह, प्रजाति और मौजूदा स्थिति की जानकारी थी। उसकी कोशिशों से प्रभावित होकर चौहान ने उसे एक पौधा और 10,000 रुपये का नकद इनाम देकर सम्मानित किया।

गो हत्या पर मद्रास हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु सरकार को राज्य में बकरीद के दौरान और अन्य किसी भी दिन गाय और बछड़ों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश का अंतिम हिस्सा पहली नजर में सुधार की आवश्यकता वाला प्रतीत होता है। अदालत ने फिलहाल उस आदेश के अमल पर रोक लगाते हुए तमिलनाडु सरकार की याचिका पर नोटिस जारी किया है। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने मई 2026 में एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि तमिलनाडु में बकरीद की पूर्व संध्या या किसी अन्य दिन गाय और बछड़े का वध नहीं होना चाहिए। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि इस्लाम में गाय की कुबार्नी कोई अनिवार्य धार्मिक प्रथा नहीं है और मुस्लिम समुदाय अन्य पशुओं की भी कुबार्नी दे सकता है। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में दलील दी कि हाईकोर्ट का आदेश राज्य के तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958 के विपरीत है। राज्य सरकार का कहना था कि कानून के तहत कुछ परिस्थितियों में 10 वर्ष से अधिक उम्र की और काम या प्रजनन के लिए अनुपयुक्त घोषित गायों के वध की अनुमति दी जाती है।

नागरिकता का फैसला निष्पक्ष प्रक्रिया से होना चाहिएः उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नागरिकता और विदेशी होने के निर्धारण से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि किसी भी व्यक्ति की नागरिकता का निर्णय केवल निष्पक्ष, वैधानिक और उचित प्रक्रिया के आधार पर ही किया जा सकता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नागरिकता केवल कानूनी पहचान नहीं, बल्कि संविधान द्वारा संरक्षित एक महत्वपूर्ण अधिकार है, इसलिए ऐसे मामलों में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने असम से जुड़े 27 मामलों में दायर अपीलों को स्वीकार करते हुए गुवाहाटी उच्च न्यायालय के उन आदेशों को निरस्त कर दिया, जिनमें विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा संबंधित व्यक्तियों को विदेशी घोषित करने के निर्णय को बरकरार रखा गया था। शीर्ष न्यायालय ने सभी मामलों को नए सिरे से सुनवाई के लिए संबंधित विदेशी न्यायाधिकरण को वापस भेज दिया। शीर्ष न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि नागरिकता अथवा विदेशी होने का निर्धारण अत्यंत संवेदनशील विषय है, जिसका सीधा संबंध व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों से है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का वास्तविक और प्रभावी अवसर मिलना चाहिए। केवल औपचारिक प्रक्रिया अपनाना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने यह भी कहा कि यदि जांच और सुनवाई निष्पक्ष नहीं होगी तो न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होगी।

'न्यूनतम सुशासन, अधिकतम लीपापोती' है मोदी सरकार की नीतिः कांग्रेस

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भ्रष्टाचार के मामलों को दबाने तथा जवाबदेही से बचने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी सरकार की असली नीति न्यूनतम सुशासन, अधिकतम लीपापोती की रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में कहा कि मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री मोदी ने ना खाऊँगा, ना खाने दूँगा का नारा दिया था लेकिन यह दावा पूरी तरह से खोखला साबित हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने आठ नवंबर 2016 की श्री मोदी की नोटबंदी की घोषणा को संगठित लूट और वैध लूट बताने का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बाद गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (जीएसपीसी) को ओएनजीसी में मिलाकर 20 हजार करोड़ रुपये के कथित घोटाले को छिपाने, चुनावी बॉण्ड योजना के माध्यम से कथित चंदा दो, धंधा लो व्यवस्था, राफेल सौदे पर उठे सवाल, बिना पारदर्शिता और जवाबदेही वाले पीएम केयर्स फंड तथा आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसी प्रमुख सरकारी योजनाओं में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों में सामने आई अनियमितताओं का उल्लेख किया। श्री रमेश ने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में कई और घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने ना खाऊँगा, ना खाने दूँगा के दावे की वास्तविकता उजागर कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला देश की आस्था के साथ धोखा बताया और कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के आदेश के बावजूद अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर बने हुए हैं, जबकि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पर अपने परिजनों को कथित रूप से लाभ पहुंचाने के गंभीर आरोप लगे हैं और वह भी पद पर बने हुए हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को विभिन्न प्रकार के आर्थिक प्रलोभन देकर तोड़ा जा रहा है। केंद्र सरकार में एक राज्य मंत्री अपने ही मंत्रालय की योजना का लाभ लेने के आरोपों के बावजूद पद पर बने हुए हैं। इसी तर्ज पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में केंद्रीय मंत्री के चार करीबी सहयोगियों को अचानक हटाए जाने, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ई-20 नीति से केंद्रीय मंत्री के परिवार को कथित लाभ पहुंचाने तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री के परिवार के प्रशासनिक कार्यों में कथित हस्तक्षेप जैसे मामलों का भी उल्लेख किया।

यह भी बताया गया कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में....

उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय सड़क संपर्क विकसित करना हमारी प्राथमिकता: नितिन गडकरी

प्रातः किरण, एजेंसी

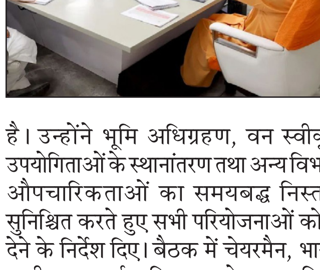

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं सड़क अवसंरचना से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा उत्तर प्रदेश सरकार के प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सीएम योगी ने कहा कि आधुनिक सड़क अवसंरचना विकसित उत्तर प्रदेश की आधारशिला है और इसके माध्यम से निवेश, उद्योग, कृषि, पर्यटन, व्यापार तथा रोजगार को नई गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख इंजन बनकर उभरा है, इसलिए राज्य में विश्वस्तरीय सड़क संपर्क विकसित करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृति, उपयोगिताओं के स्थानांतरण तथा अन्य विभागीय औपचारिकताओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करते हुए सभी परियोजनाओं को गति देने के निर्देश दिए। बैठक में चेयरमैन, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। इस अवधि में लगभग 10,204 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का आवंटन किया गया, जबकि लगभग 9,329 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। अप्रैल 2025 से मई 2026 के बीच 606 किलोमीटर नई परियोजनाएं स्वीकृत हुई तथा 1,010 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण पूरा किया गया। प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर लगभग 1.94 लाख करोड़ रुपए व्यय किए गए, जिनमें वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग 23,445 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। यह भी बताया गया कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स, ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए रॉयल्टी मुक्त मिट्टी की व्यवस्था, रिंग रोड एवं बाईपास परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण लागत में राज्य सरकार की भागीदारी तथा सरकारी भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने जैसे निर्णयों से परियोजनाओं के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय तेजी आई है। केंद्रीय मंत्री ने इन पहलों की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रभावी समन्वय का सकारात्मक परिणाम परियोजनाओं की प्रगति में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बैठक में प्रदेश की प्रमुख निमार्णाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए बताया गया कि लगभग 13,980 करोड़ रुपए की लागत से विकसित हो रही मथुरा-बरेली-सितारगंज चार लेन परियोजना, लगभग 5,904 करोड़ रुपए की आगरा-अलीगढ़ चार लेन परियोजना, आगरा-ग्वालियर-झांसी-नागपुर आर्थिक गलियारा, कानपुर रिंग रोड, नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, जेवर को जोड़ने वाली छह लेन संपर्क परियोजना तथा मुरादाबाद-काशीपुर चार एवं छह लेन परियोजना निर्धारित समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। इनके पूरा होने से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड तथा औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्रों के बीच संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। समीक्षा के दौरान बरेली बाईपास में वृक्षों की कटान के विषय पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वृक्षों को काटने के बजाय आधुनिक तकनीक के माध्यम से उनका प्रत्यारोपण किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

दहेज में 35 लाख रुपए और लक्जरी कार न देने पर विवाहिता से मारपीट का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

हरिद्वार, एजेंसी। कनखल थाना क्षेत्र में एक विवाहिता से पति और ससुराल पक्ष पर दहेज में 35 लाख रुपये नकद और लग्जरी कार की मांग करने का मामला सामने आया है. आरोप है कि मांग पूरी न करने पर विषय के साथ मारपीट की गई और और घर से निकाल भी निकाल दिया गया. कनखल पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर पति, सास और ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और मामले की जांच शुरू कर दी है. कनखल थाना क्षेत्र स्थित ब्रह्म विहार निवासी निशी गर्ग ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि नवंबर 2025 में उनका विवाह ब्रह्म विहार निवासी शुभम बिंदल से हुआ था. शादी में उनके परिवार ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार लाखों रुपये खर्च किए और सोने चांदी के आभूषण, नकदी समेत खूब दान दहेज दिया था. लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं हुआ. विवाह के कुछ समय तक तो सब कुछ सही चलता रहा. लेकिन बाद में पति शुभम बिंदल, सास सुमन बिंदल और ससुर यशपाल बिंदल ने 35 लाख रुपये और एक लग्जरी कार की मांग शुरू कर दी. महिला ने आरोप लगाया है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ लगातार मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया गया. बार बार उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया. बीती तीन अप्रैल को ससुराल पक्ष ने उसके साथ मारपीट की और दहेज की फिर से मांग की. मांग पूरी न करने पर उसे घर से बाहर निकाल दिया और दहेज लेकर ही वापस आने की बात कही गई. पीड़िता ने बताया कि उसके परिवार वालों ने शादी में खूब दान दहेज दिया था और शादी करने के लिए उधार भी लिया था. अब परिवार वाले इतनी मोटी रकम और लक्जरी कार देने में असमर्थ हैं. लेकिन ससुराल वाले लगातार उससे दहेज की मांग कर रहे हैं. मांग पूरी न करने पर उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है. उसने आरोप लगाया कि मांग पूरी न करने पर बीती 20 मई को कनखल स्थित गंगा घाट पर पति ने दोबारा मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई. पीड़िता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है.

खटीमा वन रेंज में नर हाथी का शव मिलने से हड़कंप, संदिग्ध मौत की जांच शुरू

खटीमा, एजेंसी। सीमांत क्षेत्र खटीमा में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब अंधेरा पुल क्षेत्र में शारदा नहर से लगे जंगल में एक वयस्क नर हाथी मृत अवस्था में मिला. सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. जिसके बाद वन विभाग ने मामले की जांच शुरू की. हाथी की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा. खटीमा वन रेंज के अंधेरा पुल क्षेत्र में शारदा नहर से लगे जंगल में एक नर हाथी का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया. स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी के शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी. घटना की जानकारी मिलते ही खटीमा रेंज के रेंजर हरेंद्र सिंह बिष्ट वन कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया. वहीं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि एडवोकेट राकेश बिष्ट ने बताया रविवार सुबह लगभग सात बजे ग्रामीणों ने सूचना दी कि जंगल से लगे खेत में एक हाथी के मृत अवस्था में पड़ा है. जिसके बाद तत्काल वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई. प्रारंभिक जांच में मृत हाथी नर बताया जा रहा है. जिसकी उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष आंकी गई है. रविवार होने के कारण पशु चिकित्सकों की टीम देर से पहुंची. वन विभाग के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हाथी की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा. ग्रामीणों के मुताबिक शनिवार रात हाथियों का एक झुंड इस क्षेत्र में आया था. घटनास्थल से कुछ दूरी पर उन्होंने जमकर उत्पात भी मचाया. अंधेरा पुल क्षेत्र शारदा नहर के किनारे स्थित होने के कारण यहां खटीमा और किलपुरा रेंज से हाथियों का आवागमन अक्सर बना रहता है. फिलहाल वन विभाग सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है. अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य जांच के बाद ही हाथी की मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी.

डीडीहाट सीएचसी में होंगे गर्भवतियों के अल्ट्रासाउंड

डीडीहाट (पिथौरागढ़), एजेंसी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) डीडीहाट में 12 जुलाई को अल्ट्रासाउंड शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में गर्भवतियों का स्थानीय स्तर पर अल्ट्रासाउंड किया जाएगा। इससे उन्हें जांच के लिए महिला अस्पताल के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। सीएचसी डीडीहाट में लाखों रुपये की अल्ट्रासाउंड मशीन खरीदी गई है। रेडियोलॉजिस्ट न होने के कारण इसका संचालन नहीं हो पा रहा था। इस वजह से क्षेत्र की गर्भवतियों और मरीजों को जांच के लिए जिला और महिला अस्पताल जाना पड़ता था। विभाग ने अब मशीन का संचालन करने का निर्णय लिया है। सीएचसी के डॉक्टर बीएस मेहरा ने बताया कि जिला अस्पताल के रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर राम बाबू 12 जुलाई को सीएचसी पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि आशा और एएनएम कार्यकर्ताओं की ओर से डीडीहाट में अल्ट्रासाउंड शिविर का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

मसूरी के खेतवाला गांव में सड़क के मलबे से ग्रामीण परेशान, भूस्खलन से भी बंद हो रहा मार्ग

मसूरी, एजेंसी। पहाड़ों में विकास कार्यों का खामियाजा खेतवाला गांव के लोग भुगत रहे हैं. एक ओर करीब एक करोड़ रुपए की लागत से संपर्क मार्ग का निर्माण किया जा रहा है, तो दूसरी ओर निर्माण से निकला मलबा सड़क किनारे ही डाले जाने के कारण पहली ही तेज बारिश में पूरा क्षेत्र संकट में आ गया है. हालत ये हैं कि गांव का संपर्क मार्ग कई स्थानों पर ध्वस्त हो चुका है. जबकि, गांव को जोड़ने वाली सड़क भी भूस्खलन की वजह से बाधित हो रही है. इसके अलावा क्षतिग्रस्त पहाड़ी पर अटके बोल्डर और मलबा कभी भी गिर सकता है, जिससे बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता है.

बता दें कि बीती दिनों बारिश के बाद खेतवाला से मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सड़क कई स्थानों पर धंस गई थी. सड़क पर डाला गया भारी मात्रा में मलबा बारिश के पानी के साथ बहकर फैल गया था. जिससे खेतवाला, कंपनी गार्डन और आसपास के गांवों को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग बाधित हो गया था. ग्रामीणों का आरोप था कि निर्माण कार्य के दौरान मलबा वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित करने के बजाय सड़क किनारे डाल दिया गया, जिसका खामियाजा अब पूरे क्षेत्र को भुगतना पड़ रहा है.

महिलाओं ने संभाला मोर्चा, खुद बनाया पैदल रास्ताः सड़क पूरी तरह बंद होने के बाद जब राहत नहीं पहुंची, तो गांव की महिलाओं ने खुद झाड़ियां और घास काटकर पैदल आवाजाही के लिए वैकल्पिक रास्ता तैयार किया. इसी रास्ते से स्कूली बच्चे, मजदूर, बुजुर्ग और ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर आवाजाही करते दिखे. ग्रामीणों का कहना था कि यदि गर्भवती महिला या गंभीर मरीज को अस्पताल ले जाना पड़ जाए, तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है.

निर्माण का मलबा बना पर्यावरण के लिए भी खतराः ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण से निकला मलबा सीधे ढलानों से होकर नीचे बह रहा है. जो बिस्मिल्ला नदी में पहुंच रहा है. इससे जलस्रोतों के प्रदूषित होने का खतरा बढ़ गया है. मलबे की चपेट में आने से कई बहुमूल्य पेड़ और वन संपदा भी क्षतिग्रस्त हुई है. स्थानीय लोगों का कहना था कि लोक निर्माण विभाग की ओर से एक साल पहले पहाड़ से आने वाले मलबे को रोकने के लिए सुरक्षा दीवार लगाई गई थी, लेकिन दीवार की घटिया गुणवत्ता के कार वो दो से तीन महीने में ही धाराशाही हो गई. 10 महीने बाद भी नहीं सुधरी पेयजल लाइनः ग्रामीणों ने बताया कि 16 सितंबर 2025 की आपदा में गांव की पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन करीब दस महीने बीत जाने के बाद भी उसे पूरी तरह ठीक नहीं किया गया. बरसात के मौसम में सड़क और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव ग्रामीणों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा रहा है. ग्रामीणों में जनप्रतिनिधियों के प्रति भी नाराजगी है. ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग और सरकार से मांग की है कि खेतवाला को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग को तत्काल सुरक्षित बनाया जाए. निर्माण मलबे का वैज्ञानिक निस्तारण कराया जाए. क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन को जल्द दुरुस्त किया जाए. साथ ही भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में स्थायी सुरक्षा कार्य कराए जाएं. उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो बरसात के दौरान किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता.

जाली दस्तावेज से 19 लाख का लोन लेने का आरोपी गिरफ्तार

अल्मोड़ा, एजेंसी। उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक की अल्मोड़ा शाखा से जाली दस्तावेज के आधार पर 19 लाख रुपये का कर्मचारी ऋण लेने के मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी चंपावत जिले के लोहाघाट से की गई है। कोतवाली पुलिस के अनुसार बैंक शाखा प्रबंधक समीर भटनागर की तहरीर पर 4 नवंबर 2025 को मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि एनएच चंपावत में कार्यरत हिमांशु कुमार ने कर्मचारी ऋण योजना के तहत जाली दस्तावेज जमा कर 31 मई 2025 को 19 लाख रुपये की ऋण सीमा स्वीकृत कराई। जांच में सामने आया कि उसने पूर्व में काशीपुर शाखा से भी 18.50 लाख रुपये का ऋण लिया था और बिना शाखा को सूचना दिए वेतन अल्मोड़ा शाखा में स्थानांतरित करा दिया। दोनों शाखाओं के रिकॉर्ड के मिलान में पिता का नाम, आधार, पैन कार्ड, गारंटर से जुड़े दस्तावेज समेत कई अभिलेख फर्जी पाए गए। आरोप है कि इस कार्य में उसके विभाग के कुछ कर्मचारियों ने भी सहयोग किया।

मामले में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना की गई। एसएसपी चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत एएसपी हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और सीओ बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने 9 जुलाई को हिमांशु कुमार (31) को लोहाघाट से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार हिंमाशु ने फर्जी तरीके से खुद को लोक निर्माण विभाग अल्मोड़ा में बताया था।

चंडी देवी मंदिर परिसर में गंदगी देख भड़के दर्जामंत्री, अधिकारियों को मुकदमा दर्ज कराने की दी चेतावनी

हरिद्वार, एजेंसी। इको टूरिज्म बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं दर्जामंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि ने हरिद्वार स्थित चंडी देवी मंदिर का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर, रोपवे मार्ग और दुकानों के आसपास फैली गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताई. राज्य मंत्री ने रोपवे कंपनी के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तीन दिन के भीतर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए. उन्होंने चेतावनी दी कि तय समय में व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने समेत कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

राज्यमंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि के अनुसार उन्हें लगातार शिकायतें मिल रहीं थी कि मंदिर परिसर के आसपास गंदगी फैल रही है. जिससे न सिर्फ पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि वन्यजीवों को भी खतरा है. इसके साथ ही कूड़े से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं में भी अच्छा संदेश नहीं जा रहा है. शिकायतों का संज्ञान लेकर वो सोमवार को अचानक चंडी देवी मंदिर पहुंच गए और औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान मंदिर तक जाने वाले रोपवे मार्ग के आसपास बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथीन और अन्य कचरा बिखरा मिला.

पहाड़ी पर गंदगी देख मंत्री भड़क उठे और उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए रोपवे के अधिकारियों को फटकार लगाई. साथ ही कूड़े की सफाई न कराने पर मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी. राज्य मंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि ने मंदिर परिसर में संचालित दुकानों का भी निरीक्षण किया. इस दौरान कई दुकानों के पीछे कचरा जमा मिला, जिस पर उन्होंने दुकानदारों को भी फटकार लगाई. उन्होंने सभी दुकानदारों को अपने दुकानों और आसपास के क्षेत्र में नियमित साफ सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए और बताया कि कि स्वच्छ वातावरण बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है. इसके साथ ही उन्होंने मुख्य पुजारी और मंदिर समिति के पदाधिकारियों को भी नियमित साफ सफाई के निर्देश दिए. बता दें कि चंडी देवी मंदिर पहाड़ी पर स्थित है और यह हरिद्वार वन विभाग की सीमा के अंतर्गत आता है. सिद्धपीठ होने के कारण रोजाना यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए आते हैं. मंदिर जाने के लिए श्रद्धालु पैदल मार्ग के अलावा रोपवे का भी इस्तेमाल करते हैं. ओमप्रकाश जमदग्नि ने कहा कि मंदिर परिसरों को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाए रखना इको टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में जरूरी कदम है. तीन दिन बाद दोबारा निरीक्षण किया जाएगा. यदि तब भी गंदगी मिली तो संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

मायके जा रही पत्नी का बीच रास्ते पति से हुआ विवाद, बाइक रुकवाकर 1 साल की बेटी के साथ गंगनहर में कूदी

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के बहादराबाद थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां पति पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद पत्नी अपनी एक वर्षीय मासूम बेटे को लेकर गंग नहर में कूद गई. गहरे पानी में मां बेटी डूबकर लापता हो गए. लापता महिला की पहचान 30 वर्षीय सविता के रूप में हुई है. सूचना मिलते ही बहादराबाद थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और दोनों की तलाश के लिए सर्च अभियान शुरू कर दिया गया. पुलिस के अनुसार, 35 वर्षीय अर्जुन पुत्र बालेश्वर, कोटा मुरादनगर, थाना कलियर के रहने वाले हैं. रविवार को अर्जुन अपनी 30 वर्षीय पत्नी सविता और दो बच्चों के साथ बाइक से सविता के घर यानी अपने ससुराल गांव रायपुर दरेड़ा, थाना बहादराबाद जा रहा था. उनके साथ उनका चार वर्षीय बेटा और एक वर्षीय बेटी भी थी. बेटी सविता ने गोद में थी. जबकि बेटा बाइक पर आगे बैठा था. अर्जुन ने बताया कि, जब परिवार दौलतपुर स्थित डीपीएस कॉलेज के पास पहुंचा तो पत्नी ने घर पर रुकने की बात कही. इसी बात को लेकर पति पत्नी के बीच कहासुनी हो गई. विवाद बढ़ने पर सविता ने बाइक रुकवाई और अपने एक साल की बेटी को गोद में लेकर गंग नहर में छलांग लगा दी. इससे पहले कि अर्जुन कुछ समझ पाता, मां बेटी गहरे पानी में डूबकर लापता हो गए. महिला और बच्ची के नहर में कूदते ही आसपास मौजूद लोगों में अफरा तफरी मच गई. देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. लोगों ने तुरंत घटना की पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही बहादराबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची. जल पुलिस और एसडीआरएफ को बुलाकर संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ. गोताखोर और रेस्क्यू टीम नहर में महिला और मासूम बच्ची की तलाश में जुटी हुई है. पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है. घटना के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है. परिजन मौके पर मौजूद हैं. पति का भी रो-रोकर बुरा हाल है. उनका चार साल का बेटा सुरक्षित है. इसके साथ ही बहादराबाद थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह समेत पुलिस बल मौके पर मौजूद हैं. मौके पर लोगों की भारी भीड़ भी जुट गई है. लोग, महिला और मासूम बच्ची के सकुशल मिलने की उम्मीद में रेस्क्यू अभियान पर नजर बनाए हुए हैं.

सड़क हादसे में बुझ गया घर का चिराग, चंपावत में 19 साल के युवक की मौत

खटीमा, एजेंसी। चंपावत जिला मुख्यालय से बड़ी खबर सामने आई है. 19 साल के स्कूटी सवार युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई. हादसा डंपर की वजह से हुआ है. पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है. हालांकि ड्राइवर मौके से फरार हो गया. इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया. पुलिस ने पोस्मार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया. जानकारी के अनुसार हादसा शनिवार को घटकू मंदिर के पास हुआ. स्कूटी सवार दीपक जोशी (19) पुत्र मुरलीधर जोशी निवासी मौराडी की सामने से आ रहे डंपर से टक्कर हो गई थी. बताया जा रहा है कि डंपर मंच तामली की ओर खनन सामाग्री लेकर जा रहा था, तभी ये हादसा हुआ. हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाल बीएस बिष्ट ने नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची. पंचानामा की कार्रवाई कर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्मार्टम के लिए भेजा. जैसे ही घटना की सूचना परिजनों को मिली उन पर दुःखों का पहाड़ टूट गया. दीपक जोशी घर का इकलौता चिराग और तीन भाई बहनों में सबसे छोटा था. दोनों बड़ी बहनों की शादी हो गई है. दीपक जोशी चंपावत से स्नातक की पढ़ाई कर रहा था. जानकारी के अनुसार दीपक अपनी छोट बहन के घर कांडा सिमल्टा से चंपावत को लौट रहा था. इस दौरान घटकू मंदिर के पास अचानक उनकी स्कूटी अनियंत्री हो गई और डंपर वाहन की चपेट में आ गई, जिससे दीपक छिटकर वाहन के पीछे के टायर में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो ग. कोतवाल बीएस बिष्ट ने बताया कि घटना कैसे हुई इसकी जांच की जाएगी. इधर एसडीएम विपीन चन्द्र पंत ने बताया कि घटना के काराणों की जांच की जाएगी और प्रशासन की ओर से जो भी मदद हो सकती है, वह तत्काल की जाएगी.

हरिद्वार में 'भंडारा किंग' रमाशंकर गुप्ता का अंतिम संस्कार, पुलिस ने निभाया इंसानियत का फर्ज

हरिद्वार, एजेंसी। हरकी पैड़ी के पास सालों तक गूंजने वाली 'भंडारा करा दो बाबूजी...' की आवाज हमेशा के लिए खामोश हो चुकी है. श्रद्धालुओं के बीच 'भंडारा किंग' बाबा के नाम से प्रसिद्ध रमाशंकर गुप्ता का खड़खड़ी श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया. हरिद्वार पुलिस ने खड़खड़ी श्मशान घाट सेवा समिति के सहयोग से पूरे विधि के साथ उनका अंतिम संस्कार कराया. इस दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों ने उन्हें कंधा देकर अंतिम विदाई दी. हालांकि, पुलिस को उनके परिजनों के बारे में सभी जानकारी मिल गई है, लेकिन कोई भी परिजन अंतिम संस्कार के लिए हरिद्वार नहीं पहुंचा. इसलिए लावारिस मानते हुए उनका अंतिम संस्कार किया गया. शिवसेतु पर जरूरतमंदों को भंडारा कराने की करते थे अपीलः बता दें कि रमाशंकर गुप्ता पिछले कई सालों से हरकी पैड़ी के पास शिवसेतु पर बैठकर आने-जाने वाले हर श्रद्धालुओं से गरीबों, जरूरतमंदों के लिए भंडारा कराने की अपील करते थे. उनकी अलग आवाज ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई. 'भंडारा किंग' बाबा के नाम से मिली पहचानः कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर उनकी वीडियो वायरल हए. जिसके बाद उन्हें देशभर में 'भंडारा किंग' बाबा के नाम से पहचान मिली. हरिद्वार आने वाले लाखों श्रद्धालु उन्हें देखकर रुकते थे और अपनी श्रद्धा के अनुसार भंडारा कराते थे, जिससे जरूरतमंद लोगों को भोजन मिल जाता था. हरकी पैडी के पास शौचालय में मिला था रमाशंकर गुप्ता का शवः बीती 9 जुलाई को उनका शव हरकी पैड़ी के पास एक शौचालय में मिला था. उनके निधन के बाद यह मामला सोशल मीडिया पर छाया रहा. पुलिस ने उनके शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया था. पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए परिजनों संपर्क भी कियाः सोशल मीडिया पर उनकी मौत की अलग-अलग खबरें भी चल रही थी.

इस बीच पता चला कि वो उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के गांव कुंजा के रहने वाले थे. उनके अंतिम संस्कार के लिए पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए संपर्क किया, लेकिन परिजन नहीं पहुंचे. ऐसे में आज यानी 12 जुलाई रविवार को हरिद्वार पुलिस ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाई. हरकी पैड़ी चौकी प्रभारी संजीत कंडारी, खड़खड़ी चौकी प्रभारी नवीन नेगी, एसआई खेमेंद्र गंगवार समेत कई पुलिसकर्मियों ने उन्हें कंधा दिया. अंतिम संस्कार के दौरान मौजूद लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी. भाई की पुत्रवधु से हुई बातचीतः बता दें कि सोशल मीडिया पर जब रमाशंकर गुप्ता प्रसिद्ध हुए, तो कुछ महीने पहले उन्हें एक इंफ्लूएंसर अपने साथ ले गए थे. वहां वो उनके साथ रहे और खूब वीडियो भी बनाए. कुछ दिन पहले वो वापस हरकी पैड़ी पहुंचे और अचानक से उनकी मौत हो गई. तीन भाइयों में सबसे छोटे थे रमाशंकरः उनकी मौत कैसे हुई? ये तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चल पाएगा, लेकिन उनके परिजनों के बारे में पुलिस ने जानकारी हासिल कर ली. पुलिस की मानें तो रमाशंकर गुप्ता, उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के रहने वाले थे. कई साल पहले वो हरिद्वार आ गए थे. उनके कोई संतान नहीं थी. वो तीन भाइयों में सबसे छोटे थे.

गोवा की भाजपा सरकार धारा 39ए का दुरुपयोग कर बड़े बिल्डर्स को सौंप रही है जल, जंगल और जमीनः आतिशी

●जंतर-मंतर पर कारापुर के आंदोलनकारियों से मिलीं आतिशी; कहा गोवा में आप की सरकार बनते ही एक महीने में निरस्त होगी विवादित धारा 39ए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और गोवा प्रभारी आतिशी ने सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचकर गोवा के कारापुर गांव के आंदोलनकारी ग्रामीणों से मुलाकात की और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को जमकर आड़े हाथों लिया। कारापुर में अवैध मेगा प्रोजेक्ट के खिलाफ पिछले 100 दिनों से लगातार आंदोलन कर रहे ये ग्रामीण गोवा सरकार की बेरुखी से तंग आकर अपनी आवाज बुलंद करने देश की राजधानी पहुंचे थे। आतिशी ने ग्रामीणों के संघर्ष का पुरजोर समर्थन करते हुए जमीन हड़पने के इस खेल पर भाजपा सरकार को तीखी फटकार लगाई। आतिशी ने कहा कि गोवा की भाजपा सरकार टाउन एंड कंट्री प्लानिंग एक्ट की धारा 39ए का दुरुपयोग कर वहां की कीमती जमीन, पानी और जंगलों को बड़े बिल्डर्स और कॉलोनाइजर्स के हवाले कर रही है। इस आत्मघाती नीति से गोवा के संवेदनशील पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। गोवा के अलग-अलग हिस्सों में स्थानीय लोग धारा 39ए के तहत किए जा रहे इस अवैध भूमि परिवर्तन का लगातार विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने जनता की आवाज को पूरी तरह दबा दिया है। भाजपा सरकार अब आम जनता की न होकर सिर्फ क्रोनी कैपिटलिस्ट्स और बिल्डरों की कठपुतली बन चुकी है। आतिशी ने कहा कि वर्तमान सत्ताधीशों को आम लोगों के पानी, खेती, बच्चों के स्कूल या अस्पतालों की कोई परवाह नहीं है। उनका एकमात्र एजेंडा गोवा की प्राकृतिक संपदा को बेचकर अपनी जेबें भरना और बिल्डरों को फायदा पहुंचाना है। कारापुर का उदाहरण देते हुए उन्होंने खुलासा किया कि वहां जिस जमीन को कौड़ियों के दाम बेचा गया, वह कथित तौर पर उसी भाजपा मंत्री की थी जिसने इस अवैध कन्वर्शन की फाइल पर हस्ताक्षर किए थे। इस तरह के भ्रष्टाचार से ग्रामीणों की उपजाऊ खेती और जंगल नष्ट हो रहे हैं, जिससे पूरा इलाका रहने लायक नहीं बचेगा। आतिशी ने गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को चुनौती देते हुए पूछा कि वह इन भू-माफियाओं के साथ खड़े हैं या गोवा के मूल निवासियों के साथ? उन्होंने चेतावनी दी कि कुछ ही महीनों में गोवा में होने वाले चुनावों में जनता इस तानाशाही का करारा जवाब देगी। आतिशी ने कहा कि यदि गोवा में आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है, तो इस विवादित धारा 39ए को एक महीने के भीतर निरस्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही इस जनविरोधी कानून के तहत अब तक दी गई सभी मंजूरियों और सभी मेगा प्रोजेक्ट्स को तुरंत प्रभाव से रद्द किया जाएगा। आतिशी ने तंज कसते हुए कहा कि गोवा का पानी, खेती, जंगल और आम लोगों की जिंदगी दांव पर लगाकर कैसा विकास किया जा रहा है? वास्तव में यह जनता का नहीं, बल्कि सत्ताधारी दल के नेताओं और उनके करीबियों की तिजोरियों का विकास है, जिसे आम आदमी पार्टी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

मंगलवार से 250 वार्डों में हनुमान चालीसा पाठ और राम-हनुमान की आरती का आयोजन करेगी आप :सौरभ भारद्वाज

●राम मंदिर में हुई डकैती को लेकर प्रधानमंत्री को भेजी जाने वाली चिट्ठी पर राम भक्त हस्ताक्षर भी करेंगे :सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी राम मंदिर के चढ़ावे में डकैती करने वाले डकैतों को कड़ी सजा दिलाने की प्रार्थना करने के लिए मंगलवार से दिल्ली के 250 वार्डों में हनुमान चालीसा पाठ के साथ राम आरती और हनुमान आरती का आयोजन करेगी। यह जानकारी साझा करते हुए आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राम मंदिर में हुई डकैती को लेकर प्रधानमंत्री को भेजी जाने वाली चिट्ठी पर राम भक्त हस्ताक्षर भी करेंगे। साथ ही, राम मंदिर में हुई चोरी और रामभक्तों के चढ़ावे को बचाने की कोशिशों पर लोगों के साथ चर्चा की जाएगी। सोमवार को आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने जानकारी दी कि मंगलवार से दिल्ली के 250 वार्डों में 250 जगहों पर हनुमान चालीसा का पाठ होगा और भगवान राम तथा हनुमान जी की आरती गाई जाएगी। इसके बाद लोगों के साथ राम मंदिर में हुई चोरी और उसे बचाने की कोशिशों पर चर्चा की जाएगी और प्रधानमंत्री को जो पत्र लिखा गया है, उस पर हस्ताक्षर कराकर 250 वार्डों में एक सिग्नेचर कैंपेन शुरू किया जाएगा। हर वार्ड में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में वहां के स्थानीय नेता, विधायक, पार्षद और कार्यकर्ता शामिल होंगे। सभी लोग मिल कर भगवान राम के घर में डकैती करने वाले महा पापियों को फांसी की सजा दिलाने के लिए प्रार्थना करेंगे। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, जमीन और निर्माण में घोटाला करने वालों को सजा दिलाने के लिए रविवार को रोहिणी सेक्टर 10 स्थित जापानी पार्क में सुंदरकांड पाठ और राम हनुमान जी की आरती के बाद देशव्यापी सिग्नेचर कैंपेन की शुरूआत की थी।

संक्षिप्त खबरें

यमुना में नहाने गए चार नाबालिग डूबे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर थाना क्षेत्र में रविवार शाम यमुना नदी में नहाने गए चार नाबालिग तेज बहाव की चपेट में आकर लापता हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, एनडीआरएफ, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), दमकल विभाग और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और देर शाम तक सर्च ऑपरेशन जारी रहा। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम करीब 7:46 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली कि गांव हिरनकी स्थित ठोकर नंबर-24 के पास यमुना नदी में चार नाबालिग लड़के डूब गए हैं। सूचना मिलते ही अलीपुर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कराया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि करीब 14 से 15 वर्ष आयु के पांच किशोर यमुना नदी में नहाने के लिए गए थे। नहाते समय अचानक चार नाबालिग नदी के तेज बहाव में फंस गए और देखते ही देखते पानी में बह गए। उनके साथ मौजूद पांचवें किशोर ने शोर मचाकर आसपास के लोगों से मदद मांगी। चीख-पुकार सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण तुरंत नदी किनारे पहुंचे और बच्चों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक चारों नाबालिग तेज बहाव में बह चुके थे। घटना की सूचना तुरंत पुलिस और अन्य एजेंसियों को दी गई। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, डीडीएमए, दमकल विभाग तथा संबंधित एसडीएम को मौके पर बुलाया गया।

महिला समृद्धि योजना का नाम बदल कर दिल्ली लक्ष्मी योजना किया गया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने महिला समृद्धि योजना का नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना कर दिया है। इसके तहत 21 से 60 साल की पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये मिलेंगे। दिल्ली सरकार ने योजना का नाम बदलने की मंजूरी दे दी है और इसे रक्षाबंधन (28 अगस्त) के मौके पर शुरू किए जाने की संभावना है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए जरूरी है कि आवेदकों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड न हो, वे कम से कम 10 साल से दिल्ली की निवासी हों और उनके परिवार की सालाना आय 2.5 लाख रुपये से ज्यादा न हो। इस योजना का फायदा दिल्ली की करीब 17 लाख महिलाओं को मिलेगा।

गांधी नगर के डॉ. दिव्यांश जैन ने योग और शोध से गढ़ी नई पहचान, दिल्ली और जैन समाज का बढ़ाया गौरव

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर निवासी डॉ. दिव्यांश जैन ने योग, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए एक बार फिर दिल्ली और जैन समाज का नाम रोशन किया है। लकुलीश योग विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के अष्टांग योग विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत डॉ. जैन को सिल्वर ओक यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद की प्रतिष्ठित कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जाना उनकी उपलब्धियों का सशक्त प्रमाण है। 11 जुलाई 2026 को माइक्रोबायोलॉजी विभाग, सिल्वर ओक इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एवं कंटिन्यूइंग एजुकेशन केंद्र द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में पंचकोश के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य, चेतना एवं योग विषय पर डॉ. जैन ने गहन, प्रभावशाली और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को योग के वैज्ञानिक, व्यावहारिक और चेतनात्मक आयामों से अवगत कराते हुए बताया कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मन, भावनाओं और चेतना के संतुलन का समग्र विज्ञान है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आवर्तन ध्यान भी कराया, जिसमें 82 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में डॉ. दिव्यांश जैन ने उदाहरण देते हुए कहा कि गुब्बारा अपने रंग से नहीं, बल्कि भीतर भरी ऊर्जा से ऊँचाइयों तक पहुंचता है। इसी प्रकार मनुष्य की सफलता उसके बाहरी स्वरूप से नहीं, बल्कि उसके विचारों, संस्कारों और आंतरिक चेतना से निर्धारित होती है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति के भीतर छिपी श्रेष्ठ संभावनाओं को जागृत कर उसे सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और जीवन की ऊँचाइयों तक पहुंचने की दिशा देता है। इस अवसर पर उन्होंने कुलपति डॉ. सौरीन शाह, सलाहकार डॉ. एम.एन. पटेल, प्राचार्य डॉ. श्रीनाथ नायर, विभागाध्यक्ष डॉ. रूपल शाह एवं कार्यक्रम संचालक डॉ. ऊर्जा पंड्या के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. जैन ने अपनी उपलब्धियों का श्रेय लकुलीश योग विश्वविद्यालय के अध्यक्ष मुकेश शाह, उपाध्यक्ष राहिल भाई पटेल तथा कुलपति प्रोफेसर विवेक माहेश्वरी के मार्गदर्शन को दिया। योग सर्टिफिकेशन बोर्ड, आयुष मंत्रालय से प्रमाणित योग चिकित्सक के रूप में उनकी पहचान लगातार सुदृढ़ हो रही है। इस उपलब्धि पर गांधी नगर सहित पूरे जैन समाज में हर्ष का माहौल है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-बौद्धिक प्रमुख सतीश शर्मा, संजीव जैन और रोहित गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वह भविष्य में भी योग, शिक्षा और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के माध्यम से समाज और राष्ट्र का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

राजधानी में बालिका सुरक्षा पर मेगा पहल, 151 स्कूलों की 400 छात्राओं को मिला जागरूकता का पाठ

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

दिल्ली। राजधानी में बाल सुरक्षा जागरूकता माह के तहत बाहरी उत्तरी जिले की दिल्ली पुलिस ने सोमवार को रोहिणी स्थित शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में मेगा गर्ल चाइल्ड काउंसलिंग सत्र आयोजित किया। सुरक्षित बालिका, सुरक्षित भविष्य थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में 151 स्कूलों से आई 400 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, शिक्षाविदों, शिक्षकों और विभिन्न संस्थाओं व गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तरी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राजधानी में बालिकाओं की सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्राओं को जागरूक और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी तथा अभिभावकों और शिक्षकों से भी सतर्कता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने दिल्ली पुलिस की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि नाबालिगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान विभिन्न विशेषज्ञों ने छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। गुड टच-बैड टच, रन, हाइड, टेल, साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल साक्ष्य और जीरो एफआईआर जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, परिवर्तन टीम द्वारा आत्मरक्षा का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें दैनिक उपयोग की वस्तुओं से सुरक्षा के तरीके सिखाए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने विचार साझा किए, जिससे एक सार्थक संवाद का वातावरण बना। अंत में विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न, आयोजकों को किट और स्कूल प्रतिनिधियों को जागरूकता सामग्री वितरित की गई। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया कि वह स्कूलों, अभिभावकों और समाज के साथ मिलकर हर बालिका के सुरक्षित भविष्य के लिए लगातार कार्य करती रहेगी।

द्वारका में जिला स्तरीय कमेटी बैठक में कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा की हुई समीक्षा

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने सोमवार को द्वारका स्थित डीसीपी कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय कमेटी बैठक में सहभागिता की। बैठक के दौरान कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा, महिला सुरक्षा तथा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि बैठक में जनहित से जुड़े कार्यों को अधिक प्रभावी, त्वरित एवं सुचारु रूप से क्रियान्वित करने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बैठक में प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के बीच निरंतर समन्वय के माध्यम से जनमानस की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है। विशेष रूप से महिला सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने, नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा सुशासन एवं जनसेवा को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, विधायक प्रद्युम्न सिंह राजपूत, कुलदीप सोलंकी, संदीप सहरावत, एमसीडी के डीसी, डीसीपी द्वारका सहित विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धमाका पीड़ितों और आरोपी के अंतिम संस्कार की अनुमति

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। लालकिले के पास बीते साल नवंबर में हुए कार बम धमाके के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने सोमवार को अहम आदेश दिया। कोर्ट ने धमाके में मृत लोगों और आरोपी के जैविक अवशेषों के अंतिम संस्कार की अनुमति दे दी है। विशेष न्यायाधीश पीतांबर दत्त की अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को निर्देश दिया कि धमाके में मारे गए 11 पीड़ितों और मुख्य आरोपी उमर उन नबी के जैविक अवशेषों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार या निस्तारण किया जाए। कोर्ट ने आदेश में स्पष्ट किया कि सभी जैविक अवशेषों का निस्तारण मृतकों की धार्मिक मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी गरिमा के साथ किया जाए। साथ ही एनआईए को इस प्रक्रिया के पालन की रिपोर्ट भी अदालत में दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। सुनवाई के दौरान एनआईए ने अदालत को बताया कि मृतकों और आत्मघाती हमलावर के शरीर के अंगों से जुड़े सभी आवश्यक फोरेंसिक साक्ष्य पहले ही एकत्र कर लिए गए हैं। एजेंसी ने यह भी कहा कि लंबे समय से रखे होने के कारण ये अवशेष सड़ने लगे हैं, इसलिए इनके निस्तारण की अनुमति मांगी गई थी। गौरतलब है कि 10 नवंबर को हुए बम धमाके ने राजधानी को झकझोर दिया था। इस मामले में एनआईए ने 14 मई को 7500 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की थी। इसके बाद पिछले महीने एजेंसी ने एक पूरक चार्जशीट भी दाखिल की, जिसमें तीन और आरोपियों को शामिल किया गया। इन आरोपियों में एक फरार बाल रोग विशेषज्ञ भी शामिल है, जिसे आतंकी मॉड्यूल का संस्थापक सदस्य बताया गया है। इस तरह मामले में अब तक कुल 13 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। इनमें मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी का नाम भी शामिल है।

अंतरराज्यीय ड्रग्स नेटवर्क का भंडाफोड़, 765 किलो गांजा बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

दिल्ली। दिल्ली पुलिस के बाहरी जिले की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय ड्रग्स नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान कुल 765.6 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इस मामले में चार तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो बिहार, ओडिशा, झारखंड, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब तक फैले नेटवर्क के जरिए नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे। पुलिस के अनुसार एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड, बाहरी जिला को गुप्त सूचना मिलने के बाद एसीपी/ऑपरेशंस की देखरेख में इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंधु के नेतृत्व में टीम गठित की गई। मधुबन चौक, पीतमपुरा के पास छापेमारी कर अशोक कुमार को पकड़ा गया, जिसके पास से दो बैग में 22.610 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले भी एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में शामिल रह चुका है और हरियाणा में 285 किलो गांजा के साथ पकड़ा जा चुका है। आगे की जांच में ओडिशा से गांजा सप्लाई करने वाले आरोपी अजीत सिंह की पहचान पटना निवासी इंदरजीत राय के रूप में हुई। पुलिस टीमों ने तकनीकी निगरानी के जरिए उसे करीब 36 घंटे तक कई राज्यों में ट्रैक किया और पंजाब के लुधियाना से उसके साथी नितिश कुमार के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर जमालपुर स्थित एक किराए के गोदाम पर छापा मारकर 743 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जहां से धर्मेंद्र कुमार को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे किराए के गोदाम में बड़ी खेप छिपाकर हरियाणा और पंजाब के विभिन्न इलाकों में सप्लाई करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 लाख रुपये नकद, 8 मोबाइल फोन और 126 ग्राम सोने के आभूषण भी बरामद किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है और पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

अभिकल्पना ने किया राष्ट्रीय गरिमा पुरस्कार 2026 का भव्य आयोजन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के प्रतिष्ठित दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज के ऑडिटोरियम में आज प्रसिद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था अभिकल्पना द्वारा बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय गरिमा पुरस्कार 2026 (National Dignity Award 2026) का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में समाज, शिक्षा राष्ट्र निर्माण में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने के लिए कई दिग्गज राजनेता, आध्यात्मिक गुरु और समाज सेवी एक मंच पर एकत्रित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. जगदीश मुखी जी उपस्थित रहे। खचाखच भरे ऑडिटोरियम को संबोधित करते हुए, प्रो. मुखी ने राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और एकता को बढ़ावा देने में जमीनी स्तर के संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों की गरिमा के लिए अथक प्रयास करने वाले गुमनाम नायकों को सम्मानित करने के लिए अभिकल्पना के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि (Guest of Honour) के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह जी और बिहार सरकार के माननीय मंत्री डॉ. श्रवण कुमार जी ने शिरकत की। दोनों मंत्रियों ने सामाजिक विकास परियोजनाओं पर अंतर-राज्यीय सहयोग की आवश्यकता पर विस्तार से बात की और उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित करने वाले पुरस्कार विजेताओं की सराहना की। इस आयोजन को एक गहरा आध्यात्मिक आयाम देते हुए, पशुपति अखाड़ा के ब्रह्मर्षि डॉ. गौरीशंकर जी महाराज ने उपस्थित जनसमूह को अपना आशीर्वाद दिया। अपने संबोधन में उन्होंने श्रोताओं को याद दिलाया कि सच्ची राष्ट्रीय गरिमा करुणा, सांस्कृतिक गौरव और मानवता की निस्वार्थ सेवा में निहित है।

खाने की डिलीवरी के विवाद में युवक की हत्या

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के अंबेडकर नगर क्षेत्र में खाने की डिलीवरी में देरी को लेकर हुए विवाद में 18 वर्षीय कृष्ण रोशन की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, घटना 10 जुलाई की रात की है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां कृष्ण रोशन गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले। उन्हें तत्काल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के आघात चिकित्सा केंद्र ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय और आई4सी के बीच समझौता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय और गृह मंत्रालय के अधीन इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) के बीच साइबर सुरक्षा, साइबर जागरूकता और विद्यार्थियों की डिजिटल सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में साइबर अपराधों की रोकथाम, जागरूकता और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है। समझौता ज्ञापन पर दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता तथा इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर की ओर से निदेशक निशांत कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. विकास गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं की डिजिटल सुरक्षा को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि कई बार छात्र-छात्राएं, विशेष रूप से कमजोर वर्ग से जुड़े विद्यार्थी, डिजिटल उत्पीड़न और साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। ऐसे मामलों की रोकथाम और जागरूकता के उद्देश्य से यह पहल की गई है। डॉ. विकास गुप्ता ने बताया कि इस समझौते के माध्यम से विश्वविद्यालय में साइबर अपराध की रोकथाम, साइबर स्वच्छता, साइबर जागरूकता, क्षमता निर्माण, शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा छात्र सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा। उनका कहना था कि डिजिटल युग में छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है, इसलिए विद्यार्थियों को समय रहते जागरूक बनाना आवश्यक है। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के निदेशक निशांत कुमार ने कहा कि यह साझेदारी सुरक्षित, जागरूक और डिजिटल रूप से सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग के माध्यम से युवाओं में जिम्मेदार डिजिटल नागरिकता की भावना विकसित करने और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र के निदेशक प्रो. संजीव सिंह ने बताया कि इस सहयोग के अंतर्गत साइबर जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, नवाचार प्रतियोगिताएं, छात्र प्रतियोगिताएं, प्रशिक्षण, साइबर स्वयंसेवी कार्यक्रम तथा अनुभव आधारित शिक्षण जैसी अनेक संयुक्त गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अधिसूचित साइबर सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता पाठ्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

नाम कटने का डर, नेता खामोशः एसआईआर की भागदौड़ में फंसी जनता, समयसीमा नजदीक

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है, लेकिन जमीनी हालात ऐसे हैं कि आम आदमी अपने ही वोट को बचाने के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। 29 जुलाई की अंतिम तिथि तेजी से नजदीक आ रही है, मगर न तो तैयारियां पूरी दिख रही हैं और न ही व्यवस्था स्पष्ट है। चुनाव के समय घर-घर पहुंचने वाले जनप्रतिनिधि इस समय पूरी तरह खामोश नजर आ रहे हैं, जबकि यही वह दौर है जब लोगों को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। जिनसे मार्गदर्शन और सहयोग की उम्मीद थी, उनकी गैरमौजूदगी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। पूर्वी दिल्ली, खासकर शाहदरा क्षेत्र में बड़ी संख्या में मतदाताओं तक अब तक प्रपत्र नहीं पहुंचे हैं। जिन लोगों को प्रपत्र मिल भी गए हैं, वे उन्हें भरने की प्रक्रिया को लेकर उलझन में हैं। कहां जमा करना है, किन दस्तावेजों की जरूरत है, प्रक्रिया क्या है—इन बुनियादी सवालों के जवाब तक लोगों को स्पष्ट रूप से नहीं मिल पा रहे हैं। न कोई ठोस दिशा-निर्देश, न कोई व्यवस्थित सहायता—आम नागरिक अपने स्तर पर ही जानकारी जुटाने और प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश कर रहा है, जिससे असमंजस और परेशानी दोनों बढ़ रही हैं। समय-सीमा अब बेहद करीब है, लेकिन व्यवस्थाएं अब भी अधूरी हैं। कई जगह प्रपत्रों का वितरण अधूरा है, तो कई स्थानों पर जमा करने की व्यवस्था स्पष्ट नहीं है। प्रशासनिक समन्वय की कमी साफ दिखाई दे रही है।

21 जाट यूनिट

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 21 जाट यूनिट में वेट कैंटीन (Wet Canteen) एवं टेलर शॉप (Tailor Shop) के संचालन हेतु इच्छुक एवं पात्र व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

इच्छुक व्यक्ति अपने आवेदन आवश्यक दस्तावेजों सहित 30 जुलाई 2026 तक 21 जाट यूनिट कार्यालय में कार्यालय समय के दौरान जमा कर सकते हैं।

पात्रता, नियम एवं शर्तों से संबंधित विस्तृत जानकारी 21 जाट यूनिट कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 30 जुलाई 2026

21 JAT, PIN 911221
C/o 56 APO Local Pin 194201, Durbuk
Mob No: 9103075424

संक्षिप्त खबरें

मृतकों के अंतिम संस्कार को अदालत की अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली की विशेष अदालत ने लाल किला क्षेत्र में हुए कार विस्फोट में मृत 11 लोगों के शवों के अंतिम संस्कार की अनुमति दे दी है। अदालत ने विस्फोट में मारे गए वाहन चालक डॉ. उमर उन नबी के शरीर के अवशेषों को भी धार्मिक परंपराओं के अनुसार दफनाने की मंजूरी प्रदान की है। विशेष न्यायाधीश पीतांबर दत्त ने निर्देश दिया कि सभी मृतकों के शरीर के अवशेषों का सम्मानपूर्वक और उनकी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप अंतिम संस्कार किया जाए। साथ ही जांच एजेंसी से इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने को कहा गया है। राष्ट्रीय जांच अभिकरण ने अदालत को बताया कि सभी आवश्यक न्यायालयिक विज्ञान संबंधी प्रमाण एकत्र किए जा चुके हैं। एजेंसी ने यह भी कहा कि लंबे समय से सुरक्षित रखे गए शरीर के अवशेष खराब होने लगे थे, इसलिए उनके अंतिम निपटान की अनुमति आवश्यक थी। गौरतलब है कि राष्ट्रीय जांच अभिकरण इस विस्फोट मामले में पहले ही विस्तृत आरोप पत्र प्रस्तुत कर चुका है। हाल ही में तीन और आरोपितों के विरुद्ध अनुपूरक आरोप पत्र भी दाखिल किया गया, जिसके बाद इस प्रकरण में आरोपितों की कुल संख्या 13 हो गई है।

उस्मानपुर और गढ़ी मेंडू को ओ जोन से मुक्त किया जाए: भीष्म शर्मा

नई दिल्ली। पूर्व विधायक भीष्म शर्मा ने यमुनापार के ऐतिहासिक गांव उस्मानपुर और गढ़ी मेंडू को ओ जोन से मुक्त करने की मांग करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में लगाए गए नोटिसों से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। उन्होंने कहा कि सरकार को दोनों गांवों के लिए स्थायी समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। भीष्म शर्मा ने कहा कि यदि इन क्षेत्रों में मजबूत और स्थायी बांध का निर्माण कराया जाए तो बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है। उनका कहना था कि इससे दोनों गांवों को ओ जोन से मुक्त करने का रास्ता भी आसान होगा। उन्होंने दावा किया कि विधायक रहते हुए उन्होंने उस्मानपुर में बांध निर्माण का कार्य शुरू कराया था, लेकिन वह पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बाढ़ राहत और बचाव कार्यों पर सरकारी धन खर्च होता है। स्थायी बांध बनने से लोगों के जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और सरकारी संसाधनों की भी बचत होगी। भीष्म शर्मा ने कहा कि उस्मानपुर और गढ़ी मेंडू के लोग लंबे समय से इन गांवों में रह रहे हैं। यदि ओ जोन के नाम पर उन्हें विस्थापित करने का प्रयास किया गया तो कांग्रेस इसका विरोध करेगी। उन्होंने सरकार से दोनों गांवों में शीघ्र स्थायी बांध का निर्माण कराकर बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान करने और क्षेत्र को ओ जोन से मुक्त करने की मांग की।

जेएनयू में सेमेस्टर पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग

नईदिल्ली। जेएनयू छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) ने सोमवार को मूल्यांकन शाखा को ज्ञापन सौंपकर सेमेस्टर पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की। छात्रसंघ का कहना है कि बड़ी संख्या में छात्रों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीकरण पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि भुगतान पोर्टल पर सर्वर की धीमी गति के कारण कई छात्र फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं। इसके अलावा, अनेक छात्रों को अभी तक मेरिट-कम-मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति की राशि नहीं मिली है, जिससे उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जेएनयूएसयू ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि इन समस्याओं को देखते हुए सेमेस्टर पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए, ताकि सभी छात्र बिना किसी परेशानी के अपनी पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर सकें।

देवेंद्र यादव के नेतृत्व में कांग्रेस मजबूत होगी: एम.एल. भास्कर

नईदिल्ली। रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष एम. एल. भास्कर ने कहा कि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में कांग्रेस जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठा रही है। उन्होंने दावा किया कि इससे जनता का विश्वास पार्टी के प्रति लगातार बढ़ रहा है। एम. एल. भास्कर ने कहा कि अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, श्रमिक, कर्मचारी, व्यापारी और अन्य वर्ग कांग्रेस की नीतियों तथा जनहित के लिए किए जा रहे प्रयासों से प्रभावित होकर दोबारा पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी नगर निगम चुनाव में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी का अनुसूचित जाति विभाग बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उनके अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ जनता के बीच जाकर संगठन के विस्तार में जुटे हुए हैं।

अगर सुंदरकांड पाठ से भाजपाई इतने बिलबिला गए, तो लंकाकांड पाठ से इनका क्या हाल होगा : संजय सिंह

● जब से केजरीवाल ने रामद्रोहियों को सजा दिलाने के लिए सुंदरकांड पाठ किया है, भाजपाई गालियाँ दे रहे - संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह ने आम आदमी पार्टी की ओर से रविवार को दिल्ली में कराए गए सुंदरकांड पाठ और सिग्नेचर कैंपेन से बौखलाई भाजपा को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने देशवासियों से कहा कि जरा सोचिए, अगर सुंदरकांड के पाठ से भाजपाई इतने बिलबिला गए, तो लंकाकांड के पाठ से इनका क्या हाल होगा? जब से अरविंद केजरीवाल ने रामद्रोहियों को सजा दिलाने के लिए सुंदरकांड पाठ किया है, भाजपाई गालियाँ दे रहे हैं। आखिर भाजपा को हिंदू धर्म का टेंडर कहां से मिला है? क्या अब हिंदुओं को पूजा पाठ के लिए इनसे अनुमति लेनी होगी? राम मंदिर में करोड़ों का घोटाला और चंदा चोरी भाजपा के लोगों ने की है, लेकिन तब गलियाँ देने वाले लोग चुप थे। आप के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि रविवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अरविंद केजरीवाल के साथ सुंदरकांड का पाठ किया, जिसके बाद पूरी भाजपा बिलबिला गई है। वे खुलेआम गालियां देने पर उतर आए हैं और एक्स तथा फेसबुक पर हर जगह कह रहे हैं कि आम आदमी पार्टी की हिम्मत कैसे हुई सुंदरकांड का पाठ करने की। संजय सिंह ने कहा कि मुझे लगता है कि अगर ये हालात रहे तो देश के करोड़ों हिंदुओं को पूजा-पाठ करने के लिए भी भाजपा की अनुमति लेनी पड़ेगी। लोगों के घरों में घुसकर देखा जाएगा कि वे सुंदरकांड, रामायण या गीता पढ़ रहे हैं या नहीं और अगर पूजा कर रहे हैं तो भाजपा वालों से अनुमति ली है या नहीं। मंदिर में जाने और सुंदरकांड का पाठ करने के लिए भी इनसे अनुमति लेनी होगी। भाजपा को हिंदू धर्म का टेंडर कहां से मिला है और ये कैसे खुद धर्म का ठेकेदार मानकर बैठे हुए हैं? यह जनता को सोचना होगा। संजय सिंह ने भाजपाइयों से कहा कि वे इतना न बिलबिलाएं। उनके केंद्रीय मंत्री से लेकर प्रवक्ता तक सभी लोग गालियां देने में लग गए हैं। अभी तो सिर्फ सुंदरकांड का पाठ हुआ है और यह इसलिए हुआ है क्योंकि प्रभु श्री राम के मंदिर में करोड़ों का घोटाला और चंदा चोरी भाजपा के लोगों ने की है, जिस पर उस समय वे लोग चुपचाप थे। हमने सुंदरकांड का पाठ करके प्रभु से प्रार्थना की है। चंदा चोरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए भगवान बजरंगबली से आशीर्वाद मांगा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान भी चल रहा है। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के लोग परेशान न हों। अभी तो सिर्फ सुंदरकांड का पाठ हुआ है, जब लंका कांड का पाठ होगा तो उनकी क्या हालत होगी, यह वे खुद समझ सकते हैं।

सिख समाज की एकता पर जोर, एनसीआर सम्मेलन में हजारों लोगों की भागीदारी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। एनसीआर गुरुद्वारा फाउंडेशन की ओर से गाजियाबाद के वसुंधरा में आयोजित विशाल सिख सम्मेलन में हजारों लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन में सिख समाज की एकता, पंथ की उन्नति, शिक्षा और सामाजिक सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सरदार हरमीत सिंह कालका और सरदार जगदीप सिंह कहलों ने कहा कि सिख समाज को एकजुट होकर पंथ की चढ़दी कला और सामाजिक विकास के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनसीआर गुरुद्वारा फाउंडेशन दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के सिख समाज को एक मंच पर लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में कई पहल कर रही है। गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों के कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साथ ही, एनसीआर के सिख विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रोत्साहन देने की योजनाओं की भी घोषणा की गई। सम्मेलन में पंथक एकता को समय की आवश्यकता बताते हुए समाज के सभी वर्गों से सहयोग और समन्वय के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया गया। इस दौरान एनसीआर के विभिन्न शहरों के लिए नए संयोजकों की घोषणा भी की गई, जो स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन करेंगे। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति के सदस्यों और सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी गई तथा समाज को एकजुट करने के प्रयासों की सराहना की गई।

मटिया महल के पार्षद इमरान जोन चुनाव में भाजपा को वोट किए तो जनादेश के साथ करेंगे विश्वासघात : अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 11 जोनों में 15 जुलाई को होने वाले चुनाव में सबकी नजरें सिटी एसपी जोन में पड़ने वाले मटिया महल वार्ड 76 से पार्षद इमरान पर टिक गई हैं। आम आदमी पार्टी के एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि सबकी नजर सिटी-एसपी जोन पर है, जहाँ आम आदमी पार्टी की संख्या स्पष्ट होने के बावजूद आखिरी समय में भाजपा ने चैयरमेन पद के लिए उम्मीदवार उतारा है। इस जोन पड़ने वाले मटिया महल वार्ड की जनता ने हमेशा भाजपा की राजनीति को नकारा है। ऐसे में अगर आले मोहम्मद इकबाल साहब की शेर चुनाव चिन्ह पर जीतकर आए पार्षद इमरान भाजपा के पक्ष में मतदान करते हैं तो यह जनता के जनादेश और विश्वास के साथ सीधा विश्वासघात होगा। अंकुश नारंग ने कहा कि करोल बाग जोन में आम आदमी पार्टी का चेयरमैन निर्विरोध चुना जाना हमारी एकजुटता और मजबूती का प्रमाण है। बाकी सभी जोनों में आम आदमी पार्टी पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ चुनाव लड़ रही है। हमें विश्वास है कि जनता के आशीर्वाद से हम अधिकतम जोनों में जीत दर्ज करेंगे। अंकुश नारंग ने कहा कि बुधवार को एमसीडी के वार्ड कमेटी के चुनाव हैं और इस बार आम आदमी पार्टी ने करोल बाग जोन निर्विरोध जीत लिया है। आम आदमी पार्टी पूरी ताकत और शिद्दत के साथ हर जोन को जीतने का प्रयास कर रही है। अंकुश नारंग ने बताया कि सिटी एसपी जोन में पिछली बार आम आदमी पार्टी निर्विरोध जीती थी।

जलभराव रोकने के प्रयास सफल रहे: रीना माहेश्वरी

नई दिल्ली। अशोक नगर वार्ड की निगम पार्षद रीना माहेश्वरी ने कहा कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के लिए दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम ने व्यापक स्तर पर तैयारी की है। उन्होंने दावा किया कि समय रहते किए गए प्रबंधों का सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। रीना माहेश्वरी ने बताया कि शहर में 200 टीमें और अतिरिक्त जल निकासी पंप तैनात किए गए हैं। वहीं, 445 से अधिक संवेदनशील स्थानों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है तथा 34 लाख टन से अधिक गाद निकालकर नालों की सफाई की गई है। उन्होंने कहा कि अंडरपासों में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पंप गृहों की संख्या बढ़ाई गई है और कुल 754 पंप लगाए गए हैं। प्रत्येक संवेदनशील स्थान के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जबकि रखरखाव दल लगातार निगरानी और सफाई कार्य में लगे हुए हैं।

दिल्ली लक्ष्मी योजना रक्षाबंधन से होगी शुरू, हर माह मिलेंगे 2500

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली अपनी महत्वाकांक्षी योजना का नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार आगामी 28 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर इस योजना का शुभारंभ कर सकती है। योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं के बैंक खातों में प्रतिमाह 2500 की आर्थिक सहायता भेजी जाएगी। दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित की जाने वाली इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को नियमित वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराना है। अनुमान है कि राजधानी की लगभग 17 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल सकता है। विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी ने इस योजना का वादा किया था और अब सरकार इसके क्रियान्वयन की दिशा में अंतिम तैयारियां कर रही है।

उपनिरीक्षक ने सरकारी पिस्तौल से जान दी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार थाने में तैनात उपनिरीक्षक सोमेश मीणा ने सोमवार को पुलिस बैरक में अपनी सरकारी पिस्तौल से स्वयं को गोली मार ली। गंभीर अवस्था में उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस महकमे में शोक का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और उपनिरीक्षक को घायल अवस्था में पाया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी और न्यायालयिक विज्ञान दल भी मौके पर पहुंचा। पुलिस ने साक्ष्य एकत्र कर शव को शव परीक्षण के लिए भेज दिया है।

डीयू ने पीजी दाखिले की तीसरी सूची के तहत 15 तक जमा करें फीस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए सीएसएएस (पीजी) 2026-27 के तहत तीसरे आवंटन दौर का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। विश्वविद्यालय ने बताया कि सीडब्ल्यू, खेल और वार्ड सुपरन्यूमेरेरी कोटा के आवंटन में देरी के कारण प्रवेश कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई रात 11:59 बजे निर्धारित की गई है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार विभागीय केंद्र और कॉलेज 14 जुलाई रात 11:59 बजे तक ऑनलाइन आवेदनों का सत्यापन और अनुमोदन करेंगे। ज्ञात हो कि तीसरे दौर में सीट आवंटित होने वाले अभ्यर्थी 13 जुलाई रात 11:59 बजे तक अपनी सीट स्वीकार कर चुके थे। यह संशोधित कार्यक्रम प्रदर्शन-आधारित पाठ्यक्रमों जैसे एमएफए, एमए म्यूजिक, बीपीएड और एमपीएड के साथ-साथ सीडब्ल्यू, खेल और वार्ड सुपरन्यूमेरेरी कोटा के अभ्यर्थियों पर भी लागू होगा। विश्वविद्यालय ने कहा है कि यदि सीटें रिक्त रहती हैं तो आवश्यकता के अनुसार आगे भी आवंटन के अतिरिक्त दौर घोषित किए जा सकते हैं।

यमुना खादर में फिर बसीं हजारों झुग्गियां, बाढ़ से पहले बढ़ी प्रशासन की चिंता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के यमुना खादर क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बावजूद एक बार फिर बड़ी संख्या में झुग्गियां बस जाने से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। अनुमान है कि खादर क्षेत्र में लगभग 10,000 लोग अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। आगामी दिनों में यमुना के जलस्तर में वृद्धि की संभावना को देखते हुए प्रशासन को राहत एवं अस्थायी शिविरों की तैयारी करनी पड़ रही है, जिस पर हर वर्ष लाखों रुपये का व्यय होता है। गत वर्ष दिल्ली विकास प्राधिकरण ने मयूर विहार तथा पुराने लोहे के पुल के निकट स्थित अवैध झुग्गियों को हटाने के लिए व्यापक अभियान चलाया था। इसके बावजूद खादर क्षेत्र में दोबारा बड़ी संख्या में लोगों के बस जाने से कार्रवाई की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर यह आरोप भी लगाए जा रहे हैं कि कुछ लोगों ने अधिकारियों की मिलीभगत से दोबारा झुग्गियां खड़ी कर ली हैं। मयूर विहार, पुराने लोहे के पुल, कश्मीरी गेट, उस्मानपुर, सिग्नेचर पुल तथा बदरपुर खादर गांव के आसपास यमुना तटवर्ती क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परिवार रह रहे हैं।

दिल्ली में पत्नी की गोली मारकर हत्या का आरोप, फरार कॉन्स्टेबल की तलाश तेज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में एक महिला की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले ने सनसनी फैला दी है। पूर्वी जिला पुलिस की वाहन चोरी निरोधक शाखा में तैनात कॉन्स्टेबल मनीष भाटी पर अपनी पत्नी प्रियंका भाटी की हत्या का आरोप है। घटना सोमवार तड़के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के निकट हुई। वारदात के बाद आरोपी घटनास्थल से फरार हो गया, जबकि पूरी घटना आसपास लगे निगरानी चित्रांकन यंत्रों में कैद होने की बात सामने आई है। पुलिस आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार मनीष भाटी और प्रियंका भाटी की शादी लगभग 3 वर्ष पहले हुई थी और दोनों पूर्वी विनोद नगर क्षेत्र में रहते थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सोमवार तड़के दोनों एक दोपहिया वाहन से घर से निकले थे। अस्पताल के समीप किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद प्रियंका को गोली लग गई। गंभीर रूप से घायल महिला को एक वाहन चालक तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे निगरानी चित्रांकन यंत्रों की रिकॉर्डिंग अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। अधिकारियों के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस दल गठित किए गए हैं तथा मामले के प्रत्येक पहलू की गहन जांच की जा रही है। इस घटना के बाद लगभग 2 वर्ष पहले दर्ज कराई गई प्रियंका की शिकायत भी चर्चा में आ गई है। शिकायत में उन्होंने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग, मारपीट और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत के अनुसार विवाह के कुछ समय बाद ही नकद धनराशि और कार की मांग की जाने लगी थी तथा मांग पूरी नहीं होने पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। प्रियंका ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया था कि उनके पति का किसी अन्य महिला से संबंध था। उन्होंने दावा किया था कि इस विषय पर आपत्ति जताने पर उनके साथ मारपीट की गई और कई बार हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया था कि पति कथित रूप से दूसरी शादी करना चाहता था और इसी कारण उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था।

जलभराव रोकने में सरकार विफल रही: अरुण तोमर

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के घोंडा विधानसभा के पूर्व संगठन मंत्री अरुण तोमर ने दावा किया कि मानसून की पहली भारी बारिश ने दिल्ली सरकार की जलभराव रोकने संबंधी तैयारियों की पोल खोल दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की योजनाएं जमीनी स्तर पर प्रभावी साबित नहीं हुईं। अरुण तोमर ने कहा कि बारिश के बाद राजधानी के कई क्षेत्रों में जलभराव, टूटी सड़कें और गाद जमा होने की समस्या देखने को मिली, जिससे लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर दोपहिया वाहन चालकों को अपने वाहन धक्का देकर निकालने पड़े, जबकि पैदल चलने वालों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम ने जलभराव रोकने के बड़े दावे किए थे, लेकिन पहली ही बारिश में व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति सामने आ गई।

दिल्ली पुलिस ने विफल की कारोबारी की हत्या की साजिश, दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में जबरन धन उगाही और सुनियोजित हत्याओं के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। उत्तरी जिला पुलिस की विशेष दल ने कुख्यात अपराधी हिमांशु उर्फ भाऊ गिरोह से जुड़े दो शूटरों को गिरफ्तार कर रोहिणी क्षेत्र के एक प्रमुख कारोबारी की हत्या की साजिश को समय रहते विफल कर दिया। गिरफ्तार आरोपियों में एक विधि-विवादित किशोर भी शामिल है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो अवैध अर्धस्वचालित पिस्तौल तथा छह जीवित कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार विदेश में रहकर गिरोह का संचालन कर रहे हिमांशु उर्फ भाऊ ने मार्च माह में रोहिणी के एक प्रतिष्ठित कारोबारी से बड़ी रकम की रंगदारी मांगी थी। इस संबंध में अमन विहार थाने में मामला दर्ज किया गया था। धमकी मिलने के बाद कारोबारी को सुरक्षा भी उपलब्ध कराई गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उसी कारोबारी की हत्या के उद्देश्य से गिरोह के स्थानीय सहयोगियों ने दोनों शूटरों को हथियार उपलब्ध कराकर हरियाणा से दिल्ली भेजा था। उत्तरी जिला की अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त निहारिका भट्ट ने बताया कि विशेष दल को गुप्त सूचना मिली थी कि गिरोह के सदस्य नेहरू विहार क्षेत्र में पहुंचने वाले हैं और वहां से रोहिणी जाकर वारदात को अंजाम देंगे।

एसआईआर प्रपत्र भरवाने के लिए शिविर आयोजित, लोगों को मिली सुविधा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

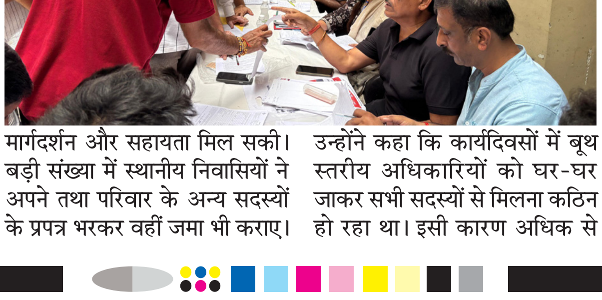

नई दिल्ली। ईस्ट गोरख पार्क आरडब्ल्यूए सुपर वेलफेयर काउंसिल की ओर से एसआईआर प्रपत्र भरवाने के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। काउंसिल के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया कि प्रपत्र भरने में लोगों को आ रही कठिनाइयों को दूर करने और प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से यह शिविर लगाया गया। संजीव शर्मा ने बताया कि शिविर में क्षेत्र के सभी बूथ स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे, जिससे लोगों को एक ही स्थान पर आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिल सकी। बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने अपने तथा परिवार के अन्य सदस्यों के प्रपत्र भरकर वहीं जमा भी कराए। उन्होंने कहा कि कार्यदिवसों में बूथ स्तरीय अधिकारियों को घर-घर जाकर सभी सदस्यों से मिलना कठिन हो रहा था। इसी कारण अधिक से अधिक लोगों की सुविधा के लिए रविवार को शिविर आयोजित किया गया, जिससे बेहतर सहभागिता सुनिश्चित हो सकी। संजीव शर्मा ने बताया कि शिविर के दौरान लोगों की शंकाओं का समाधान किया गया और प्रपत्र भरने की प्रक्रिया को लेकर व्याप्त भ्रम भी दूर हुआ। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की मांग पर भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा ताकि शेष लोग भी इस सुविधा का लाभ उठा सकें। उन्होंने शिविर की सफलता के लिए संस्था के सभी पदाधिकारियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

आईजीआई एयरपोर्ट पर तीन मामलों में 6.37 किलो गांजा जब्त, तीन यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर कस्टम्स अधिकारियों ने मादक पदार्थों की तस्करी के तीन अलग-अलग मामलों का पदार्फाश करते हुए करीब 6.37 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है। इस संबंध में तीन यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। बरामदगी विमान के शौचालयों, सीटों के नीचे और यात्रियों के सामान से की गई। अधिकारियों के अनुसार, हाइड्रोपोनिक वीड गांजे की एक उच्च क्षमता वाली किस्म होती है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है। पहले मामले में बैंकॉक से सोमवार को दिल्ली पहुंचे एक भारतीय यात्री को एडवांस पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम (एपीआईएस) की प्रोफाइलिंग के आधार पर ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोका गया। यात्री के सामान से कुछ संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन विमान की तलाशी लेने पर पिछले हिस्से के दोनों शौचालयों में छिपाए गए चार सीलबंद पैकेट बरामद हुए। इनमें करीब 3.47 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा होने का संदेह है। पूछताछ में यात्री ने इन्हें शौचालय में छिपाने की बात स्वीकार कर ली। जबकि दूसरे मामले में फुकेत से सोमवार को आए एक यात्री को भी एपीआईएस प्रोफाइलिंग के आधार पर रोका गया। उसके सामान से कोई प्रतिबंधित वस्तु नहीं मिली। इसके बाद अधिकारियों ने विमान की तलाशी ली, जहां पंक्ति संख्या 12 की सीटों के नीचे छिपाए गए छह सीलबंद पैकेट मिले। इनमें करीब 1.5 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा था। बाद में यात्री ने विमान में पैकेट छिपाने की बात स्वीकार की। और तीसरे मामले में बैंकॉक से रविवार को दिल्ली पहुंची एक भारतीय यात्री को ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोका गया। उसके सामान की एक्स-रे जांच में संदिग्ध तस्वीरें दिखाई दीं। तलाशी के दौरान दो वैक्यूम-सील पैकेट बरामद हुए, जिनमें लगभग 1.4 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा मिला।

अतिरिक्त न्यायालयों के निर्माण से अधिक मामलों की सुनवाई होगी संभव

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। टावर ऑफ जस्टिस के लोकार्पण के मौके पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अतिरिक्त न्यायालयों के निर्माण से अधिक मामलों की सुनवाई संभव होगी। लंबित मामलों के निस्तारण में गति आएगी और विशेष रूप से कॉमर्शियल डिस्प्यूट तथा नेगोशियबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट से जुड़े मामलों के लिए अधिक न्यायिक क्षमता उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता सदैव ऐसी न्याय व्यवस्था का निर्माण होनी चाहिए जो दक्ष भी हो और निष्पक्ष भी। न्याय में गति आवश्यक है, परन्तु वह कभी भी संवैधानिक मूल्यों की कीमत पर प्राप्त नहीं की जा सकती। इस परिसर में आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा सुव्यवस्थित ज्यूडिशियल मालखाना जैसी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। इस परियोजना की एक अन्य महत्त्वपूर्ण विशेषता प्रस्तावित इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर है जो उच्च न्यायालय के संरक्षण में संचालित होगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसी न्यायपालिका का निर्माण है जो आधुनिक हो, किन्तु मानवीय भी हो, तकनीकी रूप से उन्नत हो, किन्तु संविधान के मूल्यों में दृढ़ता से निहित भी और प्रत्येक वाद के पीछे छिपे मानवीय जीवन को समझने वाली संवेदनशील संस्था भी बनी रहे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य मामलों का शीघ्र निस्तारण करना तो है ही उसके साथ प्रयास यह भी होना चाहिए कि कोई भी नागरिक आर्थिक, सामाजिक अथवा प्रक्रियागत कठिनाइयों के कारण स्वयं को न्याय से वंचित न महसूस करे। उन्होंने कहा कि टावर ऑफ जस्टिस केवल एक भव्य इमारत न रहे, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए निष्पक्ष, प्रभावी और संवेदनशील न्याय का प्रतीक बनेगा। संविधान की मयार्दा का केंद्र है टॉवर ऑफ जस्टिस : मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम में निर्मित अत्याधुनिक टावर ऑफ जस्टिस न्यायिक परिसर संविधान की मयार्दा, न्यायपालिका की गरिमा और नागरिकों के न्याय पर अटूट विश्वास का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए आर्थिक प्रगति के साथ-साथ त्वरित, सुलभ एवं पारदर्शी न्याय व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम आज ज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्टार्टअप और वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

बीजेपी संविधान और लोकतंत्र की हत्या कर राजनीतिक दलों को तोड़ रही : दीपेन्द्र हुड्डा

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने रविवार को संत कबीर शिरोमणि सम्मान समारोह में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान और लोकतंत्र की हत्या कर राजनीतिक दलों को तोड़ने का काम कर रही है। साथ ही कहा कि कांग्रेस सरकार के समय मिलेनियम सिटी के रूप में पहचान बनाने वाले गुरुग्राम को भाजपा ने एक बारिश में डूबने वाले शहर की पहचान दे दी है। समारोह में संत कबीर को दीपेन्द्र हुड्डा ने नमन किया। उन्होंने ने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। भाजपा ने विभिन्न राज्यों में राजनीतिक दलों को तोड़ने का काम किया है। हरियाणा में भी पिछले 12 वर्षों से हर वर्ग की उपेक्षा की गई है। उन्होंने दावा किया है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने चुनाव आयोग और धनबल का दुरुपयोग कर सत्ता हासिल की। दीपेन्द्र ने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले किए गए वादे पूरे नहीं किए। गुरुग्राम के विकास पर बोलते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में शहर को मिलेनियम सिटी के रूप में विकसित किया गया। आज एक बारिश में पूरा शहर जलभराव से जूझता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 12 वर्षों में गुरुग्राम में एक नया सरकारी अस्पताल तक नहीं बन पाया। कांग्रेस सरकार के दौरान 86 किलोमीटर मेट्रो का निर्माण हुआ, जबकि उसके बाद शहर में मेट्रो विस्तार एक इंच भी आगे नहीं बढ़ा। समारोह में सांसद कर्मवीर बौद्ध, विधायक शकुंतला खटक, हरियाणा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज, गुरुग्राम ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष वर्धन यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

रोजगारोन्मुख शिक्षा से वैश्विक करियर के लिए छात्रों को तैयार कर रहा यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन दिल्ली

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। बदलते वैश्विक रोजगार परिदृश्य और कौशल आधारित शिक्षा की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन दिल्ली छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने पर विशेष बल दे रही है। विश्वविद्यालय का दावा है कि वह व्यावहारिक शिक्षा, उद्योग सहयोग और उद्यमिता को पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाकर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहा है। विश्वविद्यालय के अनुसार, रोजगार की तलाश कर रहे उसके 50 प्रतिशत से अधिक स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को एचएसबीसी, आईसीआईसीआई बैंक, ग्रांट थॉर्नटन, जोमैटो, जेएलएल, एल.ई.के. कंसल्टिंग तथा इन्वेस्टेक जैसी प्रमुख संस्थाओं में नियुक्ति मिल चुकी है। गुरुग्राम परिसर में संचालित स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की उपाधि ब्रिटेन में संचालित विश्वविद्यालय के समान मानकों पर आधारित है। विश्वविद्यालय में लेखांकन एवं वित्त, व्यवसाय प्रबंधन, संगणक विज्ञान, सृजनात्मक संगणन, अर्थशास्त्र, सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, आंकड़ा विज्ञान, वित्त तथा अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन सहित अनेक विषयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय का सक्सेसफुल फ्यूचर्स कार्यक्रम विद्यार्थियों में 14 प्रमुख व्यावसायिक कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत उद्योग आधारित परियोजनाएं, प्रशिक्षण, व्यक्तिगत करियर मार्गदर्शन तथा व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से छात्रों को वास्तविक कार्यस्थल की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाता है। इसके अतिरिक्त सोशल इम्पैक्ट बूटकैंप और टैलेंट ब्रिज समिट जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योग विशेषज्ञों और संभावित नियुक्तिकर्ताओं से सीधे संवाद का अवसर मिलता है। जेएलएल, कॉमविवा, हेलियॉन, हीरो मोटोकॉर्प, निवा बूपा सहित अनेक प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञ समय-समय पर विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा करते हैं। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना को भी प्रोत्साहित कर रहा है।

ऊर्जा दक्षता अपनाकर उद्योग लागत घटाएं : श्याम सुंदर कपूर

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से औद्योगिक विकास संस्था ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई (आईफोम) द्वारा ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) के सहयोग से फरीदाबाद में एनर्जी एफिशिएंसी विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों से 53 उद्यमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईफोम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुंदर कपूर ने कहा कि ऊर्जा की बचत केवल खर्च कम करने का माध्यम नहीं, बल्कि उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने का भी प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा दक्षता अपनाकर उद्योग उत्पादन लागत में कमी लाने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यशाला में बीईई के निदेशक पी. श्याम सुंदर ने केंद्र सरकार की अदिति योजना की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि उद्यमियों से इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। वहीं एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के महाप्रबंधक गिरजा प्रसाद ने योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाली सुविधाओं पर विस्तृत जानकारी दी। आईफोम के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार चौधरी ने संगठन की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा की। सिडबी के प्रतिनिधि ने एमएसएमई के लिए उपलब्ध वित्तीय योजनाओं और सुविधाओं पर प्रस्तुति दी। अंतरराष्ट्रीय डेयरी वैज्ञानिक एवं आईफोम के निदेशक डॉ. टी.एन. तिवारी ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में ऊर्जा बचत की संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जबकि राष्ट्रीय एमएसएमई अवार्ड विजेता डॉ. पी.पी. मित्तल ने उद्योगों में ऊर्जा ऑडिट के महत्व को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर आईफोम की कार्यकारिणी सदस्य एवं महिला उद्यमियों साधना गिरी, डॉ. गरिमा गुप्ता और स्वाति निझावन को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर आईफोम के निदेशक नवीन बंसल, निदेशक आरडी वर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

समझौता लागू नहीं होने पर पालिका व फायर कर्मियों ने हड़ताल का ऐलान

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। नगरपालिका कर्मचारी संघ और हरियाणा अग्निशमन कर्मचारी यूनियन की ओर से दौलतराम धर्मशाला में जिला स्तरीय रैली आयोजित की गई। रैली में कर्मचारियों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए 6, 7 और 8 अगस्त को प्रदेशव्यापी तीन दिवसीय हड़ताल करने की घोषणा की। रैली की अध्यक्षता जिला प्रधान दलित बोहत ने की, जबकि संचालन जिला सचिव अनिल चंडालिया ने किया। इसमें नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, महासचिव मांगेराम तिगरा, उप महासचिव सुनील चंडालिया तथा हरियाणा अग्निशमन कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि 13 मई को वार्ता में सरकार ने कर्मचारियों की 17 प्रमुख मांगों पर सहमति जताते हुए 30 जून तक आदेश जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई पत्र जारी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि सरकार की नीयत में खोट है और कर्मचारियों के साथ वादाखिलाफी की गई है। उन्होंने बताया कि प्रमुख मांगों में कच्चे और अनुबंधित कर्मचारियों को नियमित करना, ठेका प्रथा समाप्त करना, न्यूनतम वेतन, ईएसआई-ईपीएफ की सुविधा, रिक्त पदों पर भर्ती, पदोन्नति, सेवानिवृत्ति सम्मान राशि और फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद फायर कर्मियों के परिजनों को आर्थिक सहायता और रोजगार देना शामिल है। रैली में सर्व कर्मचारी संघ के आगामी आंदोलन का समर्थन करते हुए 30 जुलाई से होने वाली जिला स्तरीय रैलियों और 12 दिसंबर को प्रस्तावित राष्ट्रीय रैली में भाग लेने का भी प्रस्ताव पारित किया गया।

नीमका जेल हत्याकांड में गैंगस्टर अरुण चौधरी पर हत्या का आरोप तय

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद की नीमका जिला जेल के हाई सिक्योरिटी वार्ड में बंद आतंकी आरोपित अब्दुल रहमान की हत्या के मामले में अदालत ने गैंगस्टर अरुण चौधरी के खिलाफ हत्या तथा साथी बंदी को धमकी देने के आरोप तय कर दिए हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार की अदालत ने सोमवार को आरोप तय करने के बाद मामले में नियमित ट्रायल शुरू करने का आदेश दिया। अरुण चौधरी फिलहाल करनाल जेल में बंद है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई कार्यवाही के दौरान उसने स्वयं को निर्दोष बताते हुए मुकदमा चलाने की मांग की।घटना के बाद न्यायिक जांच के साथ-साथ जेल की सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच कराई गई थी। अब अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने के बाद इस बहुचर्चित हत्याकांड का नियमित ट्रायल शुरू होगा। अभियोजन पक्ष अदालत में गवाहों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप साबित करने का प्रयास करेगा, जबकि बचाव पक्ष ने आरोपों से इनकार किया है। उल्लेखनीय है कि यह घटना आठ फरवरी की रात नीमका जिला जेल के हाई सिक्योरिटी वार्ड में हुई थी। जांच के अनुसार जम्मू-कश्मीर के आरएसपुरा निवासी अरुण चौधरी ने बैरक में बंद अब्दुल रहमान पर गमछे में पत्थर बांधकर हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब्दुल रहमान उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले के मिल्कीपुर का रहने वाला था। उसे मार्च 2025 में गुजरात एटीएस और हरियाणा एसटीएफ ने फरीदाबाद के पाली क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसियों का आरोप था कि वह अयोध्या स्थित राम मंदिर पर हमले की साजिश रच रहा था। उसके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड भी बरामद किए गए थे और उसके खिलाफ यूएपीए सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं, अरुण चौधरी जम्मू-कश्मीर का कुख्यात गैंगस्टर बताया जाता है। सुरक्षा कारणों से उसे कुछ समय पहले जम्मू-कश्मीर की जेल से फरीदाबाद की नीमका जेल में शिफ्ट किया गया था। जेल प्रशासन के अनुसार हत्या से पहले दोनों बंदियों के बीच विवाद की सूचनाएं भी सामने आई थी।

तीन तक चले विशेष अभियान में 417 आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। आपराधिक गतिविधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने 10 से 12 जुलाई तक जिलेभर में तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न मामलों में 417 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं 47 गुमशुदा व्यक्तियों को तलाश कर उनके परिजनों से मिलाया गया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि अभियान के दौरान नशा तस्करों के खिलाफ सबसे अधिक फोकस रखा गया। एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज नौ मामलों में पुलिस ने तीन किलोग्राम से अधिक गांजा, 25 प्रतिबंधित इंजेक्शन और 1.3 ग्राम एमडीएमए बरामद करते हुए नौ नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 17 देसी कट्टे बरामद कर 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शराब तस्करी पर कार्रवाई के दौरान आबकारी अधिनियम के तहत 79 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देसी और अंग्रेजी शराब की दो हजार बोतल और चार लीटर कच्ची शराब बरामद की है। जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई जुआ खेलने और खिलाने वालों के खिलाफभी पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने 54 मामलों में 64 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक लाख 47 हजार 590 रुपये की नकदी बरामद किए। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचाने और शांति भंग करने वाले 57 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि विशेष अभियान का उद्देश्य जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करना, वांछित एवं जघन्य अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद पुलिस भविष्य में भी नशा तस्करों, अवैध हथियार रखने वालों, शराब तस्करों, जुआ संचालकों और अन्य असामाजिक तत्वों के खिलाफ इसी प्रकार लगातार विशेष अभियान चलाती रहेगी।

गुरुग्राम ने शानदार प्रदर्शन कर जीता मुकाबला

गुरुग्राम। हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित पटौदी ट्रॉफी 2026-27 के 70वें मैच में गुरुग्राम की टीम ने जिंद के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की। सोमवार को रोहतक के चौधरी बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जिले की टीम ने 97 रन से शानदार जीत हासिल कर अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। मैच में गुरुग्राम की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। गुरुग्राम की टीम 49.2 ओवर में 234 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से प्रिंस लोहिया ने सर्वाधिक 55 रन, विभोर गौर ने 42 रन और सार्थक मलिक ने 32 रन बनाए। जिंद की ओर से गेंदबाजी करते हुए अंकित रेड्डी, रिंकू गंगास और भूपिंदर सिंह ने 2-2 विकेट लिए। जीत के लिए 235 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिंद की टीम गुरुग्राम के गेंदबाजों के सामने ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरी टीम 38.4 ओवरों में मात्र 137 रन पर सिमट गई।

ट्रैफिक नियम तोड़े, एक सप्ताह में 14,527 चालान कटे

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। यातायात पुलिस ने चालान नहीं सलाम अभियान के तहत पिछले एक सप्ताह के दौरान सड़कों पर यातायात नियम तोड़ने वाले 14,527 वाहनों के चालान काटे हैं। यातायात पुलिस ने मैन्युअली तौर पर वाहनों के चालान काटने के दौरान चालकों पर 1,31,97,600 रुपये का जुमार्ना लगाया है। पुलिस ने दिल्ली-जयपुर हाईवे व द्वारका एक्सप्रेसवे पर सख्ती बढ़ाई है, ताकि यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जाए। पुलिस ने 6 जुलाई से 12 जुलाई तक कुल 14,527 वाहनों के चालान काटे। इनमें मैन्युअली तौर पर 8,574 वाहनों के चालान शामिल हैं। इनमें गलत दिशा में वाहन चलाने पर 915, रोड मार्किंग 117, दोपहिया वाहन पर पिलियन राइडर बिना हेलमेट 625, बिना सीट बेल्ट 278, दोपहिया चालक बिना हेलमेट 767, शराब पीकर वाहन चलाने पर 76, नो पार्किंग 558, खतरनाक यू-टर्न 93, दोपहिया वाहन पर ट्रिपल राइडिंग 124, ओवरस्पीड 47, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग 14, ध्वनि प्रदूषण 14 और लेन चेंज 1234 चालान शामिल हैं। वहीं, हाईवे, एक्सप्रेसवे व अन्य सड़कों पर लगे कैमरों के माध्यम से 5,953 वाहनों के चालान काटे गए। इनमें लेन चेंज 1858, नो एंट्री 2706, ओवरस्पीडिंग 418, दोपहिया वाहन पर पिलियन राइडर बिना हेलमेट 83, दोपहिया चालक बिना हेलमेट 169, दोपहिया वाहन पर ट्रिपल राइडिंग 23, बिना सीट बेल्ट 303, प्रदूषण 351 और फ्रंट पैसेंजर बिना सीट बेल्ट 42 चालान शामिल है। 12 दिन में शराब पीकर वाहन चलाते 275 चालक पकड़े यातायात पुलिस ने एक जुलाई से 12 जुलाई तक शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई करते हुए 275 चालकों को पकड़ा। यातायात पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर नाका लगाकर जांच के दौरान 275 चालकों को शराब पीकर गाड़ी चलाने पर चालान काटे व उनके ड्राइविंग लाइसेंस को तीन माह के लिए सस्पेंड किया है। इस दौरान पुलिस ने एक वाहन को भी जब्त किया है। सड़कों पर यातायात नियमों को तोड़ने वाले चालकों पर कार्रवाई करते हुए चालान काटे जा रहे हैं।

एसआरएम के विद्यार्थियों ने तीन सप्ताह तक जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाया

प्रात : किरण संवाददाता

बादशाहपुर। समर वेकेशन का सदुपयोग करते हुए एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई के तीन छात्रों ने जरूरतमंद बच्चों के बीच शिक्षा की अलख जगाने का प्रेरणादायक कार्य किया। इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के विद्यार्थी एवं गुरुग्राम स्थित सेक्टर-69 निवासी संचित जायसवाल, शौर्य श्रीवास्तव और जागृति दहिया ने छुट्टियों के दौरान तीन सप्ताह तक आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान की। विद्यार्थियों ने डीएलएफ एंगेज स्वयंसेवा कार्यक्रम के तहत बगिया एजुकेशन स्कूल में प्रतिदिन पहुंचकर बच्चों को गणित, विज्ञान, अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान जैसे विषय पढ़ाए। संचित जायसवाल और उनके साथियों ने कहा कि यदि विद्यार्थी अपनी छुट्टियों का कुछ समय सामाजिक कार्यों के लिए समर्पित करें तो अनेक जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। इस पहल की स्कूल की प्राचार्य बासूरी उपाध्याय ने सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास बच्चों में सीखने की नई प्रेरणा पैदा करते हैं। वहीं, संजीव अरोड़ा, स्वाती, आनंद कुमार, मुरारी शर्मा, राजकुमार सैनी और आरके जायसवाल सहित अभिभावकों ने भी छात्रों की इस पहल की प्रशंसा की।

बीटेक में दाखिले का दूसरा मौका

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) ने नए शैक्षणिक सत्र में बीटेक और बीटेक (लीट) पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए छात्रों को एक और मौका दिया है। विश्वविद्यालय ने आवेदन की अंतिम तिथि 30 जुलाई तक बढ़ाते हुए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इससे उन छात्रों को राहत मिलेगी, जो एचएसटीईएस की प्रथम और द्वितीय काउंसलिंग में शामिल होने के बावजूद प्रवेश नहीं ले सके थे। पात्रता पूरी करने वाले नए अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से बीटेक के सभी पाठ्यक्रमों के लिए मंगलवार से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वहीं बीटेक (लीट) पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन 24 से 30 जुलाई तक किए जा सकेंगे। संस्थान स्तर की फिजिकल काउंसलिंग का कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है, जिसकी शुरूआत पांच अगस्त से होगी। विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बीटेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश जेईई (मेन) की सीआरएल रैंक के आधार पर और बीटेक (लीट) में प्रवेश ओसीईटी रैंक के आधार पर होगा। कश्मीरी प्रवासी, ट्यूशन फीस वेवर, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और हरियाणा सरकारी स्कूल टॉपर जैसी श्रेणियों में प्रवेश सरकार के निर्धारित नियमों के अनुसार दिए जाएंगे। काउंसलिंग प्रक्रिया प्रथम संस्थान स्तर की काउंसलिंग में हरियाणा सरकार की आरक्षण नीति लागू रहेगी। विश्वविद्यालय ने हरियाणा के अभ्यर्थियों को आवेदन से पहले परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) आईडी तैयार रखने की सलाह दी है। प्रवेश प्रक्रिया में पीपीपी आईडी अनिवार्य होगी। जाति, पारिवारिक आय और अन्य विवरणों का सत्यापन फैमिली इंफॉर्मेशन डेटा रिपॉजिटरी के माध्यम से किया जाएगा।

फरीदाबाद: हाथ बांधकर महिला के साथ नहर में कूदा युवक, दोनों के शव बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। बीपीटीपी पुल के पास आगरा नहर में कूदने वाले महिला और युवक के शव एसडीआरएफ की टीम ने सोमवार को शाहपुर कलां गांव के पास नहर से बरामद कर लिया है। दोनों का एक हाथ आपस में बंधा हुआ है। इससे अनुमान है कि युवक ने पहले महिला को हथौड़ा मारकर घायल किया, इसके बाद डाटा केबल से उसका हाथ अपने हाथ में बांधकर नहर में छलांग लगा दी। पुलिस ने इस मामले में महिला के पति की शिकायत पर युवक के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया है। वहीं दूसरी तरफ युवक के स्वजन ने इसे साजिश के तहत हत्या बताते हुए गहन कार्रवाई की मांग की है। महिला की पहचान सेक्टर-31 की रहने वाली रश्मि उर्फ रजनी के रूप में हुई थी, वह मेकओवर आर्टिस्ट के तौर पर काम करती थी। वहीं युवक का नाम आकाश उर्फ अक्कू है जो एतमादपुर गांव में रहता था और द्रोणाचार्य जिम में वर्कआउट करता था और ड्राइवर का काम करता था। मृतका के पति शिवम ने शिकायत में बताया है कि रजनी भी उसी जिम में वर्कआउट करती थी। दोनों की पहचान वहीं पर हुई थी। पति का आरोप है कि जिम में अक्कू ने रजनी को परेशान करना शुरू कर दिया था। रजनी ने यह बात पति को बताई थी। इसके बाद पति ने अक्कू से बात की तो उसने माफी मांग ली थी। पिछले करीब 10 दिन से वह उसे फिर से परेशान कर रहा था। शनिवार को वह उससे बात करने की कहकर घर से कार लेकर निकली थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला कार चला रही थी और युवक साथ वाली सीट पर बैठा था। आरोप है कि युवक ने कार के अंदर ही रजनी पर हथौड़े से कई वार किए। महिला जान बचाने के लिए कार से बाहर निकली, लेकिन आरोपित उसे पकडकर नहर किनारे ले गया और उसके साथ आगरा नहर में छलांग लगा दी। स्कूटी सवार दो युवकों ने पूरी घटना देखी और पास मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को सूचना दी। पुलिस ने कार से खून से सना हथौड़ा और महिला के बाल बरामद किए हैं।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर में दाखिला शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। उच्चतर शिक्षा विभाग ने स्नातक के प्रथम वर्ष में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो गई है और अब छात्रों को 22 जुलाई का इंतजार है। इस बी उच्चतर शिक्षा विभाग स्नातक एवं स्नातकोत्तर के द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत छात्र 24 जुलाई तक बिना विलंब शुल्क का भुगतान कर दाखिला ले सकेंगे। बता दें कि उच्चतर शिक्षा विभाग ने 12 जुलाई को स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिले के आवेदन प्रक्रिया संपन्न की है। इसके तहत जिले के 10 राजकीय, निजी महाविद्यालयों की करीब 10 हजार सीट पर दाखिले के लिए करीब 22 हजार आवेदन आवेदन आए हैं। मेरिट सूची जारी होने से पूर्व उच्चतर शिक्षा विभाग ने अन्य कक्षाओं में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके छात्रों को उच्चतर शिक्षा विभाग के पोर्टल admissions.higheredubry.ac.in पर जाकर दाखिला सुनिश्चित कर सकेंगे। दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। बता दें कि राजकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को ऑनलाइन फीस भुगतान करनी होगी, जबकि स्वपोषित एवं एडेड महाविद्यालयों में ऑफलाइन फीस जमा की जाएगी। इस संबंध में उच्चतर शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए हैं। 25 जुलाई से देना होगा विलंब शुल्क उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा जारी दाखिला प्रक्रिया निर्देश के अनुसार 25 जुलाई से दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को 100 रुपये विलंब शुल्क देना होगा। छात्र 31 जुलाई तक 100 रुपये विलंब शुल्क का भुगतान करके दाखिला पा सकेंगे। इसके बाद एक से सात अगस्त तक 100 रुपये विलंब शुल्क के अलावा 100 रुपये प्रतिदिन जुमार्ने का भुगतान करके दाखिला सुनिश्चित कर सकेंगे। एंटी रैगिंग शपथ-पत्र अनिवार्य सर्वोच्च न्यायालय तथा यूजीसी एवं एआईसीटीई के नियमों के अनुसार सभी प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के लिए एंटी रैगिंग अंडरटेकिंग (शपथ-पत्र) जमा करना अनिवार्य है। बता दें कि इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने www.antiragging.in पर एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। सभी विद्यार्थियों को इस पोर्टल पर जाकर निर्धारित प्रपत्र भरकर एंटी रैगिंग अंडरटेकिंग ऑनलाइन तैयार करनी होगी तथा उसे ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर अपने लॉगिन के माध्यम से अपलोड करना होगा। प्रवेश संबंधी सहायता के लिए संपर्क करें विद्यार्थियों को प्रवेश से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या समस्या के लिए विद्यार्थी टोल फ्री नंबर 18001802133 या admissions.higheredubry.ac.in ई-मेल आईडी पर संपर्क कर सकते हैं।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल इंजीनियर-IV, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	DEN-IV/DLI के अधिकार क्षेत्र में DLI-BTI खंड में यार्ड सुधार कार्य, जिसमें लूप लाइनों में 22.72 टीकेएम CTR (ठेकेदार के SQRS द्वारा 16.18 टीकेएम तथा मैनुअल विधि द्वारा 6.54 टीकेएम), TRR (P) - 10.50 किमी, TTR-83 सेट, ट्रैप-34 सेट, SEJ का नवीनीकरण-83 सेट, मैनुअल डीप स्क्रीनिंग- 25.11 किमी, टर्न आउट की डीप स्क्रीनिंग-28 संख्या तथा ट्रैप की डीप स्क्रीनिंग-13 संख्या शामिल हैं। (निविदा आमंत्रण सूचना-22-26-27-डब्ल्यू-IV)		
अनुमानित लागत	₹7,91,70,824.01/-	धरोहर राशि	₹15,83,400/-
ई–निविदा भरने का दिनाँक और समय & ई–निविदा खुलने का दिनांक और समय	ई-निविदा भरने का दिनांक और समय शुरू दिनांक 21.07.2026 को 15:00 बजे से निविदा खुलने का समय & ई-निविदा खुलने का दिनांक 04.08.2026 को 15:00 बजे तक।		
निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।		

पत्र संख्या: 128-W/260/ निविदा सूचना/ निविदा आमंत्रण सूचना-22-26-27/ डब्ल्यू-IV दिनांक: 13.07.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2401/2026

सम्पादकीय

साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत उन्नीस आरोपियों को गिरफ्तार किया और रोहनिया स्थित एक भवन से लगभग तीन सौ प्रशिक्षु युवक युवतियों को मुक्त कराया। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खातों में केवल सात महीनों के भीतर चार करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है। ऐसी ठगी का सबसे बड़ा हथियार लोगों के सपने होते हैं। ठग पहले बेरोजगार युवाओं को नौकरी या व्यापार का आकर्षक प्रस्ताव देते हैं। उन्हें बताया जाता है कि बिना किसी अनुभव के लाखों रुपये कमाए जा सकते हैं। शुरूआत में छोटी राशि जमा कराई जाती है और फिर नए लोगों को जोड़ने का दबाव बनाया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को मल्टी लेवल मार्केटिंग या पिरामिड स्कीम का नाम दिया जाता है जबकि वास्तव में इसका उद्देश्य केवल लोगों से पैसा इकट्ठा करना होता है। जब नए सदस्य मिलना बंद हो जाते हैं तब पूरी योजना ढह जाती है और सबसे अधिक नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है। साइबर ठग हमेशा भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। वे महंगे होटल में सेमिनार आयोजित करते हैं। बड़े कार्यालय दिखाते हैं। महंगी गाड़ियां और शानदार जीवनशैली का प्रदर्शन करते हैं ताकि लोगों को विश्वास हो जाए कि यह कारोबार पूरी तरह सफल और सुरक्षित है। कई बार सोशल मीडिया पर नकली सफलता की कहानियां भी दिखाई जाती हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि वे जल्दी निर्णय नहीं लेंगे तो जीवन का सबसे बड़ा अवसर खो देंगे। इसी जल्दबाजी में लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। ऐसी ठगी से बचने के लिए सबसे पहले किसी भी योजना की सच्चाई को परखना जरूरी है। यदि कोई संस्था कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का वादा कर रही है तो सतर्क हो जाना चाहिए। कोई भी वैध व्यापार बिना जोखिम के निश्चित और असाधारण लाभ की गारंटी नहीं देता। यदि किसी योजना में कमाई का मुख्य आधार नए सदस्य जोड़ना है और उत्पाद या सेवा केवल दिखावे के लिए है तो वह पिरामिड स्कीम हो सकती है। किसी भी संस्था में पैसा लगाने से पहले उसका पंजीकरण और कानूनी स्थिति अवश्य जांचनी चाहिए। कंपनी का पूरा पता उसका लाइसेंस और सरकारी पंजीकरण देखना चाहिए। यदि संस्था इन जानकारियों को छिपाती है या स्पष्ट उत्तर नहीं देती तो उससे दूरी बनाना ही समझदारी है। केवल सोशल मीडिया वीडियो या किसी परिचित की बात पर भरोसा करके निवेश नहीं करना चाहिए। बेरोजगार युवाओं को विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि ठग सबसे अधिक उन्हें ही निशाना बनाते हैं। नौकरी दिलाने के नाम पर पहले प्रशिक्षण शुल्क फिर सदस्यता शुल्क और बाद में निवेश के नाम पर लगातार पैसे मांगे जाते हैं। किसी भी नौकरी के लिए अत्यधिक पंजीकरण शुल्क या निवेश की मांग की जाए तो उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। वास्तविक कंपनियां प्रतिभा के आधार पर भर्ती करती हैं न कि भारी रकम जमा कराने के बाद। डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी एटीएम कार्ड का विवरण ओटीपी पासवर्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज साझा नहीं करने चाहिए। ठग कई बार फोन कॉल संदेश या फर्जी वेबसाइट के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। यदि किसी योजना को लेकर मन में जरा भी संदेह हो तो परिवार के सदस्यों या किसी विश्वसनीय विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर भारी नुकसान का कारण बनता है। किसी भी निवेश से पहले उसके नियम शर्तें और जोखिम को अच्छी तरह समझना आवश्यक है।

तटीय सुरक्षा का अभेद्य कवच बनेगा भारत

भारत की लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा देश की आर्थिक प्रगति, सामरिक शक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। समुद्री मार्गों से देश का अधिकांश अंतरराष्ट्रीय व्यापार होता है, इसलिए बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी सबसे महत्वपूर्ण विषय बन चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर में समुद्री रास्तों के जरिए आतंकवाद, हथियारों की तस्करी, नशीले पदार्थों की हेराफेरी और अवैध घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं। इससे साबित किया है कि यदि समुद्री सीमाओं की निगरानी कमजोर हो तो उसका सीधा असर देश की आंतरिक सुरक्षा पर पड़ता है। इसी चुनौती को देखते हुए केंद्र सरकार ने अब तटीय सुरक्षा को पूरी तरह अभेद्य बनाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश की तटीय सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा है कि समुद्री सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने तटीय जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों के मछली बंदरगाहों और फिश लैंडिंग सेंटरों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। इन संवेदनशील स्थानों पर केवल स्थायी पुलिसकर्मियों की तैनाती करने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि सुरक्षा व्यवस्था में निरंतरता और जवाबदेही बनी रहे। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो में केवल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से प्रशिक्षित निजी सुरक्षा कर्मियों को ही तैनात किया जाए। इसके साथ ही सभी प्रमुख बंदरगाहों पर कंटेनर स्कैनिंग की अनिवार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती समुद्री मार्गों से होने वाली अवैध घुसपैठ रही है। कई बार तस्कर और अपराधी छोटे मछली पकड़ने वाले जहाजों या नावों का उपयोग करके भारतीय समुद्री सीमा में प्रवेश करने का प्रयास करते हैं। यदि तटीय क्षेत्रों की निगरानी मजबूत होगी, आधुनिक तकनीक का उपयोग होगा और प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जाएगी तो ऐसी घुसपैठ लगभग असंभव हो जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों को समय से सूचना मिल सकेगी और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। देश ने अतीत में यह अनुभव किया है कि समुद्री मार्गों का उपयोग आतंकवादी संगठन भी कर चुके हैं। ऐसे अनुभवों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तटीय सुरक्षा केवल सीमा सुरक्षा का विषय नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की पहली रक्षा पंक्ति है। गृह मंत्रालय का मानना है कि यदि बंदरगाहों, मछली लैंडिंग केंद्रों और समुद्री गतिविधियों पर चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रखी जाए तो आतंकवादी किसी भी रूप में भारत में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। आधुनिक निगरानी प्रणाली, प्रशिक्षित सुरक्षा बल और बेहतर समन्वय आतंकवाद के खिलाफ मजबूत सुरक्षा कवच तैयार करेंगे। समुद्री मार्गों के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी भी लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती रही है। अंतरराष्ट्रीय तस्कर समुद्री रास्तों का उपयोग करके करोड़ों रुपये के मादक पदार्थ भारत तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। कई बार कंटेनरों के भीतर छिपाकर प्रतिबंधित सामग्री भेजी जाती है। ऐसे मामलों में यदि प्रत्येक कंटेनर की आधुनिक स्कैनिंग होगी तो अवैध सामान की पहचान करना कहीं अधिक आसान हो जाएगा। इससे न केवल मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगेगी बल्कि हथियारों, विस्फोटकों और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की भी हेराफेरी रोकी जा सकेगी। बंदरगाहों की सुरक्षा व्यवस्था में निजी सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए गृह मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल लाइसेंस प्राप्त और प्रशिक्षित सुरक्षा एजेंसियों को ही यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इससे सुरक्षा मानकों में एकरूपता आएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता की संभावना कम होगी। सीआईएसएफ से प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती का निर्णय भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है क्योंकि यह बल देश के सबसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का व्यापक अनुभव रखता है।

रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉलों पर पसरा सन्नाटा: क्या इंटरनेट युग ने छीन ली पढ़ने की संस्कृति?

किसी भी बड़े या छोटे रेलवे स्टेशन पर प्रवेश करते ही व्हीलर जैसे बुक स्टॉल यात्रियों का ध्यान आकर्षित करते थे। यात्रा शुरू होने से पहले अखबार खरीदना, कोई पत्रिका चुनना या रास्ते के लिए उपन्यास लेना एक सामान्य आदत थी। रेल यात्रा और पुस्तकें मानो एक-दूसरे की पूरक थीं। लेकिन आज वही बुक स्टॉल सन्नाटे में डूबे दिखाई देते हैं। जिन स्थानों पर कभी पुस्तकों और पत्रिकाओं के खरीदारों की भीड़ लगी रहती थी, वहाँ अब गिने-चुने ग्राहक ही दिखाई देते हैं। अनेक स्टॉलों पर पुस्तकों की जगह पानी की बोतलें, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य पदार्थों ने ले ली है। यह दृश्य केवल बाजार के बदलते स्वरूप का नहीं, बल्कि समाज की बदलती पठन संस्कृति का भी संकेत है। पिछले दो दशकों में तकनीक ने मनुष्य के जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने सूचना तक पहुँच को आसान, तेज और सुलभ बना दिया है। आज दुनिया की लगभग हर जानकारी कुछ सेकंड में मोबाइल स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाती है। समाचार, पुस्तकें, शोध-पत्र, पत्रिकाएँ, वीडियो, पॉडकास्ट और ऑडियोबुक–सब कुछ एक ही उपकरण में समाहित हो गया है। यह तकनीकी क्रांति निस्संदेह मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

भारतीय रेलवे स्टेशन केवल यात्रियों के आवागमन के केंद्र नहीं रहे हैं, बल्कि वे लंबे समय तक देश की सांस्कृतिक और बौद्धिक चेतना के भी प्रतीक रहे हैं। किसी भी बड़े या छोटे रेलवे स्टेशन पर प्रवेश करते ही व्हीलर जैसे बुक स्टॉल यात्रियों का ध्यान आकर्षित करते थे। यात्रा शुरू होने से पहले अखबार खरीदना, कोई पत्रिका चुनना या रास्ते के लिए उपन्यास लेना एक सामान्य आदत थी। रेल यात्रा और पुस्तकें मानो एक-दूसरे की पूरक थीं। लेकिन आज वही बुक स्टॉल सन्नाटे में डूबे दिखाई देते हैं। जिन स्थानों पर कभी पुस्तकों और पत्रिकाओं के खरीदारों की भीड़ लगी रहती थी, वहाँ अब गिने-चुने ग्राहक ही दिखाई देते हैं। अनेक स्टॉलों पर पुस्तकों की जगह पानी की बोतलें, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य पदार्थों ने ले ली है। यह दृश्य केवल बाजार के बदलते स्वरूप का नहीं, बल्कि समाज की बदलती पठन संस्कृति का भी संकेत है। पिछले दो दशकों में तकनीक ने मनुष्य के जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने सूचना तक पहुँच को आसान, तेज और सुलभ बना दिया है। आज दुनिया की लगभग हर जानकारी कुछ सेकंड में मोबाइल स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाती है। समाचार, पुस्तकें, शोध-पत्र, पत्रिकाएँ, वीडियो, पॉडकास्ट और ऑडियोबुक–सब कुछ एक ही उपकरण में समाहित हो गया है। यह तकनीकी क्रांति निस्संदेह मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा प्रश्न भी जुड़ा है कि क्या इस डिजिटल सुविधा ने मुद्रित पुस्तकों और पत्रिकाओं की आवश्यकता को कम कर दिया है? रेलवे स्टेशनों के सूने पड़े बुक स्टॉल इस प्रश्न को और अधिक प्रासंगिक बना देते हैं। एक समय था जब धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, कादम्बिनी, सारिका, नवनीत, रविवार, हंस, सरिता, मुक्ता, गृहशोभा, वनिता, मेरी सहेली, प्रतियोगिता दर्पण, चंदामामा, मधु मुस्कान, मायापुरी, मनोहर कहानियाँ, रीडर्स डाइजेस्ट, इंडिया टुडे और आउटलुक जैसी पत्रिकाओं की नई प्रतियों का पाठकों को बेसब्री से इंतजार रहता था। रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉल इन पत्रिकाओं के सबसे बड़े बिक्री केंद्र होते थे। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लाखों यात्री अपनी रुचि के अनुसार पत्रिकाएँ खरीदते थे। बच्चों के लिए कॉमिक्स, युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री, महिलाओं के लिए गृह और परिवार से जुड़ी पत्रिकाएँ तथा साहित्य प्रेमियों के लिए उपन्यास और कहानी संग्रह आसानी से उपलब्ध रहते थे। यह केवल व्यापार नहीं था, बल्कि पढ़ने की एक जीवंत संस्कृति थी। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। अनेक प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ बंद हो चुकी हैं। कई पत्रिकाओं का प्रकाशन सीमित हो गया है। जिनका प्रकाशन जारी भी है, उनकी प्रतियाँ पहले की तुलना में बहुत कम छपती हैं। पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि अब यात्रियों की पहली पसंद पुस्तक नहीं, बल्कि मोबाइल फोन है। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा कर रहे अधिकांश लोग किताबों की अलमारी की ओर देखने के बजाय अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देते हैं। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण इंटरनेट को माना जाता है। इंटरनेट ने ज्ञान और सूचना को लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले किसी विषय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय जाना पड़ता था या पुस्तक खरीदनी पड़ती थी। आज वही जानकारी मुफ्त में ऑनलाइन उपलब्ध है। हजारों पुस्तकें पीडीएफ रूप में उपलब्ध हैं। किंडल और अन्य ई-बुक प्लेटफॉर्म ने पुस्तक पढ़ने के तरीके को बदल दिया है। ऑडियोबुक ने उन लोगों के लिए भी पढ़ने का विकल्प उपलब्ध कराया है जिनके पास समय कम है। इस दृष्टि से देखा जाए तो पढ़ने की आदत समाप्त नहीं हुई, बल्कि उसका माध्यम बदल गया है। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविक चिंता पढ़ने के माध्यम से अधिक पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर है। डिजिटल माध्यम पर उपलब्ध अधिकांश सामग्री त्वरित उपभोग के लिए तैयार की जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता का ध्यान अधिक समय तक किसी एक विषय पर टिकने नहीं देते। रील्स, शॉर्ट वीडियो और छोटे-छोटे पोस्ट लोगों को लगातार एक सामग्री से दूसरी सामग्री की ओर ले जाते रहते हैं। परिणामस्वरूप गहन अध्ययन, चिंतन और विश्लेषण की प्रवृत्ति कमजोर पड़ती जा रही है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि लगातार बदलती डिजिटल सामग्री मनुष्य की एकाग्रता को प्रभावित करती है। पहले लोग एक उपन्यास या पुस्तक को कई दिनों तक पढ़ते थे। अब कुछ मिनटों से अधिक समय तक एक ही विषय पर ध्यान केंद्रित करना कठिन होता जा रहा है। सूचना की मात्रा बढ़ी है, लेकिन ज्ञान की गहराई कम होती दिखाई देती है। यही कारण है कि पढ़ने और देखने के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। वीडियो देखना और पुस्तक पढ़ना दो अलग-अलग मानसिक प्रक्रियाएँ हैं। पुस्तक पाठक को कल्पना, विश्लेषण और आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती है, जबकि वीडियो अधिकांश दृश्य सामग्री सीधे प्रस्तुत कर देता है। रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉलों की बदली हुई तस्वीर केवल तकनीक की कहानी नहीं कहती, बल्कि बदलती जीवनशैली का भी संकेत देती है। आज लोगों के पास समय कम है और व्यस्तता अधिक है। लंबी रेल यात्राएँ भी अब मोबाइल मनोरंजन का माध्यम बन चुकी हैं। पहले चार घंटे की यात्रा में एक पुस्तक पढ़ी जाती थी, अब वही समय सोशल मीडिया, वेब सीरीज, गेम और वीडियो देखने में बीत जाता है। शिक्षा व्यवस्था भी इस परिवर्तन से प्रभावित हुई है। विद्यार्थियों का अध्ययन अब परीक्षा-केंद्रित होता जा रहा है। पाठ्यक्रम से बाहर पढ़ने की आदत लगातार कम हो रही है। विद्यालयों और महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में पहले जैसी चहल-पहल दिखाई नहीं देती। डिजिटल नोट्स और ऑनलाइन कोचिंग ने मुद्रित अध्ययन सामग्री की आवश्यकता को काफी हद तक कम कर दिया है। हालांकि यह परिवर्तन सुविधाजनक है, लेकिन इसके कारण साहित्यिक और सामान्य पठन की परंपरा कमजोर हुई है।

ई-20 पेट्रोल महंगा क्यों ?

देश अपनी कुल पेट्रोलियम जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा विदेशों से आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम जनता पर पड़ता है। ऐसे में सरकार ने पेट्रोल में जैव ईंधन अर्थात एथेनॉल मिलाने की नीति को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत में ई-20 (ए20) पेट्रोल की शुरूआत की गई, जिसमें 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल का मिश्रण होता है। सरकार का उद्देश्य है कि इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, किसानों की आय बढ़ेगी, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बनेगा। एथेनॉल मिश्रण को लेकर लोगों के मन में उठ रहे सवालों के जवाब देने के लिए सरकार ने विस्तृत एफएक्यू (ऋ्र04ील्ल3'8 अ2'ी दि4ी23ङ्कल्ल2) जारी किया है। सबसे बड़ा प्रश्न यही था कि जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत अपेक्षाकृत सस्ता एथेनॉल मिलाया जा रहा है तो पेट्रोल की कीमत कम क्यों नहीं हो रही? सरकार ने इस पर स्पष्ट किया कि एथेनॉल तैयार करने और खरीदने की वास्तविक लागत इतनी अधिक है कि ई-20 पेट्रोल की कुल लागत सामान्य पेट्रोल से कम नहीं बल्कि कई मामलों में अधिक हो जाती है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लंबे समय से कच्चे तेल के आयात पर निर्भर रहे हैं। देश अपनी कुल पेट्रोलियम जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा विदेशों से आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम जनता पर पड़ता है। ऐसे में सरकार ने पेट्रोल में जैव ईंधन अर्थात एथेनॉल मिलाने की नीति को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत में ई-20 (ए20) पेट्रोल की शुरूआत की गई, जिसमें 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल का मिश्रण होता है। सरकार का उद्देश्य है कि इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, किसानों की आय बढ़ेगी, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बनेगा। एथेनॉल मिश्रण को लेकर लोगों के मन में उठ रहे सवालों के जवाब देने के लिए सरकार ने विस्तृत एफएक्यू (ऋ्र०४ील्ल३'८ अ२'ी द४ी२३ङ्कल्ल२) जारी किया है। सबसे बड़ा प्रश्न यही था कि जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत अपेक्षाकृत सस्ता एथेनॉल मिलाया जा रहा है तो पेट्रोल की कीमत कम क्यों नहीं हो रही? सरकार ने इस पर स्पष्ट किया कि एथेनॉल तैयार करने और खरीदने की वास्तविक लागत इतनी अधिक है कि ई-20 पेट्रोल की कुल लागत सामान्य पेट्रोल से कम नहीं बल्कि कई मामलों में अधिक हो जाती है। एथेनॉल एक प्रकार का अल्कोहल है जिसे जैविक स्रोतों से तैयार किया जाता है। इसे जैव ईंधन (इङ्का४ी') कहा जाता है। भारत में एथेनॉल मुख्यतः गन्ने का रस, शीरा (टङ्क'२२ी२), मक्का, टूटे हुए चावल और अन्य कृषि उत्पाद से बनाया जाता है। एथेनॉल को पेट्रोल में मिलाने से पेट्रोल की खपत कम होती है और इंजन में अपेक्षाकृत स्वच्छ दहन होता है। भारत ने एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2003 में की थी। प्रारंभिक वर्षों में इसकी गति धीमी रही, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसमें उल्लेखनीय तेजी आई है। सरकार ने चरणबद्ध लक्ष्य निर्धारित किए हैं- 5 प्रतिशत मिश्रण, 10 प्रतिशत मिश्रण और 20 प्रतिशत मिश्रण। भारत ने 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। ई-20 पेट्रोल बाजार में आने के बाद लोगों के मन में अनेक प्रश्न उठने लगे हैं कि पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं हुआ? एथेनॉल वास्तव में कितना सस्ता है? क्या इससे इंजन खराब होगा? क्या सभी वाहन ई-20 पर चल सकते हैं? क्या माइलेज कम होगा? इन सभी सवालों का जवाब देने के लिए सरकार ने विस्तृत एफएक्यू जारी किया। सामान्य धारणा यह थी कि एथेनॉल पेट्रोल से सस्ता होता है, इसलिए 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने के बाद पेट्रोल की कीमत कम होनी चाहिए। लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह धारणा पूरी तरह सही नहीं है। सरकार के अनुसार, एथेनॉल बनाने के लिए किसानों से गन्ना और चावल उचित मूल्य पर खरीदे जाते हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लगातार बढ़ाया गया है। किसानों को लाभकारी मूल्य दिया जाता है। एथेनॉल उत्पादन में परिवहन, प्रसंस्करण और भंडारण की लागत भी शामिल होती है। तेल विपणन कंपनियां औसतन लगभग 71.86 रुपये प्रति लीटर की दर से एथेनॉल खरीदती हैं। इस कारण ई-20 पेट्रोल की कुल उत्पादन लागत सामान्य पेट्रोल से कम नहीं होती है। भारत की जैव ईंधन नीति का एक प्रमुख उद्देश्य केवल ईंधन तैयार करना नहीं है बल्कि किसानों की आय बढ़ाना भी है। यदि सरकार एथेनॉल बहुत कम कीमत पर खरीदेगी तो किसान गन्ना उत्पादन कम कर देंगे। चीनी उद्योग प्रभावित होगा। जैव ईंधन कार्यक्रम कमजोर पड़ जाएगा। इसलिए सरकार संतुलन बनाते हुए किसानों को उचित मूल्य उपलब्ध कराती है। गन्ना किसानों को कई प्रकार के लाभ मिलते हैं- समय पर भुगतान, अतिरिक्त मांग, चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति में सुधार, एथेनॉल संयंत्रों का विस्तार और रोजगार के नए अवसर। पहले कई चीनी मिलें भुगतान में महीनों की देरी करती थी। एथेनॉल कार्यक्रम से उनकी नकदी स्थिति मजबूत हुई है। सरकार टूटे हुए चावल तथा अधिशेष खाद्यान्न का उपयोग भी एथेनॉल उत्पादन में कर रही है। इसका उद्देश्य है- अतिरिक्त खाद्यान्न का उपयोग, किसानों को बाजार और जैव ईंधन उत्पादन बढ़ाना। हालांकि खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार समय-समय पर इस नीति में संशोधन भी करती रहती है। क्या एथेनॉल वास्तव में पेट्रोल से सस्ता है? यह प्रश्न थोड़ा जटिल है। यदि केवल कच्चे उत्पाद की बात करें तो कुछ परिस्थितियों में एथेनॉल सस्ता दिखाई दे सकता है। लेकिन जब इसमें शामिल किए जाते हैं- कृषि लागत, एमएसपी, प्रसंस्करण, आसवन, भंडारण, परिवहन, गुणवत्ता नियंत्रण और कर, तो अंतिम लागत काफी बढ़ जाती है। सरकार का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य केवल पेट्रोल सस्ता करना नहीं है। इसके प्रमुख लक्ष्य हैं ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी मुद्रा की बचत, किसानों की आय, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण उद्योगों का विकास और आयातित तेल पर निर्भरता कम करना। ए20 का अर्थ है- 20 प्रतिशत एथेनॉल + 80 प्रतिशत पेट्रोल। इसके अतिरिक्त अन्य मिश्रण भी होते हैं- ए5, ए10, ए15 और ए85 (कुछ देशों में)। सरकार और वाहन निमार्ता धीरे-धीरे ई-20 अनुकूल इंजन विकसित कर रहे हैं। नए वाहनों में फ्यूल पाइप, रबर सील, इंजेक्शन सिस्टम और इंजन कैलिब्रेशन को ई-20 के अनुरूप बनाया जा रहा है। पुरानी गाड़ियों का क्या होगा? यही सबसे बड़ी चिंता थी।

भारत न्यूजीलैंड संबंधों का नया स्वर्णिम अध्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा ने भारत और न्यूजीलैंड के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है। दोनों देशों ने अपने रिश्तों को औपचारिक रूप से सामरिक साझेदारी का स्वरूप देते हुए भारत न्यूजीलैंड सामरिक साझेदारी रोडमैप 2030 को मंजूरी दी है। इसके साथ रक्षा व्यापार समुद्री सुरक्षा खेल पशुपालन आपदा प्रबंधन आतंकवाद विरोधी सहयोग तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े कुल 18 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह केवल दो देशों के बीच सहयोग का विस्तार नहीं बल्कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि की दिशा में एक दीर्घकालिक रणनीतिक पहल भी मानी जा रही है। ऑकलैंड में आयोजित शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच व्यापक चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भविष्य की वैश्विक चुनौतियों का सामना साझेदारी और विश्वास के आधार पर ही किया जा सकता है। इसी सोच के साथ दोनों देशों ने नियमित उच्चस्तरीय वार्ता विदेश मंत्रियों की वार्षिक बैठक और संसदों के बीच संवाद को मजबूत करने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में न्यूजीलैंड की खुले दिल से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड केवल प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं बल्कि अपनी सामाजिक समरसता सांस्कृतिक विविधता और मानवीय मूल्यों के लिए भी पूरी दुनिया में अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि यहां विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों के लोग जिस सम्मान और सौहार्द के साथ रहते हैं वह पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा है। उन्होंने न्यूजीलैंड की सामाजिक व्यवस्था को संतुलित समावेशी और आधुनिक बताते हुए कहा कि यह देश विकास और मानवीय मूल्यों के बीच उत्कृष्ट संतुलन स्थापित करने में सफल रहा है। मोदी ने विशेष रूप से वहां बसे भारतीय समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड में भारतीय संस्कृति को सम्मान मिला है और भारतीय परंपराओं ने स्थानीय समाज के साथ सुंदर समन्वय स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि ऑकलैंड में गांधी रोड महात्मा गांधी सेंटर और भारत से जुड़े अनेक सांस्कृतिक स्थलों के साथ भारतीय समुदाय की सक्रिय उपस्थिति यह दशार्ती है कि दोनों देशों के संबंध केवल सरकारों तक सीमित नहीं बल्कि लोगों के दिलों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कई स्थानों पर भारतीय शहरों और महापुरुषों के नाम दिखाई देते हैं जो भारतीय विरासत के प्रति सम्मान का प्रतीक हैं और यह दृश्य उन्हें अत्यंत अद्भुत लगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड भारतीय संस्कृति के अनुरूप स्वयं को ढालने वाला एक निराला देश है। यहां भारतीय पर्व उत्साह के साथ मनाए जाते हैं भारतीय भोजन लोकप्रिय है और भारतीय भाषाओं तथा परंपराओं को भी सम्मान प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह अपनापन दोनों देशों के रिश्तों को और अधिक मजबूत बनाता है। अपने सम्मान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अत्यंत विनम्रता के साथ कहा कि उन्हें जो भी सम्मान मिला है वह व्यक्तिगत नहीं बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं उसकी सांस्कृतिक विरासत और विश्व बंधुत्व की भावना का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रत्येक भारतीय को समर्पित है जिसने अपने परिश्रम और संस्कारों से दुनिया में भारत की सकारात्मक पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि लक्सन दूरदर्शी नेतृत्व वाले ऐसे जननेता हैं जो भारत और न्यूजीलैंड के संबंधों को नई दिशा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि लक्सन के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच विश्वास सहयोग और मित्रता का नया युग प्रारंभ हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनका नेतृत्व आने वाले वर्षों में दोनों देशों की साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाएगा। शिखर वार्ता के दौरान रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर विशेष बल दिया गया। वर्ष 2025 के रक्षा सहयोग समझौते को प्रभावी ढंग से लागू करने पर सहमति बनी। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों और तीनों सेनाओं के बीच नियमित संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया गया। समुद्री सुरक्षा आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध संयुक्त प्रयासों को और मजबूत बनाने पर भी सहमति बनी। हिंद प्रशांत क्षेत्र में वार्षिक समुद्री सुरक्षा संवाद शुरू करने का फैसला इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बंदरों के हमले से बचने के लिए युवक छत से कूदा, मौत

फर्रुखाबाद। कादरीगेट थाना क्षेत्र में रविवार देर रात शो रूम संचालक बन्दरों के झुंड से बचने के लिए खाली प्लॉट पर कूद गए। गंभीर घायल होने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। ठंडी सड़क स्थित फैशन वर्ल्ड शोरूम के स्वामी जगदीश यादव (52) पानी की टंकी का ढक्कन देखने छत पर गए थे। उसी समय बंदरों के झुंड ने उन पर अचानक हमला कर दिया। बचने के प्रयास में वह छत से पड़ोस के खाली प्लॉट में जा गिरे। गंभीर हालत में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर अभिषेक चतुर्वेदी ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि बंदरों के हमले से बचने के लिए वह कूद गए थे, जिससे शोरूम संचालक की मौत हो गई। शव मोर्चरी में रखवा कर पुलिस को सूचना दी गई है।

गूल के पानी में गिरने से युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

फरुखाबाद। पानी में गिर जाने से युवक शरद यादव उर्फ बबलू की मौत हो जाने पर परिवार में मातम छा गया। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव अल्हादादपुर में खेत गए युवक की गूल में गिरने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। बबलू यादव कोतवाली कायमगंज के ग्राम अल्हादादपुर निवासी नंदराम सिंह का पुत्र था। युवक रविवार को देर रात खेत पर गया था। खेत के पास गूल में सबमर्सिबल का पानी चल रहा था। काफी देर तक उसके घर न लौटने पर परिजन उसकी तलाश में खेत पर गये। तभी शरद (28) को गूल के पानी में पड़ा देखा गया। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज ले गये, चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर कोतवाली पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी। शरद की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। शरद के विकास और विनय पुत्र तथा पुत्री नैना है। शरद चार भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। उसका छोटा भाई सुशील यादव जनपद कानपुर नगर के थाना मूलगंज में सिपाही पद पर तैनात है। घटना की जानकारी मिलने पर भाई अस्पताल पहुंच गया। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

दो वाहनों की टक्कर में फर्नीचर कारीगर की मौत

वाराणसी। जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र में पिंडरा बाजार रोड पर तेज गति से आ रही पिकअप वाहन की बोलेरो वाहन से टक्कर हो गई। पिकअप वाहन में जोरदार टक्कर से पास से ही गुजर रहे फर्नीचर कारीगर जयप्रकाश विश्वकर्मा को धक्का लग गया और वह कुछ दूर जा कर गिरे। जयप्रकाश के चोट लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। सोमवार की भोर में हुई दुर्घटना में जयप्रकाश की मौत होने के बाद आक्रोशित परिजनों ने सड़क पर शव को रखकर जाम लगा दिया। लोगों ने वाहन मालिक और चालक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। पिंडरा बाजार रोड पर जाम की सूचना मिलते ही एसडीएम (पिंडरा) प्रतिभा मिश्रा मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों से बातचीत किया। एसडीएम के कार्रवाई कराए जाने के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम को समाप्त किया। एसडीएम पिंडरा ने लोगों को समझा कर जाम समाप्त कराया है। पिंडरा बाजार रोड पर आवागमन सुचारु रूप से चालू हो गया है। घटना के संबंध में फूलपुर थाना पुलिस जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

मीरजापुर। वाराणसी-मीरजापुर नेशनल हाईवे-35 पर अदीतपुर गांव के पास रविवार देर शाम तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान विनोद कुमार यादव (35), निजामुद्दीपुर निवासी के रूप में हुई। वह जिवनाथपुर स्थित सरकारी डेयरी में कार्यरत थे। विनोद बाइक से घर लौट रहा था। अदीतपुर गांव के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण पुलिस चौकी पहुंच गए। विनोद की असमय मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, तीन बेटियां श्रेया (14), प्रियांशी (12), सृष्टि (6) और 10 वर्षीय पुत्र अंश को छोड़ गए हैं। थाना प्रभारी अजय सेठ ने बताया कि आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने किया जनता दर्शन, हर पीड़ित की समस्या सुन समाधान के लिए दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन किया। उन्होंने प्रदेश भर से आए हर फरियादी से मुलाकात की, उनकी शिकायत सुनी और अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। अवैध कब्जे से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायत मिलने पर ऐसे मामलों की सख्ती से जांचकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें। धमकी के मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों के लिए यूपी में कोई जगह नहीं है, पुलिस ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करे। अपराध व अवैध कब्जे से जुड़े मामलों की विवेचना में की जाय शीघ्रता मुख्यमंत्री योगी के समक्ष अवैध कब्जे से जुड़े मामले आये। पीड़ितों ने आरोपितों पर धमकी देने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने फरियादियों के प्रार्थना पत्र लेकर शासन के अधिकारियों को प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। अवैध कब्जा करने व धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। साथ ही अपराध व कब्जे से जुड़े मामलों की विवेचना में तेजी कर पीड़ितों को ससमय न्याय और दोषियों को दंड दिलाया जाय। बिल्डर के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचे लोग, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेशगाजियाबाद, मेरठ व नोएडा से जुड़े एक बिल्डर की शिकायत भी ह्यजनता दर्शनह्ल के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंची। पीड़ितों ने बताया कि बिल्डर ने एक ही फ्लैट कई लोगों को रजिस्ट्री कर दिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण को गम्भीरता से लिया और कहा कि जांच में बिल्डर के दोषी मिलने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाय।

टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग, 35 लाख का सामान जलकर राख

प्रात: किरण संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद में जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित महमदपुर कस्बे में सोमवार सुबह अज्ञात कारणों से टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे करीब 35 लाख रुपये का टेंट और अन्य सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस और फायर ब्रिगेड में कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने गोदाम से धुआं और आग की ऊंची लपटें निकलती देखीं। उन्होंने तत्काल टेंट हाउस के मालिक को सूचना दी। मौके पर पहुंचे मालिक ने गोदाम में लगी भीषण आग देखकर पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही जगदीशपुर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गोदाम में रखा अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो चुका था। टेंट हाउस के मालिक माशूक ने बताया कि सुबह 4 बजे के करीब मुझे फोन आया कि दुकान में आग लगी हुई है। मैं भाग कर दुकान पहुंचा और पुलिस तथा फायर ब्रिगेड को फोन किया। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक आग से टेंट हाउस का सारा सामान जलकर नष्ट हो गया था। आग से लगभग 35 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। फिलहाल आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस और फायर विभाग मामले की जांच में जुटे हैं। इस मामले में जगदीशपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि घटना की जानकारी डायल 112 के माध्यम से मुझे भी प्राप्त हुई है। कोतवाली क्षेत्र के महमदपुर स्थित हिंद टेंट हाउस के गोदाम की घटना है। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। संभवतः शॉर्ट सर्किट के करण गोदाम में आग लगी है। घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। दुकान में नुकसान बहुत हुआ है। लगभग कितने मूल्य का सामान जला है यह तो टेंट हाउस का मालिक ही बता पाएगा।

टीबी कंट्रोल मॉडल बना उत्तर प्रदेश

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में देश के सबसे ज्यादा टीबी (क्षय रोग) के मरीज हैं। भारत का हर पांचवां टीबी मरीज यूपी से है। इसलिए उत्तर प्रदेश को ह्यटीबी की राजधानीह्ल भी कहा जाता है। हालांकि, सबसे ज्यादा मरीज होने के बावजूद राज्य में टीबी पर काबू पाने में लगातार कामयाबी मिल रही है। टीबी की समय पर पहचान, जांच, इलाज और मरीजों को पोषण सहायता मुहैया कराने सहित विभिन्न मानकों पर बेहतर काम के आधार पर उत्तर प्रदेश टीबी पर नियंत्रण के मामले में देश के शीर्ष छह राज्यों में शामिल हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि टीबी को पूरी तरह खत्म करने के लिए ज्यादा से ज्यादा मरीजों की पहचान और दवाइयों का पूरा कोर्स करना सबसे कारगर उपाय है। टीबी मरीजों के ग्राफ में उतार-चढ़ाव केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में उत्तर प्रदेश में करीब पांच लाख टीबी के मरीज थे। 2023 में इनकी संख्या बढ़कर 6.24 लाख हो गई। 2024 में 6.73 लाख के ज्यादा टीबी के मरीजों की पहचान की गई। जो 2024 के केन्द्रीय टीबी प्रभाग के लक्ष्य से 6.5 लाख से ज्यादा थे। इसके बाद टीबी के मरीजों की संख्या में कमी आई। सात दिसम्बर 2024 से 19 अक्टूबर 2025 के बीच उच्च जोखिम वाले 2.38 करोड़ लोगों की जांच की गई। इसमें 5.14 लाख लोगों में टीबी की पुष्टि हुई। इस साल टीबी के मरीज घटने का दावा राज्य क्षय रोग अधिकारी (एसटीओ) डॉ. ऋषि कुमार सक्सेना ने बताया कि उत्तर प्रदेश में इस साल 24 मार्च से जुलाई के पहले हफ्ते तक 31 लाख से अधिक लोगों की टीबी जांच करायी गयी। इसके लिए 25,821 आयुष्मान आरोग्य शिविरों लगाए गए। उच्च जोखिम वाले 26 हजार से अधिक गांवों और वार्डों में से 24 हजार से अधिक क्षेत्रों को कवर किया गया। अभी तक राज्य में टीबी के 1.85 लाख नए मरीज खोजे गए हैं। डॉ.सक्सेना के अनुसार, वर्ष 2025 से अभी तक के आंकड़ों से साबित होता है कि इस साल (2026) भी टीबी के मरीज घटेंगे।

संजय गांधी अस्पताल में मरीज की मौत पर बवाल

प्रात: किरण संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कस्बे में स्थित संजय गांधी अस्पताल में भर्ती एक बुजुर्ग मरीज की मौत के बाद रविवार की देर रात अस्पताल परिसर में हंगामा हो गया। परिजनों ने चिकित्सीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में तोड़फोड़ की और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। हंगामे के चलते कुछ समय के लिए अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित रहीं, जिससे अन्य मरीजों और उनके तीमारदारों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा। मृतक की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव चंद्रभान सिंह (60) के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि समय पर उचित उपचार और आवश्यक चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध न कराए जाने के कारण बुजुर्ग की मौत हुई। नाराज लोगों ने अस्पताल के गेट पर बैठकर धरना प्रदर्शन करते हुए किशोरी लाल शर्मा, राहुल गांधी और सोनिया गांधी मुदार्बाद के नारे लगाए। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यह अस्पताल गांधी परिवार के द्वारा स्थापित किया गया है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी इस अस्पताल की ट्रस्टी है। आए दिन इस तरह की घटनाओं के कारण यह अस्पताल विवादों के घेरे में रहता है। घटना की सूचना मिलते ही मुंशीगंज, गौरीगंज और संग्रामपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों को समझाकर स्थिति को शांत कराया। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अस्पताल परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है। उधर घटना की जानकारी मिलते ही सीएमओ अमेठी डॉक्टर अंशुमान सिंह ने तीन सदस्यीय चिकित्सकों की टीम बनाकर पूरे मामले की जांच करते हुए रिपोर्ट मंगवाई है। मुंशीगंज कोतवाल शिवाकांत त्रिपाठी ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जौनपुर में चार नए एसडीएम की तैनाती

जौनपुर। उत्तर प्रदेश शासन से रविवार की रात प्रशासनिक अफसरों के तबादले हुए। इस सूची में जौनपुर जिले के प्रशासनिक ढांचे में अहम बदलाव किए गए हैं। शासन ने जौनपुर में चार नए उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) की तैनाती की हैं, जबकि यहां कार्यरत तीन एसडीएम का स्थानांतरण अन्य जनपदों में किया गया। नए अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभिन्न तहसीलों के प्रभार का पुनर्वितरण किया जाएगा। जारी आदेश के अनुसार जौनपुर में तैनात सुनील कुमार भारती का स्थानांतरण मऊ, संतवीर सिंह का रामपुर तथा कुणाल गौरव का कुशीनगर उप जिलाधिकारी के पद पर किया गया है। वहीं, शासन ने अलीगढ़ से मो. अमान, बहराइच से अखिलेश कुमार सिंह, स्थानीय निकाय निदेशालय में सहायक निदेशक पद पर कार्यरत रश्मि सिंह तथा फतेहपुर से प्रदीप कुमार रमन को जौनपुर में उप जिलाधिकारी के पद पर तैनात किया है।

मौत को दावत देती डबल डेकर बसें: गोंडा से रामनगर चौराहा होकर रोज निकलती हैं सैकड़ों बसें

प्रात: किरण संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में जिले की सड़कों पर दौड़ रहीं प्राइवेट डबल-डेकर बसें यात्रियों के लिए खतरा बनती जा रही हैं। गोंडा से चलकर रामनगर चौराहा होते हुए लखनऊ, दिल्ली, बहराइच व अयोध्या रूट पर रोजाना सैकड़ों डबल-डेकर बसें गुजरती हैं। नियमों को ताक पर रखकर चल रहीं ये बसें आए दिन हादसों को दावत दे रही हैं। सोमवार भोर पहर फतेहपुर रोड से रामनगर चौराहे पर शांति ट्रैवल्स समेत अन्य ट्रांस पोर्टरों की डबल-डेकर बस तेज रफ्तार में दौड़ती दिखी। बस के दोनों डेक यात्रियों से खचाखच भरे थे और कई यात्री खिड़कियों से बाहर झांकते नजर आए। काले बादलों और बारिश के बीच भी बस की रफ्तार कम नहीं थी। रामनगर चौराहा बना डेंजर जोन स्थानीय लोगों के मुताबिक गोंडा-बहराइच से आने वाली ज्यादातर डबल-डेकर बसें रामनगर चौराहा होकर ही गुजरती हैं। यहां सुबह 4 बजे से रात 11 बजे तक बसों का जमावड़ा रहता है। ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार के कारण यहां आए दिन जाम और दुर्घटना की स्थिति बनती है। अब तक हो चुके हैं कई बड़े हादसे बाराबंकी-लखनऊ, बाराबंकी-बहराइच और रामनगर-हैदरगढ़ मार्ग पर पिछले एक साल में डबल-डेकर बसों से आधा दर्जन से अधिक हादसे हो चुके हैं। 1. मार्च 2026 रामसनेहीघाट में डबल-डेकर बस पलटने से 3 की मौत, 20 घायल। 2. मई 2026 देवा रोड पर अनियंत्रित बस ने बाइक सवार को रौंदा, मौके पर मौत। 3. जून 2026: हैदरगढ़ में ओवरटेक के चक्कर में डबल-डेकर बस डिवाइडर से टकराई, 12 यात्री घायल। मानकों की उड़ रहीं धज्जियां आरटीओ विभाग के नियमानुसार डबल-डेकर बस में अधिकतम 80 सवारी बैठ सकती हैं, लेकिन 120 तक भरी जा रही हैं। बसों की छतों पर भी बोरों में सामान लादकर ले जाया जा रहा है, जिससे संतुलन बिगड़ने का खतरा रहता है। क्या कहते हैं लोगः ड्राइवर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मालिकों का दबाव रहता है कि टाइम से लखनऊ पहुंचो। गोंडा से रामनगर तक तो फिर भी ठीक है, लेकिन रामनगर चौराहा पार करते ही सवारी भरने का दबाव आ जाता है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास की जन्मस्थली पर जलभराव से नाराजगी

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास की जन्मस्थली के आसपास बारिश के बाद हुए जलभराव और फैली गंदगी को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा असंतोष है। क्षेत्र में जलभराव का एक वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसके बाद व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठने लगे। सीर गोवर्धनपुर निवासी एवं समाजवादी पार्टी के नेता अमन यादव ने आरोप लगाया कि गुरु रविदास की जन्मस्थली पर देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री समय-समय पर दर्शन-पूजन के लिए आते हैं। उनके आगमन से पहले पूरे क्षेत्र में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई, सड़क मरम्मत, जल निकासी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कर दी जाती हैं, लेकिन वीआईपी कार्यक्रम समाप्त होते ही क्षेत्र की स्थिति फिर से बदहाल हो जाती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई स्थानों पर जलभराव, गंदगी, जाम नालियां और क्षतिग्रस्त सड़कें स्थानीय निवासियों तथा श्रद्धालुओं के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनी हुई हैं। इससे प्रतिदिन आवागमन प्रभावित हो रहा है और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।अमन यादव के साथ क्षेत्रीय लोगों ने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की कि संत शिरोमणि गुरु रविदास की जन्मस्थली क्षेत्र में केवल वीआईपी दौरों के दौरान ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष नियमित साफ-सफाई, प्रभावी जल निकासी, सड़क रखरखाव और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि इससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

उप्र में कई पीसीएस अफसरों के तबादले

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार प्रशासनिक अफसरों के तबादले हो रहे हैं। इसी क्रम रविवार की देर रात को शासन ने बड़े पैमाने में पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। तबादले के क्रम में प्रशांत कुमार नायक को उप जिला अधिकारी उन्नाव से उप जिलाधिकारी बहराइच बनाया गया है। कुमार संजय मैनपुरी से गाजीपुर, अभय कुमार सिंह को गौतम बुद्ध नगर से विशेष कार्य अधिकारी राजस्व परिषद लखनऊ अरविंद कुमार सिंह को विशेष कार्य अधिकारी नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर से उप जिलाधिकारी मैनपुरी, मनोज कुमार को उप जिलाधिकारी बस्ती से जालौन, पुष्पेंद्र पटेल को गाजीपुर से अंबेडकर नगर, योगेश कुमार को कौशांबी से सहारनपुर, राजेश कुमार अग्रवाल को मऊ से बहराइच, अनुज नेहरा को गौतम बुद्ध नगर से सहायक आवास आयुक्त उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद लखनऊ, ज्योति शर्मा को बागपत से कानपुर नगर, अरुण कुमार को संत कबीर नगर से गौतम बुद्ध नगर, मिथिलेश कुमार त्रिपाठी को रायबरेली से उप जिला अधिकारी मैनपुर बनाया है।

कलयुगी पुत्र ने पिता को कुर्सी व ईंट से कुचल कर मार डाला

फरुर्खाबाद। जनपद के थाना मोहम्मदाबाद के गांव रोहिला में सोमवार को एक पुत्र ने कुर्सी व ईंट से कुचल कर अपने पिता को मार डाला। यह सूचना पुत्र बधू ने डायल 112 को दी। रोहिला नगर निवासी 68 वर्षीय रामदास चारपाई पर सो रहे थे। सोमवार की अति प्रातः उनका पुत्र श्याम कुमार उर्फ रामू शराब के नशे में उनसे पास पहुंचा और सोते समय उन्हें चारपाई से पलट दिया। वह कुछ समझ पाते, उसके पहले ही उन्हें कुर्सी व ईंट से मार-मार कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। ग्रामीणों के अनुसार रामदास अपने स्वर्गीय पुत्र ललित कुमार के घर पर अकेला सोया हुआ था। उसकी पुत्रवधू गुड्डी देवी के बड़े पुत्र सुमित की पत्नी पिंकी की डिलिवरी के लिए फरुर्खाबाद गए थे,तभी मौका पाकर श्याम कुमार उर्फ रामू ने घटना को अंजाम दिया। ग्रामीणों ने बताया कि श्याम कुमार ने 12 जुलाई 2026 को किस्तो पर बाइक निकाली थी। जिसके लिए उसने अपनी बड़ी पुत्री काजल जिसकी 7 जुलाई 2026 को शादी कंपिल थाना क्षेत्र के ग्राम कटरा में की थी। बीते रविवार को उसकी पुत्री अपने मायके आई थी। अपनी पुत्री से जेवर को गिरवी रखने के लिए मांगा,उसने मना कर दिया और वह अपनी ससुराल फोन करके पति को बुलाया और उनके साथ चली गई। इसके बाद उसने अपने बच्चों सपना 14 वर्ष, दीपू 14 वर्ष नीरज 10 तथा पत्नी ममता के साथ मारपीट की। मारपीट के डर के कारण बच्चे घर से बाहर निकल गए थे। उसके बाद उसने इस घटना को अंजाम दिया। सूचना पाकर घटनास्थल पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक,फॉरेंसिक टीम कार्यवाहक क्षेत्राधिकार राजेश कुमार द्विवेदी तथा अपर पुलिस अधीक्षक गिरीश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

घर के कमरे में फंदे से लटका मिला अध्यापक का शव

प्रात: किरण संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जनपद में रामनगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सरकारी सहायक अध्यापक ने आत्महत्या कर ली। शिक्षक का शव उनके घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। आदर्श नगर पंचायत रामनगर के कस्बा धमेड़ी-2 में रहने वाले सुभाषकर तिवारी (32) बहराइच जिले के जरवल विकासखंड स्थित बरौलिया के परिषदीय विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। सोमवार को सहायक अध्यापक अपने कमरे से बाहर नहीं निकले। काफी देर तक कमरे का दरवाजा न खुलने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। परिजनों ने दरवाजा खोलकर देखा तो सुभाषकर तिवारी कमरे के अंदर पंखे से फंदे के सहारे लटका देखा।परिजनों ने उन्हें तुरंत नीचे उतारा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रामनगर थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह व कस्बा प्रभारी सुभाष चंद्र यादव ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी छाया तिवारी भी परिषदीय विद्यालय में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। परिवार में पत्नी के अलावा एक नौ वर्षीय बालक और चार वर्षीय बालिका है। थाना प्रभारी ने बताया कि अध्यापक के आत्महत्या किए जाने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। परिजनों से पूछताछ के साथ अन्य पहलुओं पर जांच की जा रही है।

अवैध कब्जे हटाना योगी सरकार की प्राथमिकता, सपा-कांग्रेस ने राम मंदिर का किया विरोध: चौधरी भूपेंद्र सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह रविवार शाम संभल पहुंचे जहाँ उन्होंने मुरादाबाद-बरेली शिक्षक एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों के लिए प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूरी पार्टी मतदाताओं से संपर्क करेगी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने शिक्षकों व शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने कभी भगवान श्रीराम के अस्तित्व को स्वीकार नहीं किया और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का लगातार विरोध किया। सपा-कांग्रेस के पेट में इस बात से दर्द है कि उनकी इच्छा के विपरीत न्यायालय के आदेश पर अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्म स्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय है। कैबिनेट मंत्री ने सपा पर मठों, मंदिरों और साधु-संतों का लगातार अपमान करने का आरोप लगाया। सपा का एजेंडा हमारी परंपरा, विरासत और आस्था के प्रति लोगों के मन में अविश्वास पैदा करना है। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि सपा कभी वामपंथी मस्जिदों और मदरसों के लिए चंदा इकट्ठा होने की चर्चा नहीं करेगी। पेपर लीक पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने एसआईटी का गठन किया है और प्रारंभिक जांच में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि 10-15 साल पहले ऐसी घटनाओं की कोई जांच नहीं होती थी। उन्होंने सपा, कांग्रेस और बसपा पर योजनाबद्ध तरीके से पेपर लीक कराकर पूरे प्रदेश को नकल का अड्डा बनाने का आरोप लगाया। चौधरी भूपेंद्र सिंह ने आगे कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान दूसरे राज्यों और देशों से लोग उत्तर प्रदेश में नकल करने और परीक्षा प्रमाण पत्र लेने आते थे। उन्होंने जोर दिया कि जिस तरह से इन दलों ने शिक्षा जगत को दूषित किया, हमारी सरकार उसे सुधारने का पूरा प्रयास कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि परीक्षा प्रणाली में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता या शिकायत आने पर सरकार उसे गंभीरता से लेती है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करती है। कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार की स्पष्ट नीति है कि अवैध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों ने हमेशा वोट बैंक और जाति के आधार पर विकास कार्य कराए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने वोट बैंक के लिए लोगों से अवैध कब्जे कराए, जिन्हें हटाना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता है।

काशी में 16 जुलाई से शुरू होगा ऐतिहासिक रथयात्रा मेला

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। काशी के ऐतिहासिक भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 14 दिनों के अनवसर (विश्राम) काल के बाद भगवान जगन्नाथ 14 जुलाई को नवयौवन स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। इसके साथ ही तीन दिवसीय रथयात्रा मेला की धार्मिक गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। इस वर्ष नवयौवन दर्शन, भव्य डोली यात्रा, प्लास्टिक मुक्त मेला और गरुड़ मंदिर निर्माण की शुरूआत आयोजन को विशेष बना रही है। मंदिर के पुजारी पंडित राधेश्याम पांडेय ने बताया कि अनवसर काल के दौरान भगवान के स्वास्थ्य लाभ की परंपरा निभाई जाती है। इसके बाद नवयौवन दर्शन के अवसर पर भगवान को श्वेत वस्त्र धारण कराकर विशेष श्रृंगार किया जाएगा। स्वस्थ होने के उपलक्ष्य में प्रभु को परवल का जूस, परवल की मिठाई और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाएगा। सुबह मंगला आरती से लेकर रात नौ बजे शयन आरती तक श्रद्धालु भगवान के नवयौवन स्वरूप के दर्शन कर सकेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों के मंदिर पहुंचने की संभावना है। महोत्सव के दूसरे दिन, 15 जुलाई को भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ पारंपरिक डोली यात्रा पर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे। सुबह पूजा-अर्चना और श्रृंगार के बाद दोपहर तक दर्शन होंगे। इसके बाद दोपहर तीन बजे विशेष आरती के उपरांत डोली यात्रा प्रारंभ होगी, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए शाम लगभग साढ़े पांच बजे रथयात्रा स्थित बेनीराम बाग पहुंचेगी। यहां भगवान के रथ का विधि-विधान से पूजन किया जाएगा और इसी के साथ रथयात्रा मेले का धार्मिक शुभारंभ माना जाएगा। इस वर्ष की डोली यात्रा कई नई परंपराओं और विशेष आयोजनों के कारण आकर्षण का केंद्र रहेगी। भगवान को मलमल के वस्त्रों से सुसज्जित डोली में विराजमान कराया जाएगा। डमरू दल की मंगल ध्वनि के बीच 108 ध्वज लेकर श्रद्धालु शोभायात्रा का नेतृत्व करेंगे। पहली बार पुरी शंकराचार्य की परंपरा के अनुसार पुरी पीठ की वाराणसी शाखा के साधु-संत डोली की गंगाजल से शुद्धि करेंगे और पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत करेंगे। परंपरा के अनुसार आठ कहार अपने कंधों पर डोली उठाकर यात्रा संपन्न कराएंगे। 16 जुलाई से शुरू होने वाला तीन दिवसीय रथयात्रा मेला लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनेगा। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु काशी पहुंचेंगे।

राष्ट्रीय दैनिक **प्रात:किरण**

नई दिल्ली, मंगलवार, 14 जुलाई, 2026

संक्षिप्त खबरें

स्कॉर्पियो ने डाक विभाग के शाखा डाकपाल को रौंदा, मौत

मीरजापुर। देहात कोतवाली क्षेत्र में रविवार देर शाम तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की चपेट में आने से डाक विभाग में कार्यरत शाखा डाकपाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। हरदी गुलालपुर के मूल निवासी अरविंद कुमार मिश्र (61) वर्तमान में हरदी गुलालपुर शाखा डाकघर में शाखा डाकपाल (बीपीएम) के पद पर कार्यरत थे। रविवार देर शाम वह बीएचयू कैंपस के पास बेलहरा मोड़ से करीब दो सौ मीटर आगे पहुंचे थे, तभी पीछे से आ रही काले रंग की तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। चालक वाहन समेत फरार हो गया। अरविंद कुमार मिश्रा के सेवा निवृत्त होने में अभी लगभग पांच वर्ष शेष थे।

औरैया में ड्यूटी के दौरान बिगड़ी तबीयत, रेलवे के ग्रुप-डी हेल्पर की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के दिबियापुर क्षेत्र के बीरपुर गांव निवासी रेलवे के ग्रुप-डी हेल्पर की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक विजय सिंह (55) पुत्र अहिवरन सिंह रेलवे में ग्रुप-डी हेल्पर के पद पर कार्यरत थे। ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। हालत बिगड़ने पर उन्होंने अपने बेटे मोहित को फोन कर दिबियापुर बुलाया। बेटे के पहुंचने के बाद परिजन उन्हें मोटरसाइकिल से उपचार के लिए चिचौली ले गए। रविवार को विजय सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां देर रात इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। विजय सिंह अपने पीछे पत्नी मीरा देवी तथा तीन पुत्र मोहित सेंगर, सोहित सेंगर और विशाल सेंगर को छोड़ गए हैं। उनके असामयिक निधन से परिवार सहित गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पंचायतनामा भरवाया। दिबियापुर थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने बताया कि सोमवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

देवरिया में रातभर हुई बारिश से तापमान गिरा, उमस से मिली राहत

देवरिया। देवरिया जिले में रविवार देर रात लगभग छह घंटे तक रुक-रुककर हुई बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया। कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली। बारिश के बाद सोमवार सुबह वातावरण में ठंडक महसूस की गई और लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, बारिश ने कुछ स्थानों पर परेशानी भी बढ़ा दी। देवरिया-सलेमपुर फोरलेन पर खुखुंदू के पास जलभराव होने से वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़क पर पानी भर जाने से वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई और लोगों को सावधानीपूर्वक सफर करना पड़ा। सोमवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। सुबह नौ बजे तक जिले का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

17 जुलाई को होगी नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक

वाराणसी। नगर निगम कार्यकारिणी के छह सदस्यों और उपसभापति पद के चुनाव के लिए 17 जुलाई को सदन की बैठक आयोजित की जाएगी। कार्यकारिणी के 12 सदस्यों में से छह सदस्यों का कार्यकाल 27 जून को समाप्त हो चुका है, जिसके बाद रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की गई है। पहले यह चुनाव 15 जुलाई को प्रस्तावित था, लेकिन अब संशोधित कार्यक्रम के तहत 17 जुलाई को सदन की बैठक में चुनाव किया जाएगा। इस दौरान उपसभापति पद के साथ छह कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन भी होगा। जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा हुआ है, उनमें भाजपा के उपसभापति नरसिंह दास के अलावा भाजपा पार्षद राजेश यादव चुल्लू, सुशील कुमार गुप्ता और हनुमान प्रसाद शामिल हैं। वहीं सपा के अमरदेव यादव और प्रमोद राय का कार्यकाल भी समाप्त हो चुका है। इनकी जगह छह नए पार्षदों का चुनाव किया जाना है। शेष छह कार्यकारिणी सदस्यों में भाजपा के अशोक मोर्य, प्रवीण राय, मदनमोहन, माधुरी सिंह, सुशीला तथा सपा के राजकपूर चौधरी शामिल हैं। इनका कार्यकाल अगले वर्ष तक है। महापौर अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि संगठन की ओर से जिसे प्रत्याशी बनाया जाएगा, वही चुनाव लड़ेगा।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे का राजनाथ-गडकरी ने उद्घाटन किया

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार शाम 4 बजे उन्नाव में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। सीएम योगी और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी साथ रहे। सभी उन्नाव हेलिकॉप्टर से पहुंचे थे। इसके बाद सभी कार से एक्सप्रेस-वे से ही लखनऊ लौटे। यहां सरोजनीनगर में 3 प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान नितिन गडकरी ने कहा, हमारे हाईवे अमेरिका से भी अच्छे बनेंगे। मेरे विभाग में पैसे की कमी नहीं है। आप मांगते हुए थक जाएंगे, मैं देते हुए नहीं थकूंगा। 15 लाख करोड़ मेरी जेब में रखे हैं। तीन लाख 25 हजार करोड़ बजट है। मैं मुश्किल से साढ़े चार लाख करोड़ खर्च कर पा रहा हूं। वहीं, सीएम योगी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने करीब 60 हजार करोड़ की परियोजनाओं पर सहमति दी है। ईस्ट को वेस्ट से जोड़ दिया गया है। अब नॉर्थ-साउथ को जोड़ने के लिए कुछ नए क्षेत्रों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा- 5 लाख की आबादी वाले हर शहर में एक बाईपास होगा। उस बाईपास के साथ हर जिला मुख्यालय फोरलेन का होगा। वहीं, एक्सप्रेस-वे से लखनऊ-कानपुर का सफर सिर्फ 40 मिनट में पूरा होगा। अभी सफर में ढाई से तीन घंटे लगते हैं। 4700 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार एक्सप्रेस-वे कल यानी मंगलवार सुबह 8 बजे से आम लोगों के लिए खुल जाएगा। 63 किलोमीटर लंबा यह देश का पहला बैरियर-लेस एक्सप्रेस-वे है। इस पर लोगों को करीब तीन गुना ज्यादा टोल चुकाना होगा। कार से लखनऊ से कानपुर जाने पर 275 रुपए टोल देना होगा, जबकि पहले 95 रुपए ही लगते थे। एक्सप्रेसवे पर दोपहिया वाहनों की एंट्री बैन रहेगी। वाहन अधिकतम 120 `स्त्रँ की रफ्तार से दौड़ सकेंगे। टोल प्लाजा से 500 मीटर पहले लगे ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (अठढफ) कैमरे और फास्टैग रीडर बिना गाड़ी रोके अपने आप टोल काट लेंगे। अगर हादसा होता है, तो अक कैमरे ठलअक कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजेंगे। एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास 5 जनवरी 2022 को किया गया था। 13 जुलाई 2026 को उद्घाटन किया गया। इस हिसाब से एक्सप्रेस-वे 1650 दिन में बनकर तैयार हुआ।

जनपद न्यायालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। शासन एवं उच्च न्यायालय के निर्देश पर जनपद न्यायालय परिसर में रविवार को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने रुद्राक्ष एवं बरगद के पौधे रोपे। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं। प्रत्येक व्यक्ति को हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान भी किया। जनपद न्यायाधीश संजय कुमार सप्तम ने सिंदूर का पौधा रोपित किया। इसके अलावा न्यायालय के सभी न्यायिक अधिकारियों ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में एडीजे प्रथम प्रशांत मित्तल, अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय संजय कुमार सिंह, अपर विशेष न्यायाधीश पॉक्सो लोकेश नागर, अपर जनपद न्यायाधीश कमल दीप एवं शहजाद अली, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) नितेश सिन्हा, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम नरेंद्र कुमार, अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) शांतनु त्यागी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण स्वाति चंद्रा, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय आशीष शिवारणिया, अपर सिविल जज (जूनियर डिवीजन) मयंक सिंह, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) विशाल शर्मा, चीफ डिफेंस काउंसिल प्रवीण देशवाल, वन विभाग के अधिकारी, वन दरोगा तथा न्यायालय के कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण के साथ पौधों के संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा।

चरमराई विद्युत व्यवस्था पर जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के झूठे आश्वासन से जनता आक्रोशित : मनोज धामा

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। भीषण गर्मी के बीच अघोषित बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और फाल्ट से क्षेत्रवासी घोर संकट से गुजर रहे है। मुस्तफाबाद, कंचन पार्क, डाबर तालाब, इकराम नगर, बुध नगर, विकास कुंज, नाईपुरा आदि के साथी कथित पोश कॉलोनी में शामिल खन्ना नगर, राम पार्क, लाल बाग, खुशहाल पार्क, बलराम नगर, गुलाब वाटिका, जवाहर नगर और तिलक राम कॉलोनी जैसे तमाम इलाकों में 24 से 48 घंटे तक बिजली गुल रहने से त्राहि-त्राहि मची है। हिंदू सम्राट, युग पुरुष, यशस्वी-तेजस्वी और ना जाने किस-किस नाम से पुकारे जाने वाले जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के केवल झूठे आश्वासनों से जनता बेहद आक्रोशित है। यह कहना है पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोज धामा का. वह बैहटा नहर स्थित अपने कैंप कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है, ट्रांसफार्मरो की हालत खराब है, बिना पोल के सैकड़ो विद्युत तार बास-बल्लियों के सहारे लिखटे हैं। लोगों को मात्र आश्वासन मिल रहे हैं। बिजली नहीं आने के कारण पूरी रात परेशान रहने वाली जनता बिलख रही है। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि स्थानीय विधायक शिक्षा व चिकित्सा की दिशा में काम करने के दावे करते हैं. जबकि हमने अपने कार्यकाल के दौरान 200 बेड का अस्पताल और स्कूल के लिए संस्तुति भेजी थी। मगर धीरे-धीरे अस्पताल 50 बेड का बनकर रह गया जहां संसाधनों के अभाव में जरूरतमंदों का पूरी तरह उपचार भी नहीं हो पाता जबकि स्कूल की हालत भी अत्यंत देनीय है। धामा ने तंज भरे अंदाज में कहा कि जनप्रतिनिधि 8:30 करोड रुपए लाने की बात इस तरह करते हैं, जैसे इससे पहले कोई योजना नहीं थी, विधायक बनने के बाद सब वही लेकर आये है। दरअसल वह मानसिक रूप से परेशान है। सच तो यह है कि बड़बोले पन वाले विधायक केवल हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करते हैं।

जनता की शिकायतों पर एसपी गंभीर, जनसुनवाई में अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में सोमवार को पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की शिकायतें सुनकर उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने प्राप्त प्रार्थना पत्रों का गंभीरता से परीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक मामले में निष्पक्ष, समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आमजन को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी शिकायत को हल्के में न लिया जाए और प्रत्येक प्रकरण की तथ्यों के आधार पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाए, ताकि पुलिस के प्रति जनता का विश्वास और मजबूत हो। साथ ही चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान कई फरियादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं।

आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने किया पौधारोपण

अमरोहा/बरेली। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद के आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने रविवार को पौधारोपण कर एक पेड़ माँ के नामअभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृ-सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। जिस प्रकार माँ अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार वृक्ष मानव जीवन को ऑक्सीजन, छाया, फल और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपनी माँ के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। डॉ. बलकार सिंह ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के नाम पर एक पौधा लगाए, तो प्रदेश और देश में हरियाली बढ़ेगी तथा पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा मिलेगी।

बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र की रतिराम कॉलोनी में बीती रात करीब 12.00 बजे विपिन नामक युवक की मोहल्ले में ही रहने वाले युवक ने गोली मार कर हत्या कर दी। घटना के मामले में मृतक के परिजनों की तहीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस आरोपितो की तलाश में जुटी हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (अंकुर विहार) अमरदीप मौर्य के अनुसार रतिराम कॉलोनी में रहने वाला विपिन पुत्र सूरज बीती रात अपने किसी रिश्तेदार को छोड़कर घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान लगभग 12:00 बजे उसे कॉलोनी में ही रहने वाला सोनू नामक युवक रास्ते में खड़ा दिखाई दिया। विपिन ने अपनी बाइक का होरन बजाते हुए जैसे ही उसकी बगल से निकलने का प्रयास किया, दोनों के बीच कहा-सुनी हो गई और देखते ही देखते सोनू ने विपिन पर गोली चला दी.ङ्क उसके पेट में लगी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल को उपचार हेतु शाहदरा के गुरु तेग बहादुर अस्पताल पहुंचाया. जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के मामले में मृतक के परिजनों ने सोनू उसके पिता ब्रह्मपाल व मां के खिलाफ लिखित तहरीर दी हैं। पुलिस सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आरोपितों की तलाश में जुट गई है।

कृषि निर्यात को मिलेगा बढ़ावा, निर्यातकों को 25% परिवहन अनुदान

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जनपद में कृषि निर्यात को बढ़ावा देने, किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने तथा निर्यातकों एवं किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 का अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग के निरीक्षक अजब सिंह ने अमरोहा के सांसद कंवर सिंह तंवर को जनपद में कृषि निर्यात की वर्तमान स्थिति, संभावनाओं एवं संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमरोहा से मुख्य रूप से आम, मेंथा और गुड़ का निर्यात किया जा रहा है। कृषि निर्यात नीति-2019 के तहत कृषि उत्पादों के निर्यात पर 25 प्रतिशत परिवहन अनुदान का प्रावधान है। पात्र निर्यातक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। अजब सिंह ने बताया कि जनपद के किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को भी कृषि निर्यात से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में तीन एफपीओ के निदेशकों को हैदराबाद में आयोजित कृषि निर्यात प्रशिक्षण कार्यक्रम में भेजा गया, जहां उन्हें निर्यात प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों और अंतरराष्ट्रीय बाजार से संबंधित जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि चयनित कृषि जिंसों के लिए 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल का क्लस्टर विकसित करने पर एफपीओ को अधिकतम 10 लाख रुपये तक का प्रोत्साहन अनुदान मिल सकता है। वहीं, बासमती धान उत्पादक किसान जीआई (GI) अधिकृत उपयोगकर्ता बनकर अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशिष्ट पहचान दिला सकते हैं। कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण करने वाले सक्रिय एफपीओ एगमार्क वर्गीकरण योजना के तहत पंजीकरण भी करा सकते हैं, जिसके लिए निर्धारित शुल्क में कमी की गई है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अमरोहा में कृषि निर्यात की व्यापक संभावनाएं हैं। योजनाबद्ध प्रयासों और किसानों तथा एफपीओ की सक्रिय भागीदारी से निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। इस अवसर पर सांसद कंवर सिंह तंवर ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने किसानों, निर्यातकों एवं एफपीओ से कृषि निर्यात नीति-2019 के अंतर्गत उपलब्ध परिवहन अनुदान एवं अन्य प्रोत्साहन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि निर्यात बढ़ने से किसानों की आय में वृद्धि होगी और अमरोहा की कृषि उपज को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

फैमिली आईडी व पीएम सूर्य घर योजना में तेजी लाने के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पीएम सूर्य घर योजना, फैमिली आईडी एवं जीरो पॉवर्टी अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने फैमिली आईडी बनाने की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लगाए जा रहे शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक फैमिली आईडी बनाकर लक्ष्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगली समीक्षा बैठक में सभी सीडीपीओ की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी विभागों को अधिक से अधिक पंजीकरण कराने तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। साथ ही आमजन को योजना की जानकारी देकर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। बैंकों में लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के लिए एलडीएम को आवश्यक निर्देश भी दिए गए।बैठक में जीरो पॉवर्टी अभियान के अंतर्गत चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, विद्युत संयोजन, श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड, गैस कनेक्शन सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों पर दर्ज मुकदमों के विरोध में 15 और 21 जुलाई को भाकियू की पंचायत

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने नगीना तहसील क्षेत्र में किसान आंदोलन के दौरान किसानों एवं संगठन पदाधिकारियों पर दर्ज मुकदमों के विरोध में 15 जुलाई को नजीबाबाद और 21 जुलाई को जिला मुख्यालय बिजनौर पर किसान उत्पीड़न पंचायत आयोजित करने की घोषणा की है। भाकियू जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान द्वारा जारी सूचना के अनुसार, नजीबाबाद स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में पिछले 13 दिनों से किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना जारी है। संगठन का आरोप है कि आंदोलन के दौरान किसानों और पदाधिकारियों पर मुकदमे दर्ज कर प्रशासन ने दमनात्मक कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई को सुबह 11 बजे पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, नजीबाबाद में तथा 21 जुलाई को सुबह 11 बजे जिला मुख्यालय बिजनौर पर किसान उत्पीड़न पंचायत आयोजित होगी। पंचायत में किसानों पर दर्ज मुकदमों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा और प्रशासन से जवाब मांगा जाएगा। साथ ही संगठन की आगामी रणनीति पर भी विचार किया जाएगा। भाकियू ने राष्ट्रीय, प्रदेश, मंडल, जिला, तहसील, ब्लॉक, महिला एवं युवा विंग के सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और किसानों से दोनों कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। संगठन का कहना है कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा और पंचायत में लिए गए निर्णयों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोवंश वध के आरोपी से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। गोवंश वध के मामले में वांछित एक आरोपी सोमवार तड़के थाना नजीबाबाद पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, गोवंश वध में प्रयुक्त उपकरण, मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद करने का दावा किया है। उसका एक साथी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार आठ जुलाई को रावनपुर निवासी अक्षय ने तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात लोग उनके घर के बाहर बंधी गाय और बछिया चोरी कर ले गए तथा उनका वध कर दिया। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की, जिसमें अब्बा उर्फ डोला और शाहरुख उर्फ पटमल निवासी ग्राम अकबराबाद, थाना कोतवाली देहात के नाम प्रकाश में आए। सोमवार तड़के पुलिस गंगनहर पटरी पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में अब्बा उर्फ डोला के पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसका साथी शाहरुख अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा, चार जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, मोबाइल फोन, गोवंश वध के उपकरण तथा घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद करने का दावा किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर निराश्रित गोवंशीय पशुओं का वध कर मांस बेचने की बात स्वीकार की है। हालांकि इसकी पुष्टि न्यायालय में होने वाली सुनवाई और आगे की जांच के बाद होगी। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

कुल्फी जोड़ कार्यक्रम में जुटे एप्पल क्लब फाउंडेशन के सदस्य, फारूक मंसूरी का हुआ सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। एप्पल क्लब फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार देर शाम नगर के मोहल्ला दरबार-ए-कला स्थित क्लब के सदर कमर नकवी के आवास पर वार्षिक ह्यकुल्फी जोड़ह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने अपने-अपने घरों से तैयार कराए गए विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन लाकर एक-दूसरे के साथ साझा किए और पारिवारिक माहौल में उनका स्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान क्लब के सदस्य एवं आजाद समाज पार्टी के नवनियुक्त अमरोहा विधानसभा अध्यक्ष फारूक मंसूरी का गुलपोशी कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर क्लब के सदर कमर नकवी ने कहा कि फारूक मंसूरी को मिली नई जिम्मेदारी क्लब के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उनके सफल एवं उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना करते हुए कहा कि क्लब के सभी सदस्य उनके साथ खड़े हैं। एप्पल क्लब फाउंडेशन के महासचिव आलम मंसूरी ने कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों ने अपने घरों से एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट व्यंजन लाकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। ऐसे आयोजन आपसी प्रेम, भाईचारे और संगठन की एकता को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर खिजर सिद्दीकी, सैयद अशरफ अली, खालिद सिद्दीकी, शहजाद खान, वसीम हसन, छोटे घोसी, अब्दुल वारिस, गुफरान सिद्दीकी, अफजल खान, दानिश सैफी, आबाद अहमद, नौशाद उर्फ चुन्ना, अनस अब्बासी, शाहजेब अहमद, कासिम खान, अहमद रजा, मोहम्मद अहमद जैदी, नदीम राईनी, अजीम एडवोकेट, फरहाल उज्जमा, फारिक अजीम, शानू, काशिफ खान, शजर, फारूक, अदनान मसरूर, तारिक चीना, फजले चौधरी, फैजी खान, राजा खान, फैज, हमजी, नबील हयात, पिंटू खान सहित एप्पल क्लब फाउंडेशन के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

कृति सेनन अपने एग्स फ्रीज करवाए...

बताया क्यों उठाया यह कदम

कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था।

कृति सेनन ने इस वजह से एग्स फ्रीज करवाए थे

कृति सेनन कहती हैं, 'मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे 'मिमी' फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।' फिल्म 'मिमि' साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बयोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है।

रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं एक्ट्रेस

कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

कृति सेनन करियर फ्रंट पर क्या रही हैं?

कृति सेनन की कुछ दिनों पहले ही फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कृति आने वाली फिल्म 'डॉन 3' में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगे आदित्य रॉय कपूर

फिल्म निर्माता भूषण कुमार और आदित्य रॉय कपूर एक बार फिर साथ आ रहे हैं। इससे पहले दोनों 'आशिकी 2' और 'मलंग' जैसी हिट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अब दोनों साथ में एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी करेंगे।

कैसा होगा आदित्य का किरदार?

आईएएनएस के अनुसार, मिलाप जावेरी और आदित्य रॉय कपूर एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। मिलाप जावेरी ने कहा कि आदित्य में प्यार और दर्द को पर्दे पर दिखाने का एक अनोखा टैलेंट है। इस फिल्म में उनका किरदार काफी गहरा और दमदार होगा, जिसे दर्शक बेहद पसंद करेंगे।

धमाकेदार एंटरटेनमेंट का वादा

'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध मिलाप जावेरी ने बताया कि इस आगामी म्यूजिकल ड्रामा लव स्टोरी में दर्शकों को जबरदस्त एक्शन, बेहतरीन डायलॉग और रोमांस दिल को छू लेगा। बहरहाल, फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसकी शूटिंग इसी साल 2026 के आखिर में शुरू होगी और यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

आदित्य रॉय कपूर का करियर

आदित्य रॉय कपूर ने एक लोकप्रिय चैनल पर एक वीडियो जॉकी के रूप में शुरू किया था। उन्होंने 2009 में फिल्मों में कदम रखा और 2019 की ब्लॉकबस्टर 'आशिकी 2' ने उन्हें रातोंरात एक रोमांटिक स्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने 'यह जवानी है दीवानी' और 'मलंग' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है। अब वह मिलाप जावेरी की म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगे।

'लॉकअप 2' के लिए फराह खान और रितेश देशमुख ने ली इतनी फीस

'लॉक अप' के दूसरे सीजन की शुरुआत से ही यह शो लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शो के कंटेस्टेंट्स और ड्रामेटिक ट्विस्ट के अलावा इस बार इसके नए होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख भी खूब चर्चा में हैं। दोनों को दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस शो को होस्ट करने के लिए ये सितारे कितनी फीस ले रहे हैं?

फराह ने चार्ज की इतनी फीस

सियासत की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान 'लॉक अप 2' को होस्ट करने के लिए हर एपिसोड के करीब 15 लाख से 25 लाख रुपये तक चार्ज कर रही हैं। हालांकि, इस रकम को लेकर अभी तक फराह खान या शो के मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

रितेश देशमुख की फीस

रितेश देशमुख की फीस को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन सियासत की रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें भी लगभग उतनी ही फीस मिल रही है जितनी उन्हें 'बिग बॉस मराठी' होस्ट करने के दौरान मिली थी। बताया जा रहा है कि वह हर एपिसोड के करीब 20 लाख से 40 लाख रुपये तक चार्ज कर सकते हैं।

युविका से तलाक की चर्चा पर बोले प्रिंस नरूला

रियलिटी टीवी पर अपने कॉन्फिडेंट अंदाज के पीछे प्रिंस नरूला एक खामोश और कमजोर कर देने वाली लड़ाई लड़ रहे थे। हाल ही में प्रिंस नरूला और उनकी पत्नी युविका चौधरी ने अपनी जिंदगी के एक मुश्किल दौर के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें महीनों तक जबरदस्त पैनिक अटैक, रातों-रात नींद न आने और लगातार डर का सामना करना पड़ा।

नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' पर बातचीत के दौरान प्रिंस नरूला ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन उन्हें खुद एंग्जायटी का सामना करना पड़ेगा। पंजाब के एक छोटे से गांव में पले-बढ़े होने के कारण, वहां मानसिक स्वास्थ्य के बारे में कोई बात नहीं करता था। पीछे मुड़कर देखने पर उन्होंने माना कि कई साल तक उन्हें इस बारे में गलतफहमी रही। उन्होंने स्वीकार किया कि वो ऐसे माहौल से आए थे, जहां कोई जानता भी नहीं था कि एंग्जायटी का क्या मतलब होता है। वे एंग्जायटी या डिप्रेशन के बारे में बात करने वाले लोगों का मजाक उड़ाते थे और उनसे कहते थे कि बस बाहर जाओ और मजे करो। हालांकि, वो चाहते थे कि हर कोई यह समझे कि यह बिल्कुल असली चीज है।

एंग्जायटी के चलते दुनिया से बना ली दूरी

प्रिंस ने याद करते हुए कहा कि जब मुझे एंग्जायटी हुई तो मेरा दिल बेकाबू होकर तेजी से धड़कने लगता था। मैं बीच ट्रैफिक में अपनी कार छोड़कर चला जाता था। दोस्तों के साथ फिल्म देखते-देखते अचानक उठकर भाग जाता था क्योंकि मुझे सांस लेने में तकलीफ होती थी। रातें सबसे मुश्किल होती थीं। मैं लगातार छह महीने तक सो नहीं पाया। मुझे अंधेरे से सचमुच डर लगने लगा था। मैंने काम करना बंद कर दिया, सबसे दूरी बना ली और दुनिया से गायब हो गया। एंग्जायटी धीरे-धीरे मेरी मानसिक और शारीरिक सेहत पर असर डालने लगी थी। मेरा कोलेस्ट्रॉल बढ़ गया था। मेरे लिवर में थकान के लक्षण दिखने लगे थे। मैं ऐसी सेहत संबंधी समस्याओं से जूझ रहा था जिनका सामना मैंने पहले कभी नहीं किया था। सबसे बुरे दौर में मैं हर दिन 18 गोलियां लेता था।

मुझे सच में लगता था कि अगर मैं सो गया, तो कभी नहीं जाग पाऊंगा। इसलिए मैं सोने से बहुत डरता था और उससे बचने की पूरी कोशिश करता था। मैं अपनी बेटी के साथ हर पल बिताना चाहता था। मैंने खुद को यकीन दिला लिया था कि मुझे दुनिया की हर बीमारी हो गई है।

पृथ्वीराज सुकुमारन की 'आई, नोबडी' का टीजर रिलीज, दमदार एक्शन और सस्पेंस की झलक

अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म 'आई, नोबडी' का रिलीज टीजर जारी कर दिया गया है। फिल्म का टीजर एक्शन, सस्पेंस और दमदार संवादों से भरपूर है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। पृथ्वीराज सुकुमारन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का रिलीज टीजर साझा करते हुए लिखा, 'जो आने वाला है, उसके लिए कोई तैयार नहीं है। रिलीज टीजर अब आउट हो चुका है। अपने टिकट अभी बुक करें। 9 जुलाई से दुनियाभर के सिनेमाघरों में।' टीजर की शुरुआत एक वॉयसओवर से होती है, जिसमें राजीवन नाम के किरदार को 'फूड चेन' का उदाहरण देकर समाज की वास्तविकता समझाई जाती है। संवाद में कहा जाता है कि टिड्डा घास खाता है, उसे मेंढक खा जाता है, मेंढक को सांप और सांप को चील। लेकिन समाज में जीवित रहने के लिए सिर्फ घास खाना काफी नहीं, बल्कि टिड्डे को मेंढक को भी खाना सीखना होगा। आखिर में कहा जाता है कि यह फैसला आपको करना होगा कि आपको किसका सिर निगलना है।

इस वॉयसओवर के साथ फिल्म के कई तेज-तर्रार एक्शन दृश्य दिखाए गए हैं। टीजर के अंत में पुलिस पृथ्वीराज के दरवाजे पर पहुंचती है और उनसे पूछती है कि वह उनके फोन कॉल क्यों नहीं उठा रहे थे। फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए सर्टिफिकेट मिल चुका है। यह फिल्म 9 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का शुभारंभ पिछले वर्ष अप्रैल में केरल के एर्नाकुलम स्थित वेलिंगटन आइलैंड में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ था। निर्देशक निसाम बशीर की इस फिल्म की कहानी और पटकथा समीर अब्दुल ने लिखी है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ पार्वती तिरुवोथु और हकीम शहजहान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का निर्माण सुप्रिया मेनन, मुकेश मेहता और सी. वी. सारथी ने पृथ्वीराज प्रोडक्शंस और ई4 एक्सपेरिमेंट्स के बैनर तले किया है। निर्माताओं के करीबी सूत्रों के अनुसार, 'आई, नोबडी' एक ऐसी सिनेमाई प्रस्तुति होगी, जिसमें रोमांच, भावनाएं और दमदार अभिनय का शानदार मेल देखने को मिलेगा।

मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं

टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेता गौरव खन्ना के साथ करीब नौ साल पुराना रिश्ता टूटने की खबर ने उनके फैंस को पहले ही हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अब एक बार फिर आकांक्षा ने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा है कि वह प्यार के मामले में खुद को बदकिस्मत मानती हैं। आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने अब इस स'चाई को स्वीकार भी कर लिया है। नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना और को-कंटेस्टेंट वरुण यादव (उर्फ लैला) के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात करती नजर आईं। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, 'मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूं और हमेशा रहूंगी। उस वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है।

उनकी यह बात सुनकर वरुण यादव ने उनसे दोबारा पूछा, 'क्या तुम सच में प्यार के मामले में बदकिस्मत हो?' इस पर आकांक्षा ने जवाब दिया, 'हां, मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं।'

गौरतलब है कि 'लॉक अप: सच या सजा' के लॉन्च के दौरान ही आकांक्षा चमोला ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह और उनके पति गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और अब दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया है। आकांक्षा के इस बयान ने शो की होस्ट फराह खान के साथ-साथ उनके फैंस को भी चौंका दिया था। आकांक्षा और गौरव खन्ना ने नवंबर 2016 में लव मैरिज की थी। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी। शादी के बाद दोनों करीब नौ साल तक साथ रहे, लेकिन हाल ही में आकांक्षा ने अपने सेपरेशन की पुष्टि कर दी। इसके बाद से उनकी निजी जिंदगी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है।

यही नहीं, पिछले हफ्ते शो के 'जजमेंट डे' एपिसोड में भी आकांक्षा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक और अहम खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह बाइसेक्शुअल हैं और गौरव खन्ना से शादी करने से पहले महिलाओं के साथ भी रिश्तों में रह चुकी हैं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी थी और कई लोगों ने उनके साहस की सराहना भी की। इन दिनों 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इसमें आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित कलाकार भी हैं।

लाला अमरनाथ पर शाहरुख संग फिल्म बनाना चाहते थे हिरानी

आमिर खान अपनी अगली फिल्म 'ललकार' में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभाने जा रहे हैं। इसी बीच फिल्म ब आमिर इस कहानी को 'ललकार' के रूप में बड़े परदे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी एक बार फिर निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ बनेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'ललकार' की कहानी 1से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर से पहले इसी विषय पर शाहरुख खान और निर्देशक राजकुमार हिरानी साथ काम करने की प्लानिंग बना चुके थे। बताया जा रहा है कि 2018 में 'जीरो' और 'संजू' की रिलीज के बाद राजकुमार हिरानी ने शाहरुख को लाला अमरनाथ की बायोपिक का आइडिया सुनाया था। हालांकि, कई कारणों से यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया। बाद में कोविड-19 महामारी के दौरान प्लानिंग्स बदल गईं और हिरानी ने शाहरुख को 'डंकी' का ऑफर दिया, जो 2023 में रिलीज हुई।

मैंने जो सबसे बड़ा सबक सीखा', 210 रुपये घंटे का आइडिया हुआ हिट

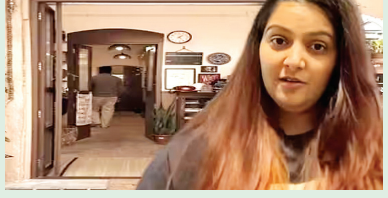

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र की वंदिता पुरोहित ने थोड़े ही समय में एक सफल बिजनेस खड़ा कर दिया है। साल 2020 में उन्होंने इस स्टार्टअप की नींव रखी थी। इसका नाम 'मौजी' है। यह एक बड़ा 'टाइम कैफे' है। यहां ग्राहक खाने-पीने के सामान के लिए नहीं, बल्कि कैफे में बिताए गए समय के हिसाब से पैसे चुकाते हैं। यह स्टार्टअप पुणे और नागपुर में अपनी पहचान बना चुका है। आज यह सालाना 2 करोड़ रुपये का रेवेन्यू जेनरेट कर रहा है। आइए, यहां वंदिता पुरोहित की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। वंदिता पुरोहित ने नागपुर यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग की है। वह एक सीरियल एंटरप्रेन्योर हैं। उन्होंने को-वर्किंग सेक्टर में काम करने के दौरान महसूस किया कि कई लोग कैफे में सिर्फ काम करने, पढ़ने या शांति से बैठने आते हैं। लेकिन, पारंपरिक कैफे में उन्हें जबरन कुछ न कुछ ऑर्डर करना पड़ता है। इसी गैप को भरने के लिए उन्होंने 2020 में अपने स्टार्टअप की शुरुआत की। यहां का मुख्य मॉडल 'पे-बाय-द-आवर' (प्रति घंटे भुगतान) है। इस 'टाइम कैफे' में 210 रुपये प्रति घंटे की शुरुआती कीमत पर ग्राहकों को हाई-स्पीड वाई-फाई, अनलिमिटेड कॉम्प्लीमेंट्री ड्रिंक्स और डीआईवाई स्नैक बार की सुविधा मिलती है। साथ ही यहां (ब्रिंग योर ओन फूड) की आजादी है यानी लोग बाहर से भी अपना खाना मंगा सकते हैं।

सफर में आईं कई अड़चनें

वंदिता ने सिर्फ 22 साल की उम्र में अपना उद्यम शुरू कर दिया था। 'मौजी' से पहले उन्होंने 2009 में आईटी कंसल्टिंग फर्म 'मिंट ट्री', 2015 में पुणे में एक को-वर्किंग स्पेस 'द दफ्तर' और बाद में ट्रैवल स्टार्टअप 'ट्रॉवर्क' और टिकाऊ फर्नीचर डिजाइन स्टूडियो 'कलापेंट्री' की सह-स्थापना की थी। पार्टनर्स के साथ मतभेद, प्रोजेक्ट बंद होने और भारी वित्तीय नुकसान जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

अडानी की झोली में गिरेगी एक और बड़ी कंपनी!

उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में मिले हैं बड़े कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की झोली में एक और कंपनी गिर सकती है। यह कंपनी स्मार्ट मीटर लगाने का काम करती है। आई स्क्वायर्ड कैपिटल इस कंपनी पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग की बिक्री की प्रक्रिया के दूसरे दौर के लिए चार-पांच बड़ी इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इनमें अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस शामिल है।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने बताया कि पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग को खरीदने की होड़ में अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के अलावा अप्रावा एनर्जी और फंड एक्टिस शामिल हैं। सूत्रों ने बताया

कि ड्यू डिलिजेंस शुरू हो चुकी है। उम्मीद की जा रही है कि अगस्त की शुरुआत तक बाइंडिंग बिड्स मिलने की उम्मीद है। इस डील में पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग की वैल्यूएशन लगभग 1,500 करोड़ हो सकती है।

किसका है निवेश

पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग रेजिडेंशियल, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल ग्राहकों के लिए स्मार्ट इलेक्ट्रिक और गैस मीटर उपलब्ध कराती है। फरवरी 2023 में अपने ढ्रुस्क ग्रोथ मार्केट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड के जरिए कंपनी में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदने के लिए 100 मिलियन डॉलर का निवेश किया था। अब वह कंपनी से बाहर निकलने पर विचार कर रही है।

अडानी एनर्जी और अप्रावा एनर्जी के प्रवक्ताओं ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया जबकि एक्टिस को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग को उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में मीटर लगाने के कॉन्ट्रैक्ट मिले हैं। कंपनी का कहना है कि वह लखनऊ और अयोध्या क्लस्टर में 51 लाख स्मार्ट मीटर लगाने का कॉन्ट्रैक्ट पूरा कर रही है। साथ ही पश्चिम बंगाल में उसे 22 लाख स्मार्ट मीटर लगाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है।

1.35 लाख करोड़ का निवेश: सरकार ने 2027 तक 25 करोड़ प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा है। इसमें करीब 1.35 लाख करोड़ के निवेश का अनुमान है। पिछले साल आई रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्मार्ट मीटर का इस्तेमाल अभी महज 5-6% है। यह जापान (100%) और अमेरिका (73%) जैसे विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। साथ ही 43% के ग्लोबल औसत से भी बहुत नीचे है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस ने स्मार्ट मीटरिंग कंपनी का 3,050 करोड़ में अधिग्रहण किया था। यह देश में स्मार्ट मीटरिंग सेक्टर की टॉप तीन कंपनियों में से एक है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और असम में इसके 22 मिलियन मीटर लगे हैं। ब्रिटेन की फंड कंपनी ने पिछले साल के साथ मिलकर एक जॉइंट वेंचर बनाया था।

कीस्टोन रियल्टर्स की जून तिमाही में बिक्री बुकिंग 42 प्रतिशत घटकर 617 करोड़ रुपए रही

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 42 प्रतिशत घटकर 617 करोड़ रुपए रह गई। कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड ने वित्त 2025-26 की समान तिमाही में मुख्य रूप से आवासीय संपत्तियों की 1,068 करोड़ रुपए की बिक्री की थी। मुंबई स्थित रियल एस्टेट कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही के लिए अपने तिमाही कारोबारी प्रदर्शन की जानकारी साझा की है। कीस्टोन रियल्टर्स ने कहा, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कोई नई परियोजना शुरू करने की योजना नहीं थी। ऐसे में बिक्री मुख्य रूप से मौजूदा परियोजनाओं की स्थिर मांग से समर्थित रही, जो खरीदारों की लगातार रुचि और कंपनी की परियोजनाओं में घर खरीदारों के भरोसे को दर्शाती है। कंपनी ने कहा कि वैश्विक स्थिति में स्थिरता से आर्थिक माहौल में सुधार आने की उम्मीद है और इससे आगामी तिमाहियों में बिक्री में तेजी आने की संभावना है। कंपनी को ग्राहकों से प्राप्त होने वाली राशि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बढ़कर 599 करोड़ रुपए हो गई।

दिवाली तक 1.75 लाख रुपये होगा सोना! अभी खरीदने का है बेस्ट टाइम

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में तीन महीने में आने वाले त्योहार और अमेरिका-ईरान के बीच फिर बढ़ते तनाव ने गोल्ड को फिर लाइमलाइट में ला दिया है। घरेलू सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का दाम 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। अगर एक्सपर्ट की माने ते दिवाली तक सोने का भाव 1.60 से 1.75 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल मार्केट में सोना 4000 डॉलर प्रति औंस पर है। ऐसे में गोल्ड ज्वैलरी खरीदने वाले और निवेशकों के मन में यही सवाल है कि क्या अभी इस भाव पर गोल्ड खरीद लें या इंतजार करें

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि दिवाली या साल के अंत तक सोने का दाम 1.75 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्तरों से सोने में

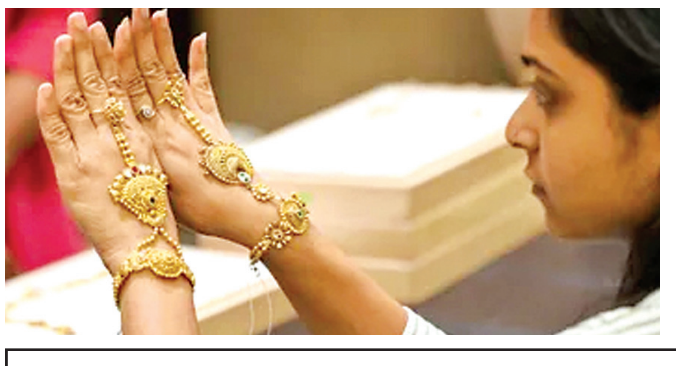

बड़ी गिरावट की संभावना कम है। अगर गिरावट आई भी तो सोने का दाम करीब 1.35 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक आ सकता है। इससे नीचे जाने की उम्मीद कम है। कम होने की इंतजार नहीं करना चाहिए। अगर ये लेवल सही लग रहा है तो निवेश करना चाहिए। ऑल बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रेजिडेंट योगेश सिंघल ने कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है।

बिहार-राजस्थान-दिल्ली में 4000 रुपये सस्ती हुई चांदी

दिल्ली के बुलियन मार्केट में एक किलोग्राम चांदी का रेट 2,18,781 रुपये पर है। यहां चांदी का दाम आज 4,019 रुपये कम हुआ है। सर्राफा बाजार में 10 ग्राम चांदी का रेट 2,187 रुपये और 100 ग्राम चांदी का भाव 21,870 रुपये है। बीते शुक्रवार को चांदी 2,029 रुपये की बढ़त के साथ 2,24,338 रुपये पर बंद हुई। यूपी की राजधानी लखनऊ में चांदी का दाम 2,21,172 रुपये है। यहां आज दाम 3,410 रुपये कम हुआ है। बीते शुक्रवार को चांदी का दाम 2,24,582 रुपये पर बंद हुआ था।बिहार की राजधानी पटना में चांदी का भाव 2,18,234 रुपये रहा। यहां आज सिल्वर 4,566 रुपये सस्ता हुआ है। पिछले हफ्ते चांदी का दाम 3,567 रुपये गिरकर 2,22,800 रुपये सस्ता हुआ था।

भारत ने चीन को छोड़ा पीछे, एक साल में जुड़े 31 हजार से ज्यादा नए करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के प्रमुख बैंक यूबीएस की ग्लोबल वल्थ रिपोर्ट 2026 के अनुसार, भारत ने 2025 में नए डॉलर करोड़पति बनाने के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल भारत में 31,033 नए अमेरिकी डॉलर करोड़पति जुड़े, जबकि चीन में यह संख्या 14,079 रही यानी भारत में नए करोड़पतियों की संख्या चीन के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा रही।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में डॉलर करोड़पतियों की संख्या में सालाना 3.4 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि चीन में यह बढ़ोतरी केवल 0.3 फीसदी रही।

हालांकि कुल करोड़पतियों की संख्या के मामले में चीन अभी भी भारत से काफी आगे है। चीन में करीब 53 लाख डॉलर करोड़पति हैं, जबकि भारत में यह संख्या लगभग 9.44 लाख है। इसके बावजूद संपत्ति बढ़ने की रफ्तार में भारत ने मजबूत प्रदर्शन किया है।

यूबीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 के बाद भारत में औसत संपत्ति में करीब 20 फीसदी का उछाल आया है। आर्थिक विकास, शेयर बाजार में बढ़ती भागीदारी और संपत्ति के नए स्रोतों ने भारतीयों की कुल संपत्ति बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। की संपत्ति का बड़ा हिस्सा अभी भी रियल एस्टेट और सोने में निवेश किया जाता है। भारतीय परिवारों की कुल संपत्ति में जमीन और सोने की हिस्सेदारी काफी ज्यादा है। यूबीएस के मुख्य अर्थशास्त्री पॉल डोनोवन के अनुसार, कई देशों में लोग अपनी संपत्ति की तुलना दूसरों से करते हैं। इसी वजह से पर्याप्त संपत्ति होने के बावजूद कई लोग खुद को अमीर महसूस नहीं कर पाते। रिपोर्ट बताती है कि भारत में संपत्ति निर्माण की रफ्तार तेज हुई है, लेकिन निवेश की आदतों और आय असमानता जैसे मुद्दे अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

टीसीएस के शेयरों में 6% की तेजी, क्यू1 रिजल्ट के बाद बड़ी उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की दिग्गज आईटी कंपनी टीसीएस के शेयरों की कीमतों में आज 4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी ने पिछले हफ्ते तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। साथ ही रविवार को कंपनी की तरफ से बड़ स्तर पर रिस्ट्रक्चरिंग की भी जानकारी दी थी। बता दें, टीसीएस के शेयर आज सोमवार बीएसई में 2069.15 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत की तेजी के साथ 2199.15 रुपये के स्तर तक पहुंच गया था।

कंपनी ने किया रिस्ट्रक्चरिंग

टीसीएस ने रविवार को तीन साल में अपने लीडरशिप में सबसे बड़े बदलाव की घोषणा की है। कई टॉप रोल में रिस्ट्रक्चरिंग की गई है। यह बदलाव कंपनी ने बीएफएसआई, साइबसिक्योरिटी, कम्युनिकेशंस एंड मीडिया, एनर्जी रिसोर्सेस एंड यूनिलिटी, ट्रैवेल, यूएस वेस्ट कोस्ट बिजनेस ग्रुप में किया गया है।

10 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर को कमर्शियल बनाने की तैयारी में तेल कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के दौरान पश्चिम एशिया से तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो गई थी। इस कारण सिलेंडर को लेकर काफी मारामारी चल रही थी। हाल के दिनों में स्थिति कुछ सामान्य हुई है लेकिन पश्चिम एशिया में फिर तनाव के कारण एक बार फिर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने लगी है। इस बीच सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हल्के 10 किलो वाले सिलेंडर का इस्तेमाल घरेलू ग्राहकों से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही हैं।

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगर इस योजना को मंजूरी मिलती है, तो ये सिलेंडर कमर्शियल एलपीजी के रेट पर बेचे जा सकते हैं। अभी ये सिलेंडर घरेलू यूजर्स तक ही सीमित हैं। एचपीसीएल का 10 किलो सिलेंडर का ब्रांड है जबकि इंडियन ऑयल और बीपीसीएल के नाम से यह सिलेंडर बेचती है। सरकारी तेल कंपनियां अभी 19 किलो, 5 किलो और 2 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर बेचती हैं।

कमर्शियल एलपीजी की कीमत घरेलू कुकिंग गैस से लगभग 133% ज्यादा होती है। मसलन दिल्ली में 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर की कीमत 942 है जबकि 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 2,930 में और 5 किलो वाला

छोटू सिलेंडर 808.5 में मिलता है। 19 किलो वाले सिलेंडर को हलवाई सिलेंडर भी कहा जाता है जबकि 5 किलो वाला सिलेंडर प्रवासी मजदूर, छात्र और रेहड़ी-पटरी वाले करते हैं।

अगर 10 किलो के सिलेंडर को कमर्शियल कीमत पर बेचने की अनुमति मिलती है तो प्रवासी मजदूरों, किराएदारों, छात्रों, स्ट्रीट वेंडर्स, कैफे और फूड कियोस्क को इसका फायदा हो सकता है। जिन्हें की ज़रूरत तो है लेकिन बड़े 19-ग्रद्द कमर्शियल सिलेंडर रखने के लिए जगह नहीं है। हाई-डेंसिटी पॉलीएथिलीन बेस्ड ये कम्पोजिट सिलेंडर गैस एजेंसियों और चुनिंदा रिटेल आउटलेट्स के जरिए बेचे जा सकते हैं। परंपरागत सिलेंडर के उलट, इन्हें ऊपरी मंजिलों तक ले जाना आसान है। इनकी बॉडी ट्रांसपेरेंट है जिससे ग्राहकों को पता चल जाता है कि सिलेंडर में कितनी गैस है।

जुलाई में पैसों की बरसात! 10 दिनों में विदेशी निवेशकों ने झोंके 24,662 करोड़

मार्च-मई में निकाले थे 24 अरब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर है। महीनों तक लगातार बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ने भारतीय बाजार में पैसा लगाना शुरू कर दिया है। जुलाई में वे नेट खरीदार बन गए हैं और महीने के पहले 10 दिनों में उन्होंने भारतीय बाजार में 2.59 अरब (24,662 करोड़) का निवेश किया है। जून में भारतीय डेट में दिलचस्पी दिखाने वाले विदेशी निवेशकों ने जुलाई में इक्विटी में भी अपनी दिलचस्पी बढ़ाई है। निवेश के ट्रेंड में बदलाव के कारण ऐसा हुआ है। सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में हाल में आई गिरावट के कारण ऐसा हो रहा है। इस बदलाव ने साल की शुरुआत के माहौल को पूरी तरह बदल दिया है। तब विदेशकों ने भारतीय बाजार में भारी बिकवाली की थी। उस समय वैल्यूएशन, ग्लोबल अनिश्चितता और कैपिटल फ्लो में बदलाव की चिंताओं के कारण लगातार निकासी हो रही थी।

सरकार की पहल

सरकार ने भी विदेशी निवेशकों को कई तरह की राहत दी हैं। सरकार और आरबीआई के सॉवरेन बॉन्ड तक पहुंच आसान बनाने और टैक्स की अड़चनें हटाने के बाद जून में विदेशी निवेश मुख्य रूप से डेट में आया था। लेकिन जुलाई में इक्विटी को भी पसंद किया जा रहा है। जुलाई में आए कुल निवेश में इक्विटी निवेश 1.6 अरब यानी 61% से ज्यादा है। इस दौरान सुलभ रूट के जरिए 697 मिलियन और सामान्य सीमा के तहत डेट में 340 मिलियन का निवेश हुआ। इससे पहले मार्च और मई के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 24 अरब से ज्यादी की निकासी की। मार्च में रेकॉर्ड 13.6 अरब की निकासी हुई थी। हालांकि जून में 531 मिलियन के नेट निवेश के साथ थोड़ी रिकवरी दिखी। लेकिन जुलाई ने उस ट्रेंड को और मजबूत किया है। 1 जुलाई से 10 जुलाई के बीच हर ट्रेडिंग सेशन में पॉजिटिव नेट निवेश दर्ज किया गया। इस दौरान 9 जुलाई को एक ही दिन में लगभग 978 मिलियन का निवेश हुआ।

डॉ. युगल किशोर मिश्रा द्वारा 25,000 सफल हृदय सर्जरी का कीर्तिमान पूरा करने पर सम्मानित

भोपाल। विश्व स्तरीय हृदय देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, मणिपाल हॉस्पिटल्स ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंसेज के चेयरमैन, डॉ. युगल किशोर मिश्रा को 25,000 सफल हृदय सर्जरी पूरी करने पर सम्मानित किया गया। भोपाल में आयोजित इस समारोह में मध्य प्रदेश सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। डॉ. मिश्रा को बधाई देते हुए मध्य प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा, डॉ. युगल किशोर मिश्रा का 25,000 सफल सर्जरी का कीर्तिमान न केवल भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक गर्व का विषय है, बल्कि यह चिकित्सा जगत में एक बड़ी उपलब्धि है। उनके काम ने कार्डियक केयर की दिशा को बदल दिया है और अनगिनत लोगों को जीवनदान दिया है। इस शानदार उपलब्धि के लिए डॉ. मिश्रा और एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल की पूरी टीम को मेरी ओर से हार्दिक बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं। मणिपाल हॉस्पिटल्स अपनी अत्याधुनिक तकनीक, विशेषज्ञों की टीम और मरीज-केंद्रित सेवा के माध्यम से हृदय रोगों के इलाज में नए मानक स्थापित कर रहा है और हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। इस अवसर पर चिकित्सा जगत के कई वरिष्ठ चिकित्सक और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, द्वारका के मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंसेज के चेयरमैन, डॉ. युगल किशोर मिश्रा ने कहा, भारत में होने वाली कुल मौतों में से लगभग एक-तिहाई मौतें हृदय संबंधी बीमारियों के कारण होती हैं, इसलिए समय पर निदान और उन्नत उपचार आज बेहद जरूरी है। 25,000 सर्जरी का यह आंकड़ा उन हजारों मरीजों और उनके परिवारों के भरोसे को दर्शाता है, जो उन्होंने हम पर जताया है। यह सफलता मेरी पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का नतीजा है, जो मरीजों को बेहतर जीवन देने के लक्ष्य के साथ काम करती है।

एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने 902 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया

मुंबई, एजेंसी। एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड (एलटीएफ), भारत की अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक, ने 30 जून 2026 को समाप्त पहली तिमाही के लिए 902 करोड़ रुपये का समेकित कर पश्चात लाभ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 29 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि के दौरान एलटीएफ की समेकित बुक 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,29,634 करोड़ रुपये तक पहुँच गई, जो कंपनी का अब तक का सर्वाधिक स्तर है।

वित्तीय परिणामों पर टिप्पणी करते हुए एलएंडटी फाइनेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री सुदीप्तारॉयने कहा, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में भी हमने बदलते मैक्रोइकोनॉमिक माहौल–जिसमें भू-राजनीतिक अनिश्चितताएँ, महँगाई का दबाव और ऊँची उधार लागत शामिल हैं–के बीच अनुशासित निष्पादन पर ही ध्यान केंद्रित रखा। इन बाहरी चुनौतियों के बावजूद हमारी विविध रिटेल फ्रैंचाइज़ी ने मजबूती दिखाई और 'लक्ष्य 31' स्ट्रेटेजिक प्लान के अनुरूप मजबूत बिजनेस मोमेंटम और स्वस्थ बुक ग्रोथ दर्ज की। तिमाही के दौरान रिटेल बुक का आकार 1,27,535 करोड़ रुपये रहा, जिसमें सालाना 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने 30 जून 2026 को समाप्त पहली तिमाही के लिए 23,852 करोड़ रुपये का मजबूत रिटेल वितरण दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 36 प्रतिशत अधिक है। एलटीएफ खुद को एआई-नेटिव ऋणदाता में बदलने के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग को लगातार तेज कर रही है। कंपनी का ग्राहक-उन्मुख 'प्लैनेट' ऐप ग्राहकों के लिए एक सशक्त डिजिटल चैनल के रूप में उभरा है। 30 जून 2026 तक इस ऐप के 2.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं, जिनमें से 20 लाख से अधिक ग्राहक ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। इसी तारीख तक इस चैनल के माध्यम से 14 करोड़ से अधिक रिक्वेस्ट सर्विस की गई हैं, 11,500 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन हुआ है।

हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने छोड़ा सीएसके का साथ

18 साल बाद अलग हुए, कहा- टीम हमेशा दिल के करीब रहेगी, 5 आईपीएल टाइटल जिताए

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और उसके हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल पुराना साथ खत्म हो गया। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को सोशल पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। सीएसके ने एक्स पर लिखा- 'हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने आईपीएल इतिहास की सबसे सफल और लंबे समय तक चलने वाली पार्टनरशिप में से एक को साझा किया है। आपने जो विरासत बनाई है, वह हमें प्रेरित करती रहेगी। बेहद सम्मान और आभार के साथ, धन्यवाद स्टीफन।' न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग आईपीएल के पहले सीजन में बतौर खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। 2009 में उन्होंने कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली और 2010 में पहला टाइटल जिता दिया।

फ्लेमिंग ने कहा-18 साल खेल में एक पूरी जिंदगी के बराबर होते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया समय मेरे कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा। हमने साथ मिलकर यादगार जीत हासिल कीं। मुश्किल दौर देखे और ऐसी यादें बनाईं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। ष्टस्य हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मैं आगे भी टीम को सपोर्ट करता रहूंगा।

आईपीएल के सबसे सफल कोच हैं फ्लेमिंग

फ्लेमिंग की रणनीति, शांत नेतृत्व और खिलाड़ियों पर भरोसा सीएसके की पहचान बन गया। उनकी और एमएस धोनी की जोड़ी को आईपीएल इतिहास की सबसे सफल कोच-कप्तान जोड़ियों में गिना जाता है।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता

● ज्वेरेव को चार सेट में हराया; युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैच देखने पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए। 24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की। चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब 42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

यह 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल, इस साल पहला

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

स्मृति मंधाना का लॉर्ड्स में चला बल्ला

● लगाया दूसरा अर्धशतक; दूसरी पारी में भी शतक लगाने से चूकीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज की दूसरी पारी में भी अपने बल्ले का दम दिखाया और इस बार भी वो शतक लगाने से चूक गईं। स्मृति मंधाना पहली पारी में भी शतक के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन वो लॉर्ड्स में शतक नहीं लगा पाईं। दूसरी पारी में भी उनके पास मौका था जो उनके हाथ से निकल गया। हालांकि मंधाना टेस्ट क्रिकेट में दोनों पारियों में 70 रन ये उससे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

भारत ने लॉर्ड्स का पहला महिला टेस्ट जीता

इंग्लैंड को 270 रन से हराया, यस्तिका का शतक, मंधाना ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारत ने इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया था, लेकिन चौथे दिन टीम दूसरी पारी में 186 रन पर सिमट गई। भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की टीम 170 रन पर ऑलआउट हो गई और भारत को 115 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में भारत ने 341/7 पर घोषित कर इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया। दूसरी पारी में यस्तिका भाटिया ने 113 रन की पारी खेली। वहीं स्मृति मंधाना ने 70 रन बनाए। स्मृति ने पहली पारी में भी 83 रन बनाए थे। ऋचा घोष ने भी नाबाद 50 रन बनाकर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

पहली पारी में क्रांति ने 5 विकेट लिए - इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शेफाली वर्मा बिना खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की पारियों से भारत ने 285 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फिलर ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। क्रांति गौड़ ने 5 विकेट झटके। सयाली सतघारे और स्नेह राणा ने 2-2 विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा को एक सफलता मिली। एमी जोन्स ने 52 और कप्तान नेट सिवर-ब्रंट ने 44 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके।

यस्तिका ने रचा इतिहास, भारत ने मैच पर कब्जा जमाया - 115 रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी खेलने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने 88 रन की शुरुआत दी। इसके बाद यस्तिका भाटिया ने जिम्मेदारी संभालते हुए 113 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने स्मृति के साथ 73 और दीप्ति शर्मा के साथ 52 रन की साझेदारी की। ऋचा घोष ने नाबाद 50 और सयाली सतघारे ने नाबाद 18 रन बनाकर भारत को 341/7 तक पहुंचाया। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने 5 विकेट लिए, लेकिन भारत ने 456 रन की बढ़त हासिल कर ली।

चौथे दिन भारतीय स्पिनरों ने खत्म किया मुकाबला - 457 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टैमी ब्यूमोंट, माया बुशियर, हीदर नाइट और कप्तान नेट-ब्रंट जल्दी आउट हो गईं। एमी जोन्स ने 54 और सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड ज्यादा देर टिक नहीं सका। स्नेह राणा ने 4 विकेट लिए। सयाली सतघारे, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड की पूरी टीम 186 रन पर सिमट गई और भारत ने मुकाबला 270 रन से जीत लिया।

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच

एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और लैंगर के नाम पर भी चर्चा; मैकुलम को हटाया

लंदन (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हैं। ब्रेंडन मैकुलम के पद छोड़ने के बाद ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) पॉसिबल कैंडीडेट्स के नाम पर विचार कर रहा है, जिसमें द्रविड़ का नाम भी है।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ उन चुनिंदा कैंडीडेट्स में शामिल हैं, जिन पर ईसीबी विचार कर रहा है। इस लिस्ट में एंडी फ्लावर, एंड्रयू फ्लिंटॉफ और जस्टिन लैंगर जैसे नाम शामिल हैं। एक दिन पहले रविवार 12 जुलाई को ईसीबी ने मैकुलम को टेस्ट कोच के पद हटाने की जानकारी दी।

द्रविड़ की कोचिंग स्ट्राइल बनी बड़ी ताकत - द्रविड़ की प्लांड कोचिंग, खिलाड़ियों को विकसित करने की क्षमता और लंबे समय की सोच उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। 53 साल द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी। भारत की अंडर-19 और ए टीम के साथ उनका काम भी काफी सराहा गया है।

फुल-टाइम कोचिंग के इच्छुक नहीं हैं द्रविड़ - रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि द्रविड़ फुलटाइम कोचिंग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच बनने पर उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा। इसलिए ईसीबी कम से कम उनकी रुचि जरूर जानना चाहेगा।

● एंडी फ्लावर सबसे मजबूत दावेदार - पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान एंडी फ्लावर भी इस पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में इंग्लैंड ने तीन एशेज सीरीज जीती थीं। साथ ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं। ईसीबी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नए टेस्ट मुख्य कोच की नियुक्ति करना चाहता है।

फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप

सेमीफाइनल में 35 साल बाद सभी पूर्व चैंपियंस

अर्जेंटीना-इंग्लैंड की 40 साल पुरानी राइवलरी, एम्बाप्पे का फ्रांस यमाल के स्पेन से खेलेगा

अटलांटा (एजेंसी)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। फुटबॉल की चार दिग्गज टीमें- अर्जेंटीना, इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन ने टॉप-4 में प्रवेश किया है। 1990 के बाद यह पहला मौका है, जब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में सिर्फ पूर्व चैंपियन टीमें पहुंची हैं। एक खास बात और है, ये चारों टीमें फीफा रैंकिंग में टॉप-4 में शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब रैंकिंग की टॉप-4 टीमों सेमीफाइनल में पहुंची हैं और खिताब से सिर्फ दो जीत दूर हैं। मंगलवार को किलियन एम्बाप्पे की फ्रांस और लामिन यमाल के स्पेन आमने-सामने होंगे, जबकि बुधवार को लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना और हैरी केन की इंग्लैंड के बीच मैच खेला जाएगा।

अर्जेंटीना - इंग्लैंड - अर्जेंटीना और इंग्लैंड की भिड़ंत सिर्फ फुटबॉल तक सीमित नहीं रही है। 1982 के फॉकलैंड युद्ध से लेकर वर्ल्ड कप के कई विवादित मुकाबलों तक दोनों देशों की राइवलरी काफी पुरानी है।1986 वर्ल्ड कप में डिएगो माराडोना के चर्चित हैंड ऑफ गॉड गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराया था। 1998 में डेविड बेकहम को रेड कार्ड मिला और अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की।2002 में बेकहम ने पेनल्टी गोल कर इंग्लैंड को जीत दिलाई थी। अब मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरा खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा।

स्पेन - फ्रांस - दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस और स्पेन की टक्कर होगी। दोनों टीमें 2 साल पहले यूरोपीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी भिड़ी थीं, जहां स्पेन ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, माइकल ओलिसे और डिजिरे डुए जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि स्पेन की उम्मीदें युवा स्टार लामिन यामाल और मिडफील्डर मिकेल मेरिनो पर टिकी होंगी। मेरिनो ने लगातार दो नॉकआउट मुकाबलों में निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिलाई है।

मेसी के पास इतिहास रचने का मौका - 39 साल लियोनेल मेसी अपने करियर का आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उनके नाम विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा 21 गोल हैं।अगर मेसी अर्जेंटीना को लगातार दूसरा वर्ल्ड कप दिलाने में सफल रहते हैं, तो वह डिएगो माराडोना के बराबर नहीं, बल्कि उनसे भी आगे निकल जाएंगे।अर्जेंटीना अगर खिताब जीतता है तो वह 1962 के बाद लगातार दो वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ब्राजील और इटली यह कारनामा कर चुके हैं।

अदिति अशोक एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 56वें स्थान पर पहुंची

एवियन ले बेंस (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां 2026 आमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहीं।

दक्षिण कोरिया की हेइ रेन रयु ने पहले प्ले ऑफ में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं। दो हफ्ते पहले 2026 केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले रयु ने प्ले ऑफ में कनाडा की ब्रूक हेंडरसन को पछाड़ा। रयु ने इसी गोल्फ कोर्स पर 2015 में आमुंडी एवियन जूनियर्स कप भी जीता था।

ब्रेंडन मैकुलम की बर्खास्तगी पर भड़की इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स, ईसीबी को लगाई फटकार

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे ऐतिहासिक महिला टेस्ट के दौरान इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा ब्रेंडन मैकुलम को पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाने की घोषणा विवादों में आ गई है। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स हार्टले ने इस फैसले के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे महिला क्रिकेट के इस ऐतिहासिक मुकाबले की अहमियत कम हो गई।

ऐतिहासिक मैच से हट गया सबका ध्यान - एलेक्स हार्टले ने कहा कि लॉर्ड्स में खेला जा रहा यह मुकाबला महिला क्रिकेट के इतिहास का बेहद खास पल है। ऐसे समय में मैकुलम की विदाई का ऐलान करना समझदारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि ईसीबी चाहती तो इस घोषणा को टेस्ट खत्म होने तक टाल सकती थी। उनके मुताबिक इससे क्रिकेट जगत और प्रशंसकों का पूरा ध्यान महिला टेस्ट से हट गया।

ईसीबी की मंशा पर भी उठाए सवाल - हार्टले ने बोर्ड की महिला क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर ईसीबी वास्तव में महिला क्रिकेट का सम्मान और विकास चाहता है तो उसे केवल बयान देने के बजाय अपने फैसलों से भी यह दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, इस फैसले का कोई मतलब नहीं बनता। मंगलवार तक इंतजार किया जा सकता था। इंग्लैंड भले ही यह टेस्ट जीतने की स्थिति में नहीं है, लेकिन मैच अभी खत्म नहीं हुआ है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक मुकाबला है।

सिर्फ बातें नहीं, काम से दिखाइए सम्मान - हार्टले ने माना कि मंगलवार से इंग्लैंड पुरुष टीम को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है, इसलिए ईसीबी घोषणा जल्द करना चाहता था। लेकिन उनके मुताबिक महिला क्रिकेट के लिहाज से यह टेस्ट उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, अगर आप कहते हैं कि महिला क्रिकेट का सम्मान करते हैं और उसे आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो सिर्फ बातें मत कीजिए। इस खबर को सोमवार शाम या मंगलवार सुबह तक रोका जा सकता था।

यूपी टी20 सीजन चार का शेड्यूल आया सामने, पहली बार दो शहरों में होस्ट की जाएगी लीग

कानपुर (एजेंसी)। यूपी टी20 लीग (यूपी टी 20 सीजन 4) 14 अगस्त से 6 सितंबर तक होगी। 24 दिन के इस टूर्नामेंट में 34 मैच होंगे, जिसमें 13 डबल हेडर मैचडे और 8 सिंगल-हेडर मैचडे शामिल हैं, ऑर्गनाइजर ने रविवार को यह घोषणा की। लीग के इतिहास में पहली बार यूपी टी20 को 2 शहरों में होस्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट का पहला फेज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जहां 13 मैचडे में 22 मैच होंगे।

दूसरा फेज ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में शिफ्ट होगा, जहां 11 मैचडे में बाकी 12 मैच होस्ट किए जाएंगे। यूपी टी20 सीजन 4 की ओपनिंग सेरेमनी और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि कानपुर में फाइनल और क्लोजिंग सेरेमनी होगी, जिससे टूर्नामेंट का शानदार समापन होगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल की रविवार को मीटिंग हुई और यूपी टी 20 लीग के चौथे एडिशन के आयोजन से जुड़े कई खास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इस मौके पर, यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, राजीव शुक्ला का खेलों के विकास के लिए लगातार गाइडेंस, सपोर्ट और कमिटमेंट के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया। गवर्निंग काउंसिल ने टूर्नामेंट के शेड्यूल, जगहों, प्लेयर ऑक्शन, टूर्नामेंट ऑपरेशन, टैलेंट डेवलपमेंट और कॉम्पिटिशन की दूसरी खास बातों पर भी डिटेल में बातचीत की।

यूपी टी20 सीजन 4 का मिनी ऑक्शन 24 जुलाई को आगरा में होगा, जिसमें लीग की छह फ्रेंचाइजी में 45 प्लेयर स्लॉट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी, प्लेयर सिलेक्शन प्रोसेस, कैचमेंट एरिया ट्रायल्स, सपोर्ट स्टाफ सिलेक्शन गाइडलाइंस और मिनी ऑक्शन रेगुलेशन को मंजूरी दी, जिससे पूरे टूर्नामेंट में ट्रांसपेरेंसी, फेयरनेस और हाई प्रोफेशनल स्टैंडर्ड सुनिश्चित होंगे। लोकल टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए, कैचमेंट एरिया मॉडल लागू रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के उभरते हुए क्रिकेटरों को अपनी स्किल्स दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यूपी टी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। लीग का पॉपुलर ऑफिशियल एंथम, खिलाड़ी यहां बनता है (चैंपियंस यहां बनते हैं), इस सीजन में भी जारी रहेगा। शानदार परफॉर्मेंस को इनाम देने के लिए लीग ने कुल 3 करोड़ रुपए का प्राइज पूल रखा है। चैंपियन को 1 करोड़ रुपए, रनर-अप को 60 लाख रुपए मिलेंगे जबकि दूसरी टॉप परफॉर्म करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को भी आकर्षक कैश अवॉर्ड मिलेंगे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

अगर मेरी सलाह मान ली होती तो पीएम होते', रामदास आठवले ने दिया शरद पवार को एनडीए में आने का न्योता

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शरद पवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने का केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने खुला आमंत्रण दिया है। आठवले ने कहा कि पवार के लंबे राजनीतिक अनुभव का फायदा देश और महाराष्ट्र की राजनीति को मिल सकता है। रामदास आठवले ने कहा कि शरद पवार देश के वरिष्ठ और अनुभवी राजनेताओं में से एक हैं। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अगर पवार इच्छुक हों और साथ आते हैं, तो इसका फायदा सरकार और देश के विकास कार्यों को मिल सकता है। आठवले ने अपने पुराने राजनीतिक संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जब हम पवार साहब के साथ थे, तब मैंने उन्हें कांग्रेस में विलय करने की सलाह दी थी। अगर उन्होंने वह सलाह मान ली होती, तो शायद वह देश के प्रधानमंत्री बन गए होते।' शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) फिलहाल विपक्ष की राजनीति में सक्रिय है। महाराष्ट्र में महाविकास आघाडी के माध्यम से शरद पवार भाजपा और महायुति के खिलाफ अपनी राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे समय में रामदास आठवले के इस बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, शरद पवार या उनकी पार्टी की ओर से रामदास आठवले के इस आमंत्रण पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच आठवले के इस बयान पर राजनीतिक गलियारों की नजर बनी हुई है।

गोवा में पत्नी के साथ मिलकर 83 साल के पिता को बेरहमी से पीटने वाला बेटा गिरफ्तार

पणजी, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक 83 वर्षीय बुजुर्ग के साथ घर के अंदर कथित तौर पर मारपीट करने का खौफनाक वीडियो सामने आया है। इस घटना के संज्ञान में आने के बाद गोवा पुलिस ने बुजुर्ग के बेटे और बहू के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वायरल वीडियो में कथित तौर पर आरोपियों द्वारा बुजुर्ग को थप्पड़ मारते, चप्पलों से पीटते और धमकाते हुए देखा जा सकता है। कोलवा पुलिस ने शुक्रवार शाम को अपने पिता लोयोला सूजा के साथ कथित तौर पर बेरहमी से मारपीट करने के आरोप में बेतालबतीम के इसिडोरियो सूजा को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी भारतीय न्याय संहिता और माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के विभिन्न प्रावधानों के तहत की गई है। पुलिस ने बताया कि इसिडोरियो की पत्नी आइरीन गोसाल्वेस पर भी इसी अपराध के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए केस दर्ज होने के समय उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया। कुनकोलिम के रहने वाले क्रिस्टोटोमो मारियानो सोरेस द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उन्होंने सोशल मीडिया पर यह वीडियो देखा था। सोरेस ने बताया कि वीडियो में एक महिला और एक पुरुष 83 वर्षीय लोयोला सूजा के साथ शारीरिक रूप से मारपीट करते नजर आ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पुलिस का दरवाजा खटखटाया। शिकायत के मुताबिक, वीडियो क्लिप में कथित तौर पर आइरीन को लोयोला को थप्पड़ मारते और बाद में चप्पलों से पीटते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद, इसिडोरियो भी कथित तौर पर इस वरिष्ठ नागरिक को थप्पड़ और मुक्कों से मारता हुआ दिखाई देता है। शिकायतकर्ता सोरेस ने कहा कि विलप में इसिडोरियो और आइरीन दोनों बुजुर्ग व्यक्ति को गाली देते, धमकाते और अपमानित करते हुए साफ सुनाई दे रहे हैं। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि वीडियो देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि बुजुर्ग लोयोला को स्वतंत्र रूप से घूमने या घर से बाहर जाने से रोका गया था। शिकायत के अनुसार, वीडियो प्रथम दृष्टया न केवल शारीरिक हमले का, बल्कि गलत तरीके से रोकने, बंधक बनाने और आपराधिक धमकी का भी खुलासा करता है। शिकायत के आधार पर कोलवा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

रासायनिक खेती छोड़ प्राकृतिक खेती अपना रहे किसान

कई फसलों पर मिल रहा है एमएसपी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में खेती अब प्राकृतिक खेती किसानों की आय बढ़ाने का मजबूत माध्यम बनती जा रही है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। रासायनिक खेती से दूरी और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते कदमों के बीच सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के जरिए किसानों को ऐसा भरोसा दिया है, जिसकी देशभर में चर्चा हो रही है। यही वजह है कि हर साल प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों की संख्या बढ़ रही है और खेतों से निकलने वाली उपज अब पहले से कहीं अधिक कीमत पर बिक रही है।

प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक खेती को किसानों की आर्थिक समृद्धि, बेहतर स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए व्यापक अभियान का रूप दिया है। वहीं, हिमाचल देश का पहला राज्य बन गया है, जहां प्राकृतिक खेती से तैयार फसलों की सरकारी खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। सरकार अब प्राकृतिक गेहूं 80 रुपये प्रति किलो, मक्की 50 रुपये, कच्ची हल्दी 150 रुपये, पांगी घाटी की जौ 80 रुपये और अदरक 30 रुपये प्रति किलो की दर से खरीद रही है। इससे किसानों को बाजार में बेहतर दाम मिलने की गारंटी मिली है। प्राकृतिक खेती पर मिल रहे एमएसपी के कारण प्रदेश में वर्तमान समय में किसानों और खेती के क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है। सरकार के ताजा आंकड़ों के अनुसार 2026 में 2.56 लाख से अधिक किसान प्राकृतिक खेती से जुड़े हैं। 2024 में आंकड़ा 1 लाख 98 हजार के करीब था, जबकि 2025 में ये 2 लाख 22 हजार 893 तक पहुंच गया था। इसके साथ प्राकृतिक खेती का क्षेत्रफल भी बढ़ा है। 2018 में प्राकृतिक खेती की शुरुआत हुई थी। उस दौरान 628 हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती होती थी। पिछले साल ये 38 हजार 437 हेक्टेयर था। इस साल ये क्षेत्रफल बढ़कर 44,785 हेक्टेयर हो गया है। 2030 तक हिमाचल में सरकार ने रसायन मुक्त खेती का लक्ष्य रखा है। हिमाचल प्रदेश में हुए प्राकृतिक खेती की शुरुआत पहले ही साल में 628 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती की तकनीक

से फसल तैयार की गई। इसके बाद धीरे-धीरे किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ते गए। इस वजह से आज प्रदेश में साढ़े तीन हजार से ज्यादा पंचायतों में 3.06 लाख से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें 2.56 लाख किसान रासायनिक खेती को छोड़कर44,785 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक तकनीक से विभिन्न फसलें उगा रहे हैं। वहीं, प्राकृतिक उत्पादों की बिक्री में पारदर्शिता लाने को लेकर सरकार ने स्व-प्रमाणन प्रणाली सर्टिफाइड इवैल्यूएशन टूल फॉर एग्रीकल्चर रिसोर्स एनालिसिस नेचुरल फार्मिंग (सीईटीएआरए-एनएफ) शुरू की है, जिसके तहत 1,96,892 किसानों को सितारा सर्टिफिकेट से प्रमाणित किया जा चुका है।

पिछले वर्ष की तुलना में इस बार प्राकृतिक गेहूं की खरीद और इसे बेचने वाले किसानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, जनजातीय क्षेत्रों के पारंपरिक प्राकृतिक उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है। चंबा जिले के पांगी उपमंडल को राज्य का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित किया जा चुका है, जबकि बड़ा भंगाल क्षेत्र को प्राकृतिक खेती पंचायत बनाने और वहां के प्रसिद्ध राजमाह को जीआई टैग दिलाने की कवायद भी शुरू कर दी गई है।

कृषि विभाग में अलग मार्केटिंग विंग स्थापित करने की तैयारी चल रही है। इसके साथ ही, हमीरपुर में 8.64 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अत्याधुनिक राज्य अवशेष परीक्षण प्रयोगशाला प्राकृतिक उत्पादों की गुणवत्ता और प्रमाणिकता की वैज्ञानिक जांच सुनिश्चित करेगी। सरकार का दावा है कि इन पहलों से हिमाचल का प्राकृतिक खेती मॉडल देश के लिए नई मिसाल बनेगा।

3 लाख की एडवांस पेमेंट, मुंबई तक स्पेशल कोच... चलती ट्रेन में पूजा का वीडियो वायरल होने पर रेलवे ने दी सफाई

मुंबई, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक चलती ट्रेन के डिब्बे के अंदर पूजा-अर्चना का एक वीडियो तेजी वायरल हो रहा। वीडियो में एक पुजारी ट्रेन की फर्श पर बैठकर पूजा-अनुष्ठान करते हुए दिख रहे हैं और उनके साथ सफेद वस्त्र पहने कई श्रद्धालु भी मौजूद हैं। यह अनुष्ठान चलती ट्रेन के भीतर किया गया, वीडियो वायरल होने के बाद इसने नया विवाद खड़ा कर दिया है। अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या ट्रेन के डिब्बों के अंदर धार्मिक समारोह आयोजित करने की अनुमति है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद इस पर संज्ञान लेते हुए उत्तरी रेलवे ने स्पष्टीकरण जारी किया है। एक्स अकाउंट ने जवाब मांगने वाले एक पोस्ट का उत्तर देते हुए कहा कि पूजा एक विशेष सैलून कार के अंदर हुई थी। रेलवे के मुताबिक, यह पूजा किसी सामान्य यात्री कोच में नहीं, बल्कि छ्रमोछ्रह के माध्यम से 3 लाख रुपये से अधिक में बुक की गई एक निजी 'सैलून कार' के अंदर हुई थी। उत्तरी रेलवे के एक्स अकाउंट ने स्पष्ट किया, 'सीआरडी द्वारा 8 जुलाई 2026 को सैलून कार बुक

की गई थी। पार्टी ने वाणिज्यिक बुकिंग के रूप में 3,08,580 का अग्रिम भुगतान किया था। सैलून कार को 10 जुलाई 2026 को नई दिल्ली से मुंबई तक एकतरफा यात्रा के लिए ट्रेन संख्या 12926 पश्चिम एक्सप्रेस में जोड़ा जाना था।' रेलवे ने साफ किया कि वीडियो में अभिषेक करते हुए दिखाई देने वाला पुजारी एक निजी पार्टी द्वारा बुक की गई सैलून कार के अंदर आयोजित समारोह का हिस्सा था। रेलवे अधिकारियों ने इस बात पर विशेष जोर दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा और रेल परिचालन हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे की प्राथमिक भूमिका और जिम्मेदारी बिना किसी समझौते के यात्रियों की समयबद्धता, सुरक्षा, संरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना है। ट्रेन का सैलून कार एक निजी, आलीशान रेल डिब्बा होता है जो उच्च पदस्थ अधिकारियों और वीआईपी के लिए डिजाइन किया गया होता है। इसमें एसी वाला बेडरूम, एक किचन, एक बैठक और भोजन कक्ष, संलग्न शौचालय आदि सुविधाएं होती हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चंडीगढ़ में वेंडर्स को मिलेगा ठिकाना, 18 को ड्रॉ; साइट्स पर जंगल जैसी स्थिति, कैसे आएंगे ग्राहक?

चंडीगढ़, एजेंसी। वेंडिंग जोन और माडल वेंडिंग जोन की स्थिति की समीक्षा

के लिए एक कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी ग्राउंड लेवल पर जाकर वेंडिंग जोन की वास्तविक स्थिति का पता लगाएगी। वेंडिंग जोन के नाम के बोर्ड तो सेक्टरों में लगे हैं, लेकिन इनकी फेंसिंग के भीतर घास और जंगल जैसी स्थिति है। ऐसे में वेंडर कैसे काम कर पाएंगे, यह निगम को विचार करना चाहिए। यदि वेंडर वहां बैठ भी जाएं, तो ग्राहक कैसे पहुंचेंगे, यह एक बड़ा सवाल है। सेक्टर-52 और 49 जैसे क्षेत्रों में वेंडिंग जोन की स्थिति चिंताजनक है। वेंडर्स को इन वेंडिंग जोन में स्थानांतरित करने के लिए 18 जुलाई को ड्रॉ आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद वेंडरों के लिए साइट और वेंडिंग जोन निर्धारित होंगे। टाउन वेंडिंग कमेटी द्वारा गठित कमेटी नई वेंडिंग जोन साइट का निरीक्षण भी करेगी।

खून के रिश्तों पर भारी पड़ी दोस्ती

19 साल के छात्र ने माता-पिता को छोड़ दोस्त के नाम की 28 करोड़ की वसीयत

बीजिंग, एजेंसी। अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता अपनी जीवनभर की

जमा-पूंजी अपने बच्चों के नाम कर देते हैं, लेकिन चीन से एक ऐसा अनोखा मामला सामने आया है जिसने रिश्तों की परिभाषा पर नई बहस छेड़ दी है। यहां ली सरनेम वाले एक 19 वर्षीय कॉलेज छात्र ने अपनी करीब 28 करोड़ रुपये (20 मिलियन युआन) की पूरी संपत्ति अपने माता-पिता के बजाय अपने बचपन के दोस्त के नाम कर दी है।

माता-पिता ने दिया पैसा, पर नहीं दिया समय: साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, शंघाई निवासी ली के माता-पिता का बहुत पहले तलाक हो गया था और दोनों ने अपनी अलग-अलग शादियां कर ली थीं। हालांकि माता-पिता ने ली को रहने के लिए फ्लैट और काफी पैसा दिया, लेकिन वे उसे अपना समय देने में नाकाम रहे, जिससे ली भावनात्मक रूप से उनसे दूर हो गया। ली को एडवेंचर और खतरनाक खेलों का शौक है और वह जानता है कि इनमें जान का जोखिम रहता है। इसी असुरक्षा के कारण उसने फैसला किया कि उसकी संपत्ति उस व्यक्ति को मिले जिस पर वह सबसे अधिक भरोसा करता है-उसका बचपन का दोस्त।

सौतेले रिश्तेदारों को अजनबी मानता है ली: ली का स्पष्ट कहना है कि वह अपनी करोड़ों की संपत्ति अपने सौतेले माता या पिता को नहीं देना चाहता, क्योंकि वह उन्हें अजनबी मानता है। चीनी कानून के तहत, यदि कोई व्यक्ति बिना वसीयत के मर जाता है, तो संपत्ति पर पहला हक माता-पिता या पत्नी का होता है, लेकिन कानून अपनी मर्जी से किसी बाहरी व्यक्ति को भी वारिस बनाने की अनुमति देता है। नियम के मुताबिक, ली की मृत्यु के बाद उसके दोस्त को 60 दिनों के भीतर इस संपत्ति को स्वीकार करना होगा, अन्यथा वसीयत रद्द हो जाएगी।

इस फैसले ने इंटरनेट पर लोगों को दो गुटों में बांट दिया है। जहां कुछ लोग इसे ली का निजी और सही फैसला बता रहे हैं, वहीं कुछ का तर्क है कि चूंकि यह संपत्ति उसे माता-पिता से ही मिली थी, इसलिए उन पर ही पहला हक होना चाहिए था। कुछ यूजर्स ने तो मजाकिया अंदाज में यह तक कह डाला कि काश उनका भी कोई ऐसा अमीर दोस्त होता जो अपनी जायदाद उनके नाम कर देता। चीन में युवाओं के बीच अब वसीयत बनाने का यह चलन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

● सी-सेक्शन मामलों में सबसे आगे तुर्किए

तुर्किए में सिजेरियन डिलीवरी करने वाले 100 से अधिक डॉक्टरों पर लगा जुर्माना

अंकारा, एजेंसी। तुर्किए के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिजेरियन सेक्शन डिलीवरी करने वाले 100 से अधिक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों पर जुर्माना लगाया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने इन डॉक्टरों को ड्यूटी से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है और उन्हें अनिवार्य रूप से अतिरिक्त ट्रेनिंग लेने का निर्देश दिया है।

डॉक्टरों को विशेष रूप से सी-सेक्शन करने के लिए दंडित किया गया है। इन दंडात्मक कार्रवाइयों में आर्थिक जुर्माना, क्लिनिकल काम से निलंबन और अनिवार्य रूप से दोबारा प्रशिक्षण लेना शामिल है। तुर्किए भर के चिकित्सा संघों ने इन आंकड़ों की पुष्टि की है। सरकार के इस कदम से स्वास्थ्य पेशेवरों में भारी आक्रोश है और वे इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं।

यह कार्रवाई सरकार द्वारा अप्रैल 2025 में लागू किए गए उस नियम के बाद हुई है, जिसमें निजी स्वास्थ्य केंद्रों पर बिना किसी ठोस चिकित्सीय कारण के ऐच्छिक सी-सेक्शन डिलीवरी पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। यह नीति राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की डेकेड ऑफ द फैमिली पहल

का हिस्सा है। इसका उद्देश्य देश में लगातार गिरती जन्म दर को रोकना और जिसे अधिकारी प्राकृतिक जन्म कहते हैं, उसे बढ़ावा देना है।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन के 38 सदस्य देशों में सिजेरियन डिलीवरी की दर तुर्किए में सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, पूर्ण डेटा वाले नवीनतम वर्ष 2023 में, हर 1,000 जीवित जन्मों में से लगभग 615 बच्चों का जन्म सी-सेक्शन के माध्यम से हुआ था। यह कुल जन्म दर का 61.5 प्रतिशत है।

मेडिकल एसोसिएशन ने सिस्टम पर उठाए सवाल

अंताल्या चैंबर ऑफ फिजिशियंस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया कि देश भर में सिजेरियन सेक्शन की उच्च दर का हवाला देते हुए प्रसूति रोग विशेषज्ञों को चेतावनी जारी की गई है, अनुशासनात्मक जांच की गई है, प्रैक्टिस से अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है और प्रसव पूर्व प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए मजबूर किया गया है।

रिपोर्ट के हवाले से, टर्किश मेडिकल एसोसिएशन की एक शीर्ष अधिकारी डॉ. आयसे गुल्लेकिनगिल ने बिरगुन अखबार को बताया कि अधिकारियों द्वारा की गई यह दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है क्योंकि यह मुद्दा संरचनात्मक है।

पाकिस्तान में सेना बनाम सियासत?: 'राजनीति करनी है तो वर्दी उतारें', पाक आर्मी पर बरसे मौलाना फजलुर रहमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सबसे प्रभावशाली धार्मिक और राजनीतिक नेताओं में से एक मौलाना फजलुर रहमान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे देश के सैन्य प्रतिष्ठान पर तीखा हमला करते दिख रहे हैं।

उन्होंने सेना पर संवैधानिक भूमिका का उल्लंघन करने, राजनीति में हस्तक्षेप करने और हिंसाग्रस्त बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में राज्य का शासन बहाल करने में विफल होने का आरोप लगाया। पंजाब के कसूर में एक रैली को संबोधित करते हुए जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि सेना को अपनी संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। अगर वह राजनीतिक भूमिका निभाना चाहती है तो उसे चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने

कहा, 'अगर आप राजनीति करना चाहते हैं, तो वर्दी उतारकर आएं। चुनावों में भाग लें। इससे यह साफ हो जाएगा कि लोग वर्दीधारी लोगों को कितने वोट देते हैं।' फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति को लेकर दावा किया कि हिंसा के पश्तून-बहुसंख्यक क्षेत्रों में भी फैलने से पहले राज्य ने बलूचिस्तान के बड़े हिस्सों पर अपना नियंत्रण लगातार खो दिया था। उन्होंने पूछा, 'देश बिखर रहा है। शासक कहां हैं?' 'बलूच क्षेत्रों में विद्रोह हुए थे। पूरा बलूच क्षेत्र पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो गया था। आज भी वहां पाकिस्तानी सरकार का कोई शासन नहीं है।' उन्होंने दावा किया कि बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब खैबर पख्तूनख्वा तक फैल गई है।

यह तीखी आलोचना पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ओर से नागरिकों से आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई में सेना के साथ खड़े होने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि व्यापक जन समर्थन के बिना सशस्त्र बल अकेले आतंकवाद को खत्म नहीं कर सकते। फजलुर रहमान ने अपील को सिरे से खारिज कर दिया और तर्क दिया कि देश की रक्षा करना सेना का संवैधानिक दायित्व है। नागरिकों से राज्य की लड़ाई लड़ने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'लोग कहते हैं कि हमारे युवा शहीद बन रहे हैं। आपके युवा इसी उद्देश्य से वर्दी पहनते हैं। उन्हें देश की सुरक्षा की रक्षा के लिए वेतन दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि तुम अपने खून का एहसान मुझ पर क्यों थोप रहे हो? तुम हमारी मेहनत और पसीने से कमाए गए करों से अपना वेतन ले रहे हो।

जब शादी से लौटते वक्त मौत से हुआ सामना, मेहमानों की पिकअप दो ट्रकों के बीच पिसी; 13 लोगों की गई जान

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर शादी से लौट रहे मेहमानों की पिकअप हाईवे पर दो ट्रकों के बीच फंस गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यू टर्न लेते समय पीछे से ट्रक की टक्कर के बाद पिकअप दूसरी लेन में पहुंच गई, जहां एक और ट्रक से भिड़ंत हो गई। स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, सभी लोग एक खुली पिकअप में सवार थे। हाईवे पर यू टर्न लेने के लिए चालक ने डिवाइडर के कट के पास वाहन की रफ्तार धीमी की और उसे रोक दिया। तभी पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक विंग बॉक्स ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। हिदायत ने बताया कि पहली टक्कर के बाद पिकअप सामने वाली लेन में जा पहुंची, जहां विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक ने भी उसे टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर के कारण पिकअप में सवार एक दर्जन से अधिक लोग उछलकर हाईवे पर जा गिरे। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हुए पांच लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें कुछ को मामूली जबकि कुछ को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इंडोनेशिया में सड़क हादसे अक्सर जानलेवा साबित होते हैं। इसकी बड़ी वजह ओवरलोड वाहन, सड़क सुरक्षा के अपर्याप्त इंतजाम और यातायात नियमों का ठीक तरह से पालन नहीं किया जाना माना जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,